धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● रांची, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 156 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड मुख्यमंत्री
मंईयां
सम्मान योजना

हर बहना को
हर साल
₹ 12 हजार

18 से 20
वर्ष की बहन-बेटियों
को भी योजना से लाभ

लुगु बुरु घंटाबाड़ी धोरोम गाढ़
की पवित्र भूमि लंलपनिया से

करम पर्व
की पूर्व संध्या पर लाखों बहनों को
खुशियों का उपहार

48,15,048 बहनों
का योजना के तहत
हुआ निबंधन

45,36,597 बहनें
सम्मान राशि से
अबतक आच्छादित

हर महीने की
15 तारीख तक
हर बहन के खाते में
पहुँचेगी सम्मान राशि

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY) की

दूसरी किस्त
का होगा हस्तांतरण

13 सितंबर, 2024 | अपराह्न 12:30 बजे से
ललपनिया फुटबॉल मैदान, गोमिया, बोकारो

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

एनडीए की दो सबसे बड़ी पार्टी की नीतियों में राहें जुदा-जुदा

आजसू ने 1985 छोड़ दिया या भाजपा ने 1932 स्वीकार कर लिया!

दिल्ली में आजसू कार्यकर्ता (फाईल फोटो).

2013 में दिल्ली के लिए कार्यकर्ताओं को रवाना करते सुदेश महतो (फाईल फोटो).

ब्यूरो प्रमुख । रांची

विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, एनडीए के दो महत्वपूर्ण घटक भाजपा और आजसू के बीच मुद्दों को लेकर गंभीर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है. भाजपा इस बात को नहीं भूल पायी है कि वर्ष 2014 का चुनाव गठबंधन के तहत लड़ा गया था. भाजपा-आजसू की सरकार बनी थी. लेकिन पांच सालों तक आजसू विपक्ष की भूमिका में चली गयी थी. सरकार बनने के कुछ दिन बाद ही आजसू 1985 के मुद्दों पर आ गयी थी. "जन की बात" नाम से पूरे राज्य में अभियान चलाया था, जिसमें आजसू प्रमुख सुदेश महतो शामिल होते थे और उनका लहजा आक्रामक हुआ करता था. 10 लाख पोस्टकार्ड तब के मुख्यमंत्री रघुवर दास को भेजा गया था. 10 साल बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या आजसू ने 1985 के मुद्दे को छोड़ दिया है. सवाल उठने लगा है कि आजसू इस चुनाव में 1985 की नीतियों को छोड़ कर आगे बढ़ेगी या भाजपा ने उसे स्वीकार कर लिया है.

रघुवर सरकार के समय आजसू ने चलाया था "जन की बात" कार्यक्रम

जातीय जनगणना : इस मुद्दे पर भाजपा और आजसू की राहें जुदा-जुदा रहे हैं. आजसू प्रमुख जातीय जनगणना को लेकर न सिर्फ सहमत रहे हैं, बल्कि पार्टी के अधिवेशन में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा चुके हैं. यही हाल भोजपुरी, मगही, अंगिका जैसी क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर है. आजसू इन भाषओं को क्षेत्रीय भाषा से हटाने की मांग करती रही है. ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या भाजपा की कोई बातचीत इन दोनों मुद्दों पर हुई है या फिर चुनाव के बाद 2014 वाली स्थिति ही देखने को मिलेगी.

1932 का खतियान व कुरमी मुद्दा : झारखंड के कुरमी शिडयूल ट्राईब (एसटी) में शामिल करने की मांग करते रहे हैं. आजसू भी यही मांग करती रही है. क्या भाजपा ने इस पर अपनी सहमति जता दी है. बात 1932 के खतियान वाले मुद्दे की करें, तो 30 अप्रैल 2023 को हरमू मैदान में आयोजित सभा में सुदेश महतो ने कहा था- हेमंत सोरेन की सरकार ने कहा था कि वह 1932 का खतियान लागू करेगी, लेकिन गलती से 2023 का खतियान लागू कर दिया. वह जनता के पास जाएंगे और इस मामले में सरकार की नियत के बारे में बताएंगे. सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और विधायक लंबोदर महतो ने भी इस मुद्दे पर सरकार को खरी-खोटी सुनायी थी. लंबोदर महतो हर सत्र में इसी मुद्दे की तख्ती लेकर विधानसभा के बाहर बैठते हैं. इस मामले में भी भाजपा की नीति बिल्कुल विपरित है. सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों में कुछ बात हो गई है.

वृहद झारखंड

पिछले साल पार्टी के महाधिवेशन में आजसू ने इस बात पर गंभीर चर्चा की थी कि आखिर झारखंड राज्य बना क्यों? क्यों जरूरी था और बना तो क्या उद्देश्यों की पूर्ति हुई ? महाधिवेशन में पार्टी के मुख्य प्रशिक्षक संजय बसु मल्लिक ने कहा था- झारखंड आंदोलन 1938 में शुरू हुआ, 1950 में इस नाम से पहली पार्टी बनी और आंदोलन जारी रहा. तो क्या अब आंदोलन खत्म हो गया है. मैं समझता हूं कि झारखंड न तो मिला है और न ही झारखंड आंदोलन खत्म हुआ है. आंदोलनकारियों व शहीदों ने जो सपना देखा था, वह पूरा नहीं हुआ है. बिहार से लेकर झारखंड अलग बना, लेकिन पश्चिम बंगाल और ओड़िशा में झारखंड का जो हिस्सा है, वह अभी भी छूटा हुआ है. इसलिए आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है. क्या झारखंड को लेकर भाजपा भी इसी तरह सोंचती है या आगे भी सोचेगी.

विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग रखी थी

नवंबर 2013 में आजसू के हजारों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे थे. सुदेश महतो नेतृत्व कर रहे थे. उनकी मांग झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की थी. बीबीसी से बात करते हुए सुदेश महतो ने कहा था- देश का 40 प्रतिशत खनिज झारखंड में है. लेकिन विकास के पैमाने पर राज्य लगातार पिछड़ रहा है. लिहाजा विशेष राज्य का दर्जा मिलने पर ही झारखंड का नवनिर्माण हो सकेगा. विशेष राज्य के आंदोलन में भाग लेने के लिए विशेष ट्रेन की भी व्यवस्था की गई थी. 16 नवंबर को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सुदेश महतो के नेतृत्व में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी से मिलकर मांग पत्र सौंपा था, जबकि यह बात जगजाहिर है कि भाजपा इस तरह की मांगों को लगातार खारिज करती रही है.

1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति लागू करने की मांग वाली तख्ती के साथ आजसू विधायक लंबोदर महतो (फाईल फोटो)

ई हैं जल के ईश्वर, मामा जी भी हैं, फिर से टिकट ला लार चुवाइले हैं

संजय सिंह

ई जल के ईश्वर हैं. माई-बाबू ने इहे नाम रख दीहिन था. वईसे ई नेताजी को मामा का नाम से भी लोग जानते हैं. मामा जी धन से आबाद कोइला नगरी में राजनीति चमकाइले रहे हैं. कोइला नगरिया में एगो इलाका है, जहां सुने हैं लोग-बाग ने बाघवे को मार डाला था, तो ओकरे पर नाम पड़ गया -माराबाघ. ई विधानसभा क्षेत्र भी है. यहां काला-काला कोईलवा का करिया-करिया धंधवा खूबे फलता -फूलता रहा है.यहां नेतई कोइला के काला करोबार करेला या काला कारोबारी के संरक्षण देवे ला होता है. कोइलवा में ढेरे माल है, सो नेताजी लोगन के बहार है. यहीं पर मामा पहिले तीर चलाइले थे. तीर में निशाना साधे तो लाल बत्तिया वाला जमाना में लाल बत्तियो का मजा मार लिहिन. लोगन को पानी पिलावे वाला विभाग मिलल था, तो नेताजी अईसन पानी पिलाए कि पूछिए मत. पानियो पिलाए में पूरा खेल करवा दीहिन. ढेरे गड़बड़झाला हुआ था, खूबे हंगामा बरपा था. लेकिन खैर...बीती ताहि बिसार दें. एकरा बाद तो दु-दु दफा तीर लेकर घूमते रहे , लेकिन निशाना लगबे न किया. बेचारे हबकुनिए फेंका गए. बुरी तरह से चोटिल हुए. अईसन चोटिल हुए कि बेचारे के मुंह से बकारे न निकल रहा था. जो वोटबैंकवा पर भरोसा था, ऊ लोग तो अइनसन गच्चा दीहिस कि पूछिए मत.जब अपनी जातिवाला लोग ही मुंह फेर लिया, तो बेचारे के मुंहवे लटक गया. वोटबैंकवा झटकेवाला मालदार नेताजी के आगे तीरवा निशाना पर लगिए न रहा था. तो मामा जी हांफे लगे. और सबसे मजेदार तो ई है कि जो मालदार भगिना इनको मामा-मामा कह कर पुकारता था, उसी ने दु-दु पटकनिया दे दी. अब तो मामा जेने-तेने मौका तलाशे लगे. कहे लगे कि भाई अब ई पार्टिया के तीर निशाना पर न लगे वाला है. एकर तो गुलिश्ते बरबाद है. जब गुलिश्ते बरबाद है, को दूसर घर तो खोजे ही पड़ेगा न. जल के ईश्वर मामा जी दु-दु बेर हबकुनिए फेंकाए, तो पूरा हांफले थे. ढेरे माल भी हथवा से निकल गया, तो सांस उखड़े लगा. लगा कि दमा हो गिया है. मामा जी घर खोजे लगे. आखिर मामा जी के पंजा धरे के चांस मिलिए गया. दिल्लीए दरबार के सेट कर लीहिन मामा जी और पंजा थामले लौट गए. मामाजी पंजा लेले पूरे मारा बाघ इलाके में भागे-दउड़े लगे. लोग के बतावे लगे... कहे लगे- भाई आपसब लोग तो अपने जाति के हैं, अबकी पंजा लड़ावेला लाए हैं. साल भर मामा जी खूब पसीना बहाए. लेकिन भगीनवा हंफाइल रखा. वइसे ई नेताजी धरती से भी जुड़ल रहे हैं. लोगबाग को कबी सिनेमो देखाया करते थे. हॉल वे काम करते थे. लेकिन केतनो जमीन से जुड़ल रहे, भगीना ई ईश्वर जी को जल यानी पानी पिलाइले रहा. बेचारे तिसरका दफा पंजा लेकर घूमले थे, लेकिन फिर से फेंका गए. पंजा लेले-देले औंधे मुंह छितराइल रहे. इनको भी अपना जातिवाला भाई लोग पर भरोसा था, लेकिन बेचारे पइसवा में कमजोर पड़ गए, तो सभी लोग मिल कर अईसन गच्चा दिया कि पूछिए मत. वईसे मामा को इलाके के लोग घमंडिया भी बताते हैं. स्वजातीय लोग कहते हैं कि मामा ढेरे टेढ़ियाते भी हैं, तो हमलोग भी समय आने पर इनको धकिया देते हैं. का करें, जइसन को तइसा जवाब तो देवेही पड़ेगा ना. मामा के बारे में बताया जाता है कि ई 70 पारवाले आयुष्मान लाभार्थी की श्रेणी में आ गए. भगीना महोदय विधानसभा चुनाव में इनको पटकते-पटकते दिल्ली दरबार पहुंच गए हैं. धन से आबाद सीट फतह कर दिल्ली पहुंचे हैं. अब ऊ श्रीमान अपना पत्नी-बेटा के अपन राजनीति विरासत सौंपे ला तइयार बइठल हैं. इधर मामा जी भी कम बेचैन न हैं. मामा जी तीन-तीन दफा चुनाव हारे के बाद भी खुद ही टिकट ला लार चुवाइले हैं. मामा को भरोसा है कि भगीनवा दिल्ली चल गया है, तो उनका जातियावाला लोग अबकी उनको मौका दे सकता है. मामा जी को पूरा भरोसा है कि बाघ मारेवाला लोग वंशवाद को रिजेक्ट कर देगा.अब देखिए मामा को पंजा लड़ावे का मौका मिलता है कि न मिलता, काहे कि ईहा उनको एगो पुरनका पंजावाले नेताजी के बेटाजी भी रह-कह कर चिढ़ा रहिन हैं. ई लाला जी कम चतुर-चालाक न हैं. अभिए से घूम-घूम कर कहले हैं, मामा तो गियो. तीन-तीन बार चुनाव में ठोका-पिटा गए हैं, अब तो मामा गियो. अब तो युवा को ही मौका मिलेगा. बेचारे मामा जी के अपनी ही पार्टियावाला भी हंफाईले है.आगे-आगे देखिए होता है क्या. पंजा लपके में मामा जी की जय-जय होती है या लाला जी की लालागीरी चलती है...

चुनावी चकल्लस

सिपाही-हवलदार की प्रोन्नति के मामले को लेकर अगले सप्ताह बैठक

रांची। सिपाही और हवलदार को एएसआई रैंक में प्रोन्नति मिलेगी. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने एएसआई रैंक में प्रोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों का सर्विस बुक तैयार रखने का निर्देश दिया है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि इन पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति के लिए प्रोन्नति समिति की बैठक अगले सप्ताह होने की संभावना है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि सितंबर-2021 से पूर्व का प्रोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ न्यायालय में कानूनी कार्यवाही के लिए विधारधीन मामले, कोई गंभीर प्रकृति का आरोप, न्यायिक मामला और आपराधिक मामले को छोड़कर अन्य सामान्य आरोप हो, जिसका निराकरण अबतक नहीं किया गया है, तो वैसे मामलों में संबंधित एसपी व डीआईजी मामले का पुर्नसमीक्षा करेंगे और पांच दिनों के अंदर निष्पादन कर लिये गये निर्णय की वस्तुस्थिति से पुलिस मुख्यालय को अवगत करायेंगे.

एससी/एसटी केस पर जवाब के लिए मांगा वक्त

रांची। ईडी के अधिकारियों पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा एससी और एसटी एक्ट के तहत दर्ज करवाए गए मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग वाली याचिका पर हाईकोर्ट में अब 15 अक्तूबर को सुनवाई होगी. गुरुवार को राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसके बाद अदालत ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है. दरअसल 31 जनवरी को ईडी द्वारा गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले झारखंड के तत्कालीन सीएम की ओर से रांची के एससी, एसटी थाने में ईडी अधिकारियों और मीडियाकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाया था. जिसकी जांच फिलहाल रांची पुलिस कर रही है. रांची पुलिस ने सीआरपीसी-41ए के तहत ईडी के सहायक निदेशक कपिल राज, सहायक निदेशक देवव्रत झा, अनुपम कुमार और एक अन्य अधिकारी समेत ईडी अधिकारियों को नोटिस भेजा था. हालांकि झारखंड हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगा दी थी. हाईकोर्ट से ईडी के सभी अधिकारियों को राहत मिली हुई है.

आठ माह में सात बार सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की हुई कोशिश

झारखंड में हर माह होती है सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड में हर महीने सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश होती है. इस साल अब तक यानी आठ महीने में राज्य के अलग-अलग जिले में सात बार सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गयी. हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखायी और माहौल को शांत कराने में सफलता हासिल की. झारखंड पुलिस की रिपोर्ट की मानें तो हाल के कुछ वर्षों में कम संवेदनशील त्योहारों (सरस्वती पूजा, गणेश पूजा, मिलाद उन नबी) में भी विधि व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई है. झारखंड के जो क्षेत्र पहले सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील नहीं थे, अब वहां भी पर्व-त्यौहारों में अशांति का माहौल देखा जा रहा है.

जानें कब-कब सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गयी

09 सितंबर : धनबाद जिले के चिरकुंडा थाना क्षेत्र के बाबू डंगाल सीएमडब्लूओ कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में मांस का टुकड़ा मिलने के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गयी थी.

18 जून : पलामू के पांकी प्रखंड के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र स्थित नौडीहा बहेरा में गौशाला में प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा मिलने के बाद माहौल बिगड़ गया था.

17 जून : पाकुड़ जिले के सदर प्रखंड के गोपीनाथपुर और पश्चिम बंगाल के कृष्टानगर के ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया था. दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया था कि मारपीट की नौबत आ गयी थी. इसके बाद दोनों गुटों में पथराव के साथ-साथ बमबाजी भी हुई थी.

17 जून : बोकारो जिले में एक हादसे में दो मवेशियों की मौत के बाद अलग-अलग पक्षों से जुड़े लोग आमने-सामने हो गये थे. इसके बाद दोनों पक्षों में पथराव भी हुआ था. इस झड़प और पथराव में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए थे.

16 फरवरी : रांची के नगड़ी में मूर्ति विसर्जन करने जा रहे जुलूस पर पथराव किया गया. जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गयी थी.

21 जनवरी : धनबाद में भगवा झंडा लगाने को लेकर दो समूहों के बीच मारपीट और पत्थरबाजी की घटना हुई.

08 जनवरी : रांची बरियातू में असामाजिक तत्वों ने देवी-देवताओं की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गये थे.

तकनीकी रूप से दक्ष बनाए जाएंगे झारखंड के विद्यार्थी

- मानकी मुंडा छात्रवृति योजना के लिए सात करोड़ की स्वीकृति
- डिप्लोमा के विद्यार्थियों को प्रति वर्ष मिलेंगे 15 हजार रुपये

प्रमुख संवाददाता । रांची

राज्य सरकार अब विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष करेगी. सरकार ने मानकी मुंडा छात्रवृति योजना के तहत सात करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है. उच्च शिक्षा विभाग ने यह स्वीकृति वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए दी है. जारी आदेश में कहा गया है कि सरकार राज्य में तकनीकी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने एवं सर्वांगीण विकास के लिए दृढ संकल्पित है. राज्य में तकनीकी शिक्षण संस्थानों में नामांकित विद्यार्थियों में छात्राओं का अनुपात काफी कम है. तकनीकी शिक्षण संस्थानों में राज्य के छात्राओं को नामांकन के प्रति जागरूक करने, आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक सहायता प्रदान करने के उदेश्य से इस योजना का क्रियान्यन किया जा रहा है.

किसे मिलेगा योजना का लाभ

योजना के तहत झारखंड सरकार डिप्लोमा के छात्रों को प्रतिवर्ष 15 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी. 10वीं और 12वीं पास छात्रों को सरकार 30 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी. इस योजना के तहत राज्य सरकार 4200 विद्यार्थियों को लाभ प्रदान करेगी. इस योजना के लाभ लेने के लिए झारखंड का मूल निवासी होना अनिवार्य है. साथ ही परिवार की वार्षिक आय चार लाख रुपए से कम होनी चाहिए. छात्रवृति का लाभ बीटेक कर रही छात्राओं को भी दिया जाएगा.

कोर्ट की खबरें

बहस पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

सहायक आचार्य नियुक्ति केस

संवाददाता । रांची/दिल्ली

झारखंड टेट (जेटीईटी) पास अभ्यर्थियों की ओर से सहायक शिक्षक (आचार्य) नियुक्ति परीक्षा में सीटेट पास और झारखंड के पड़ोसी राज्य से टेट परीक्षा पास अभ्यर्थी को शामिल करने के विरुद्ध दाखिल याचिका पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. बुधवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी कर ली गई थी, जिसके बाद गुरुवार को सीटीईटी की ओर से वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने बहस की. सभी पक्षों को सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की खंडपीठ इस मामले में सुनवाई की. प्रार्थियों की ओर से झारखंड हाईकोर्ट के सीनियर अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट में पक्ष रखा. दरअसल झारखंड हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य नियुक्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया में दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थी या सीटेट पास अभ्यर्थी भी शामिल हो सकते हैं. जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के याचिका दाखिल की गई है.

मंत्री इरफान को हाईकोर्ट से झटका

रांची। झारखंड हाईकोर्ट से राज्य सरकार के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को बड़ा झटका लगा है. अदालत ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दुमका सिविल कोर्ट द्वारा चार्ज फ्रेम किये जाने को चुनौती दी थी. याचिका खारिज होने के बाद अब ट्रायल कोर्ट इस मामले की सुनवाई शुरू करेगा. इरफान अंसारी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अरुण कुमार राय की कोर्ट में सुनवाई हुई. इरफान अंसारी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने बहस की. दरअसल साल 2018 में दुष्कर्म की शिकार हुई एक बच्ची की फोटो अस्पताल से वायरल होने के मामले में इरफान अंसारी के खिलाफ अदालत ने संज्ञान लिया था. इस मामले में इरफान अंसारी के खिलाफ जामताड़ा थाना में केस दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि विधायक इरफान अंसारी के मोबाइल से बच्ची का फोटो वायरल हुआ. दुमका के एमपी-एमएलए कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है. दुमका सिविल कोर्ट ने 21 दिसंबर 2022 में इरफान अंसारी के खिलाफ चार्जफ्रेम किया था.

नगर निगम-निकाय चुनाव : सिंगल बेंच का फैसला बरकरार

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने नगर निगम और नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो के मामले में सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी है. 28 अगस्त को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में हुई. सिंगल बेंच ने रौशनी खलखो की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जल्द चुनाव कराने का निर्देश दिया था, जिसे डबल बेंच ने बरकरार रखा है.

पासवा का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल सम्मेलन 18 को चतरा में

संवाददाता । रांची

पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन-पासवा का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल सम्मेलन चतरा के गॉडफ्रे स्कूल कैंपस में 18 सितंबर को होगा. इसका उद्घाटन झारखंड के श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोक्ता करेंगे. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे रहेंगे. पासवा के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी सात जिलों के प्रतिनिधि सहित राज्य के अन्य जिलों से पासवा पदाधिकारीगण इसमें सम्मिलित होंगे. सम्मेलन में झारखंड में निजी विद्यालयों की समस्या एवं उसके समाधान के प्रयास पर विस्तृत चर्चा की जाएगी. मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा. गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव डॉक्टर राजेश गुप्ता छोटू, राष्ट्रपति अवार्डी सह प्रदेश महासचिव पासवा फलक फातिमा व शिक्षाविद रश्मि प्रकाश मौजूद रहेंगे. प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम की मेजबानी चतरा पासवा करेगा. कार्यक्रम में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी सातों जिले हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, धनबाद, रामगढ़, गिरिडीह, चतरा के प्रतिनिधिगण सम्मिलित होंगे. इसकी जानकारी पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज कुमार ने दी.

क्लासिफाइड

ट्रांसफर-पोस्टिंग | मनमोहन कुमार बने रांची एरिया बोर्ड के नए महाप्रबंधक

जेबीवीएनएल रांची जीएम पीके श्रीवास्तव समेत 16 अफसरों का तबादला

- डीनए साहू बने रांची के नए एसई

विशेष संवाददाता । रांची

जेबीवीएनएल के रांची एरिया बोर्ड जीएम (महाप्रबंधक) पीके श्रीवास्तव समेत 16 बिजली अफसरों का तबादला कर दिया गया है. पीके श्रीवास्तव का तबादला निगम मुख्यालय में महाप्रबंधक (सेल एंड प्रचेज) में कर दिया गया है. वहीं जमशेदपुर एरिया बोर्ड के जीएम श्रवण कुमार को महाप्रबंधक एपीटी निगम मुख्यालय, धनजंय कुमार महाप्रबंधक एपीटी को निगम मुख्यालय में जीएम आईटी और निगम मुख्यालय के महाप्रबंधक तकनीकी सुनील कुमार को जीएम

मेदिनीनगर एरिया बोर्ड के पद पर पदास्थापित किया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गयी है.

मनमोहन कुमार बने रांची जीएम : जीएम के अलावा कई डिप्टी जीएम का भी तबादला किया गया है. जारी अधिसूचना के अनुसार, उपमहाप्रबंधक डालटेनगंज मनमोहन कुमार को उप महाप्रबंधक रांची के अतिरिक्त रांची एरिया बोर्ड के जीएम का प्रभार दिया गया है. वहीं अजीत कुमार (सेल प्रचेज) निगम मुख्यालय को जमशेदपुर एरिया बोर्ड का उपमहाप्रबंधक राजस्व के अतिरिक्त जमशेदपुर एरिया बोर्ड का जीएम का अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है. दीपक कुमार जमशेदपुर अंचल को उपमहाप्रबंधक निगम मुख्यालय (एसओएंडडब्लू) बनाया गया है. इन्हें महाप्रबंधक तकनीकी निगम मुख्यालय का भी अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है. जेबीवीएनएल के प्रभारी जीएम आईटी और उपमप्रबंधक स्टोर एवं टीआरडब्लू संजय सिंह को उप महाप्रबंधक पावर प्रचेज निगम मुख्यालय के अतिरिक्त महाप्रबंधक तकनीकी मुख्यालय बनाया गया है.

आठ एसई का तबादला, रांची एसई डीके सिंह चास गयेः उप महाप्रबंधक चास डीएन साहू को रांची बिजली आपूर्ति सर्किल, विभा कुमारी को राजस्व रांची को प्लानिंग मुख्यालय, गिरिडीह सर्किल के विनय कुमार सिन्हा को कोडरमा सर्किल, रांची सर्किल के दिनेश कुमार सिंह को चास सर्किल, कोडरमा सर्किल के सुधांशु को टीआरडब्लू रांची, सुधीर कुमार को निगम मुख्यालय से जमशेदपुर सर्किल, मुकुल कुमार को हजारीबाग से रामगढ़ सर्किल और संतोष कुमार सिन्हा को रामगढ़ से हजारीबाग सर्किल में तबादला कर दिया गया है.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

रांची, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 156

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

जन्म 12 अगस्त 1952

मृत्यु 12 सितंबर 2024

माकपा महासचिव सीताराम येचुरी नहीं रहे

- 72 साल की उम्र में दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस
- येचुरी का पार्थिव शव एम्स को किया जाएगा डोनेट

नयी दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद सीताराम येचुरी का गुरुवार को निधन हो गया. येचुरी 72 साल के थे और लंबे समय से बीमार थे. उन्होंने गुरुवार को दिल्ली एम्स में आखिरी सांस ली. सीताराम येचुरी को दिल्ली एम्स के आईसीयू में एडमिट किया गया था, यहां उनका श्वसन तंत्र में संक्रमण का इलाज चल रहा था. येचुरी पिछले कुछ दिनों से रेस्पिरेटरी सपोर्ट पर थे, डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही थी. येचुरी ने 2015 में प्रकाश करात की जगह माकपा महासचिव का पद संभाला था. सीताराम येचुरी को 19 अगस्त को एम्स दिल्ली एम्स इमरजेंसी वार्ड में एडमिट किया गया था. येचुरी के निधन के बाद पार्टी कार्यालय में पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया है. पार्टी ने इस मौके पर एक्स पर पोस्ट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और एम्स के डॉक्टरों के प्रति आभार जताया है. एम्स ने एक बयान जारी करते हुए बताया कि 72 वर्षीय सीताराम येचुरी को निमोनिया के साथ 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था और 12 सितंबर को दोपहर 3:05 बजे उनका निधन हो गया. येचुरी के परिवार ने उनकी बॉडी को शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए एम्स दिल्ली को डोनेट कर दिया है. एम्स के मुताबिक फेफड़ों में संक्रमण और मल्टी ऑर्गन फेलियोर के चलते उनका निधन हुआ है.

राहुल गांधी व ममता बनर्जी ने जताया दुख

सीताराम येचुरी के निधन पर राहुल गांधी ने दुख जताया है. राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, सीताराम येचुरी जी दोस्त थे. उन्हें भारत की गहरी समझ थी और वे भारत की विचारधारा के रक्षक थे. मैं उनके साथ लंबी बातचीत को मिस करूंगा. उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं. उधर, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी येचुरी के निधन पर दुख जताया है. उन्होंने लिखा, येचुरी के निधन की खबर सुन कर दुख हुआ. उनका निधन देश की राजनीति को बड़ा नुकसान है. मैं उनके परिवार, दोस्तों और करीबियों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करती हूं.

कौन थे सीताराम येचुरी

सीताराम येचुरी का जन्म 12 अगस्त 1952 को मद्रास (चेन्नई) में एक तेलुगु भाषी ब्राह्मण परिवार में हुआ था. उनके पिता सर्वेश्वर सोमयाजुला येचुरी आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में इंजीनियर थे. उनकी मां कल्पकम येचुरी एक सरकारी अधिकारी थीं. वे हैदराबाद में पले-बढ़े और 10वीं कक्षा तक हैदराबाद के ऑल सेंट्स हाई स्कूल में पढ़ाई की. येचुरी ने प्रेसिडेंट्स एस्टेट स्कूल, दिल्ली में दाखिला लिया और 12वीं की परीक्षा में अखिल भारतीय प्रथम रैंक हासिल की. इसके बाद उन्होंने सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली से अर्थशास्त्र में बीए (ऑनर्स) की पढ़ाई की और फिर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एमए अर्थशास्त्र किया. इमरजेंसी के समय जेएनयू में छात्र रहते उन्हें गिरफ्तार किया गया था.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,600
चांदी (किलो)	88,000

ब्रीफ खबरें

लालू प्रसाद की मुंबई में एंजियोप्लास्टी

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की हार्ट में दिक्कत के बाद मुंबई के एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई है. 76 साल के लालू को दो दिन पहले मुंबई के एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया था. हार्ट में ब्लोकेज की समस्या के चलते डॉक्टरों ने एंजियोप्लास्टी की सलाह दी. एंजियोप्लास्टी के बाद लालू की हालत स्थिर है. उन्हें एक या दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी.

केजरीवाल की बेल पर सुप्रीम फैसला आज

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुनाएगा. केजरीवाल ने कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की ओर से उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. सुप्रीम कोर्ट वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ शुक्रवार को अपना फैसला सुनाएगी.

शेयर बाजार ने तोड़ डाले सारे रिकॉर्ड

मुंबई। शेयर बाजार ने एक बार फिर इतिहास रचा है. बीएसई सेंसेक्स 1439.55 अंक उछल कर 82,962.71 अंक पर बंद हुआ. यह अब तक की सबसे बड़ी क्लोजिंग है. वहीं, ट्रेडिंग के दौरान सेंसेक्स 83116 अंक तक गया. यह सेंसेक्स का ऑल टाइम हाई है. एनएसई निफ्टी की बात करें तो 470.45 अंक चढ़ कर अब तक के उच्चतम स्तर 25,388.90 अंक पर बंद हुआ. बीएसई के 30 शेयरों की बात करें तो एनटीपीसी, एयरटेल, महिंद्रा एंडएं महिंद्रा के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा चढ़कर बंद हुए.

चीन से सुलझे 75% मुद्दे: विदेश मंत्री

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद पर कहा कि चीन के साथ समस्याओं में से 75 प्रतिशत का समाधान हो गया है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर सैन्यीकरण का बढ़ना है. जेनेवा शहर में एक थिंक-टैंक में एक संवादात्मक सत्र में, जयशंकर ने कहा कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों ने भारत-चीन संबंधों को प्रभावित किया है, उन्होंने जोर देकर कहा कि सीमा पर हिंसा होने के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि बाकी संबंध इससे अछूते हैं.

सीक्रेट मिसाइल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली। भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गुरुवार की दोपहर 3.20 पर ओडिशा के तट से शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (एसआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया. यह मिसाइल पूरी तरह से स्वदेशी है. नौसेना के जंगी जहाजों में इसे वर्टिकल लॉन्च सिस्टम में लगाया जाता है. इसलिए इसे वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल भी कहते हैं. लेकिन इसका इस्तेमाल जमीन से भी हो सकता है

बांग्लादेशी घुसपैठ पर केंद्र ने हाईकोर्ट में दायर किया शपथपत्र, बताया

संथाल की डेमोग्राफी में16% की गिरावट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

दानियल दानिश ने दायर की है पीआईएल

झारखंड के संथाल परगना इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले को लेकर जनहित याचिका पर केंद्र सरकार ने गुरुवार को हाईकोर्ट में शपथपत्र के जरिए अपना जवाब दाखिल कर दिया. इसमें बताया गया है कि संथाल प्रमंडल की डेमोग्राफी में आदिवासी आबादी की हिस्सेदारी में 16%की गिरावट आई है. यहां पहले आदिवासियों की आबादी 44% थी, जो घटकर 28% हो गई है. केंद्र सरकार ने आदिवासी आबादी में गिरावट के दो कारण बताए हैं. पहला, पलायन और दूसरा धर्मांतरण. केंद्र ने अपने जवाब में छह जिलों की डेमोग्राफी में विगत वर्षों में आए बदलाव को स्वीकार किया है. बताया है कि इन जिलों में मुस्लिम आबादी में 20 से 40% की वृद्धि हुई है. पाकुड़ और साहिबगंज में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी बढ़ी है. ईसाइयों की संख्या में भी छह हजार गुना तक की वद्धि हुई है.

यूआईडीएआई ने भी रखना अपना पक्ष : हाईकोर्ट के निर्देश पर केंद्रीय एजेंसी यूआईडीएआई ने भी मामले में अपना पक्ष दाखिल किया है, जिसमें यह बताया गया कि आधार से व्यक्ति विशेष की पहचान पूरी तरह संभव है, लेकिन यह किसी की नागरिकता का आधार नहीं हो सकता.

संथाल में एनआरसी लागू करने की जरूरत : केंद्र ने संथाल की मौजूदा परिस्थितियों से अवगत कराते हुए कहा कि पिछले एक दशक में आदिवासियों की संख्या तेजी से घटी है. केंद्र ने कहा कि इसमें घुसपैठ ही नहीं धर्मांतरण और पलायन भी शामिल है. संथाल में राज्य सरकार ही संथाल परगना टेंडेंसी एक्ट (एसपीटी) का वायलेशन कर रही है. बाहर से आ रहे घुसपैठियों को संरक्षण दिया जा रहा, ताकि वह यहां की जमीनों पर कब्जा कर सकें. बड़ी संख्या में गिफ्ट डीड के तहत जमीनों का हस्तांतरण हुआ है, जो दर्शाता है कि राज्य की सहमति के बगैर नहीं हो सकता. केंद्र ने स्थिति को देखते हुए संथाल में एनआरसी लागू करने की जरूरत बताई. कहा, उनके पास घुसपैठियो के शिनाख्त और वापस भेजने की क्षमता है. पर इसके लिए एनआरसी का लागू होना बेहद जरूरी है. इसके साथ ही केंद्र सरकार की ओर से दी गई जानकारी में यह भी बताया गया है कि संथाल परगना इलाके में पिछले कुछ वर्षों में मदरसों की संख्या में भी काफ़ी इजाफा हुआ है. मदरसों में सबसे ज्यादा इजाफा सीमावर्ती साहिबगंज और पाकुड़ जिले में हुआ है.

केंद्र ने हलफनामे में क्या-क्या कहा

- संथाल में आदिवासी आबादी 44 से घट कर 28% हुई
- बढ़े मदरसे, मुस्लिमों को गिफ्ट डीड के जरिए दी जा रही एसपीटी एक्ट की ज़मीन
- संथाल परगना की डेमोग्राफी में 16 फीसदी की गिरावट
- आबादी घटने के दो कारण, पहला-पलायन, दूसरा धर्मांतरण
- इलाके में मुस्लिम आबादी 20 से 40 फीसदी तक बढ़ी
- पाकुड़ और साहिबगंज में सबसे ज्यादा बढ़े मुस्लिम
- ईसाइयों की संख्या में छह हजार गुना की वृद्धि

मामले में अगली सुनवाई मंगलवार को : इस मामले में गुरुवार को तकनीकी कारणों से कोर्ट में विस्तृत सुनवाई नहीं हो पाई। यह मामला अगले मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है. बता दें कि इससे पहले 5 सितंबर को इस याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने कहा था कि संथाल परगना में बांग्लादेशियों की घुसपैठ की स्थिति अलार्मिंग है. इसकी वजह से इलाके की डेमोग्राफी प्रभावित हो रही है. इसी वजह से आदिवासी आबादी के प्रतिशत में गिरावट भी गंभीर विषय है. घुसपैठिए झारखंड के रास्ते देश के अन्य राज्यों में घुसकर वहां की आबादी को प्रभावित कर सकते हैं.

सीजेआई के आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी गणेश भगवान की आरती करते हुए. पीएम मोदी ने खुद एक्स पर पोस्ट करके दी जानकारी. इस मौके पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी व पुरोहित भी मौजूद थे.

पीएम मोदी का गणेश पूजा के लिए सीजेआई के घर जाने पर सियासत

- प्रशांत भूषण, संजय राउत ने घेरा, तो संबित पात्रा ने किया पलटवार

एजेंसी। नयी दिल्ली

देशभर में गणेश उत्सव की धूम है. इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के आवास पर पहुंचे. वहां उन्होंने गणपति बप्पा का दर्शन-पूजन किया. अब इस पर सियासत शुरू हो गई है. विवाद के बीच भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उनकी प्रतिक्रियाओं को लापरवाही भरा बताया. उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत पर निराधार आक्षेप लगाना एक खतरनाक मिसाल कायम करता है. पीएम मोदी के चीफ जस्टिस के आवास पर गणपति पूजन के लिए जाने पर वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने सवाल उठाए. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर संविधान के संरक्षक राजनेताओं से मिलते हैं, तो लोगों के दिमाग में संदेह पैदा हो सकता है. इसके बाद पर भाजपा और शिवसेना सक्रिय हो गईं और एक-दूसरे पर पलटवार किया है.

भाजपा ने इसे लोकतंत्र की खूबसूरती करार दिया. पार्टी ने कहा कि अगर हमकों सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं, तो इसमें गलत क्या है? क्या पीएम और सीजेआई एक-दूसरे मिल भी नहीं सकते. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि हमारा देश लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत चलता है. इस व्यवस्था में आपसी मेलजोल और सहयोग से ही देश आगे बढ़ता है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के एक स्तंभ के शीर्ष नेता के द्वारा दूसरे स्तंभ के शीर्ष व्यक्ति से सौहार्दपूर्ण माहौल में मिलना किसी भी तरह गलत नहीं है. उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान इफ्तार पार्टी आयोजित की जाती थी, इसमें तत्कालीन पूर्व चीफ जस्टिस शामिल भी होते थे. पात्रा ने कहा कि ऐसा लगता है कि जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, दरअसल वे गणपति पूजा का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि इसी समय देश के अलग-अलग हिस्सों में इसी तरह की घटनाएं सामने आई हैं.

पीएम मोदी ने खुद शेयर की तस्वीरें

पीएम मोदी ने चीफ जस्टिस के आवास पर जाकर गणपति के दर्शन-पूजन की तस्वीरें अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से शेयर कीं. चंद मिनटों में तस्वीरों को हजारों लाइक मिले. तस्वीरों में पीएम मोदी और सीजेआई चंद्रचूड़ के अलावा उनकी पत्नी कल्पना दास, पूजा-अर्चना कराने वाले पुरोहित-आचार्य भी मौजूद थे. पीएम को महाराष्ट्र में पहनी जाने वाली पारंपरिक टोपी वाली वेशभूषा में देखा गया.

आचार संहिता का है उल्लंघन: प्रशांत भूषण

सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने इस पर हैरानी जताई. उन्होंने एक्स पर लिखा, हैरत होती है कि सीजेआई ने मोदी को निजी मुलाकात के लिए अपने आवास पर आने की अनुमति दी. इससे न्यायपालिका को बहुत बुरा संकेत मिलता है, जिस पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि सरकार संविधान के दायरे में काम करे. इसलिए कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक दूरी होनी चाहिए.

मन में होने लगा है संदेह: संजय राउत

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर पर गणपति पूजन के दौरान पीएम मोदी के पहुंचने पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने निशाना साधते हुए कहा, गणपति उत्सव में सब एक-दूसरे के घर जाते हैं. मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है कि पीएम अब तक कितने घरों में गए हैं. लेकिन पीएम मोदी का सीजेआई के घर जाना एक शंका पैदा कर रहा है.अगर संविधान का संरक्षक राजनेताओं से मिलता है, तो ये लोगों के मन में संदेह पैदा कर सकता है.

बीएल संतोष ने विरोधियों को दिया जवाब

पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने कहा कि हालांकि वामपंथी उदारवादियों ने चीफ जस्टिस के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम के शामिल होने पर रोना शुरू कर दिया है, लेकिन यह घुलना-मिलना (लोगों से) नहीं बल्कि शुद्ध रूप से गणपति पूजा थी. संतोष ने एक्स पर कहा, रोना शुरू हो गया... सभ्यता, सौहार्द, एकजुटता, देश की यात्रा में सहयात्री. सभी इन वामपंथी उदारवादियों के लिए अभिशाप हैं. इसके अलावा, यह कोई घुलना-मिलना नहीं था, बल्कि शुद्ध रूप से गणपति पूजा थी, जिसे पचाना बहुत मुश्किल है.

इंदौर में दो जवानों संग हिंसा, महिला साथी संग रेप पर राहुल ने पूछा

जिम्मेदारी से कब तक आंख चुराएंगे?

भोपाल। मध्य प्रदेश में सेना के दो जवानों के साथ हिंसा और उनकी महिला साथी के साथ दुष्कर्म मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा है. राहुल ने एक्स पर लिखा, एमपी में सेना के दो जवानों के साथ हिंसा और उनकी महिला साथी से दुष्कर्म पूरे समाज को शर्मसार करने के लिए काफी है. भाजपा शासित राज्यों की कानून व्यवस्था लगभग अस्तित्वहीन है और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर भाजपा सरकार का रवैया अत्यंत चिंताजनक है. ये निर्भीकता प्रशासन की नाकामी का परिणाम है और इससे देश में पनपता असुरक्षित वातावरण भारत की बेटियों की स्वतंत्रता, उनकी आकांक्षाओं पर बंदिश है.

क्या है मामला: दो ट्रेनी आर्मी जवान दो महिला मित्रों के साथ पिकनिक के लिए निकले थे. तभी छह बदमाशों ने उन्हें बंधक बनाया और लूटपाट की. बदमाशों ने 10 लाख की डिमांड भी की. बदमाशों ने एक जोड़े को रोक लिया और एक जोड़े को पैसा लेने भेजा. इसी दौरान रुकी महिला पर गैंगरेप भी किया गया.

सीएम की कुर्सी छोड़ने को तैयार हूं: ममता

कोलकाता। कोलकाता रेप केस को ले हड़ताली डॉक्टरों ने सीएम ममता बनर्जी के साथ बात करने से इनकार कर दिया. ममता डॉक्टरों से बातचीत के लिए पहुंच भी गई थीं. वे दो घंटे तक तक इंतजार करती रहीं, लेकिन डॉक्टर नहीं आए. ममता ने कहा, कुछ लोग मेरी कुर्सी चाहते हैं. मैं न्याय के लिए इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं. मुझे सत्ता की भूख नहीं है.

-विस्तृत खबर पेज 12 पर

द्वंद्व कहां तक पाला जाये, क्यों न जाति गिनवा ली जाये

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

संघ जातीय जनगणना की मांग से तो सहमत है, लेकिन जिस तरह से चुनावी रैलियों में यह मांग उठ रही है, वह पूरी तरह गलत है.

प्रसंगवश

जातीय जनगणना के कोलाहल में एक नया आयाम जुड़ गया है. यह जुड़ा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के एक बयान से. उन्होंने संघ की तीन दिवसीय समन्वय बैठक के बाद संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा कि समाज के कल्याण के लिए सरकार को आंकड़ों की जरूरत होती है. इसके लिए जातीय जनगणना करायी जा सकती है. लेकिन इसका चुनावी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए. मोटे तौर पर देखें तो यह बयान संतुलित और संयमित है. इसे थोड़ा खींचें तो मतलब यह निकलता है कि संघ जातीय जनगणना की मांग से तो सहमत है, लेकिन जिस तरह से चुनावी रैलियों में यह मांग उठाई जा रही है वह गलत है. संघ का बयान एक सुविचार हो सकता है, लेकिन सुविचारों से हमारे नेताओं को कुछ लेना-देना नहीं है. यानी जातीय जनगणना हो या न हो, राजनीति तो इस पर होगी और जमकर होगी. संघ के बयान के बाद सवाल यह उठता है कि क्या मोदी सरकार जातीय जनगणना करायेगी ? अभी तक भाजपा के किसी बड़े नेता या मंत्री ने नहीं कहा है कि पार्टी जातीय जनगणना के खिलाफ है या इसके लिए तैयार है. हो सकता है कि पार्टी और सरकार के अंदर इस पर मंथन चल रहा हो. करीब दो हफ्ते पहले एक प्रेस कांफ्रेंस में अमित शाह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि जब जनगणना की घोषणा होगी, तब सब स्पष्ट हो जायेगा. संघ के बयान पर कांग्रेस या उसके सहयोगी दलों ने उत्साह से लबरेज कोई बयान नहीं दिया है. उनके बयानों में कुछ बेतुके सवाल हैं, कुछ तंज हैं और कुछ संदेह हैं. शायद उन्हें लग रहा होगा कि संघ ने भाजपा को कुछ ऐसा सुझाव दिया हो, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे. लेकिन टूलकिट गैंग और इकोसिस्टम ने संघ के बयान को राहुल गांधी का समर्थन बताना शुरू कर दिया है. कुछ ने तो यहां तक लिख दिया कि संघ ने राहुल गांधी के सामने घुटने टेक दिये हैं. इन महानुभावों को कौन समझाये कि तीन बार प्रतिबंधित होने के बावजूद संघ न रुका है, न झुका है, न टूटा है. वह अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है. वह भी ऐसे समय में जब उसका एक प्रचारक लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजमान है. फिर भी जाकी रही भावना जैसी.

बहरहाल दलितों, आदिवासियों को आरक्षण तो बाबा साहब दे गये हैं. वे संविधान में अनुसूचित हैं. लेकिन पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा किसी पुनीत उद्देश्य से नहीं की गयी थी. वीपी सिंह ने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए हारे को हरिनाम की हड़बड़ी में वह घोषणा की थी. उन्हें प्रधानमंत्री बनानेवाले देवीलाल ने उस समय बगावत का झंडा उठा लिया था. उसकी धार कुंद करने के लिए कुछ सहयोगियों के दबाव में वीपी सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा कर दी. इस मुद्दे पर संसद में बहस के दौरान राजीव गांधी ने बतौर नेता प्रतिपक्ष आरक्षण के प्रावधानों की कटु आलोचना की थी. आज तक कोई भी खांटी मंडलवादी पार्टी या समूह अपने बूते दिल्ली में सरकार नहीं बना सका है. इसके विपरीत इसके मुखर विरोधी राजीव गांधी की कांग्रेस ने 1991 में सबसे ज्यादा सीटें जीतीं. उसके बाद भी ये मंडलवादी दल और नेता भाजपा या कांग्रेस के पिछलग्गू ही बने रहे और आज भी हैं. इससे स्पष्ट है कि संकीर्णताओं और क्षुद्रताओं से राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सफलता हासिल नहीं की जा सकती. फिर राहुल गांधी जाति की माला जपते हुए जातीय जनगणना के लिए इतने आक्रामक क्यों हैं ?

-शेष पेज 11 पर

भाजपाई राहुल को मारने की धमकी दे रहे : कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेता विपक्षी नेताओं को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं.

भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह ने बुधवार को एक धरना-प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था. उन्होंने कहा, राहुल गांधी संभल जाओ, नहीं तो आने वाले समय में तुम्हारा भी वही हाल होगा, जो तुम्हारी दादी का हुआ था. तुम अपने पिता, दादी का इतिहास जान लो. मारवाह के इस बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है. धरना-प्रदर्शन से जुड़े कुछ सेकेंड के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है. कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, जब तरविंदर सिंह मारवाह कांग्रेस में थे, तब उनकी इस तरह की मानसिकता नहीं थी. वह इस तरह की भाषा नहीं बोलते थे. उन्होंने कहा कि अब वह भाजपा में जाकर ऐसे बयान दे रहे हैं, तो सवाल उठता है कि देश चलाने वाली पार्टी क्या विपक्ष के नेता को सार्वजनिक तौर पर मारने की धमकी दे सकती है क्या. पूरा विश्व देख रहा है, इस बयान से अब भारत की हंसी उड़ रही है. भारत को लोग हैरानी से देख रहे हैं कि भारत ऐसा कैसे हो गया, जहां सत्ताधारी पार्टी विपक्ष के नेता को जान से मारने की धमकी दे देती है. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हाल ही में अमेरिका दौरे पर थे.

ब्रीफ खबरें

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को तीन वर्ष कैद

धनबाद। नाबालिग के साथ छेड़खानी के एक मामले में अदालत ने अपना फैसला सुनाया. धनबाद पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मामले के नामजद आरोपी तोपचांची निवासी वसीम अंसारी को तीन वर्ष कैद की सजा सुनाई है. प्राथमिकी पीड़िता के मां की शिकायत पर तोपचांची थाने में 01 फरवरी 24 को दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 01 फरवरी 24 को जब पीड़िता स्कूल से अपने घर के लिए लौट रही थी तो वसीम ने उसके साथ छेड़छाड़ किया था. जब पीड़िता के घर वालों ने इसकी शिकायत वसीम के घर में जाकर की तो पीड़िता की मां के साथ भी मारपीट की गई थी. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 31 मार्च 24 को आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र दायर किया था. 19 जून 24 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी. अभियोजन ने इस मामले में छह गवाहों का परीक्षण कराया था.

कुमारधुबी में स्वास्थ्य जांच शिविर

मैथन। कुमारधुबी राधाकृष्ण मंदिर कमेटी की ओर से असर्फी अस्पताल धनबाद की मेडिकल टीम ने गुरुवार को मंदिर परिसर में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य जांच व कैंसर स्क्रीनिंग शिविर लगाया. शिवलीबाड़ी मध्य पंचायत की मुखिया अनामिका देवी ने दीप जलाकर शिविर का उद्घाटन किया. डॉ. जाफर ने परामर्श के अलावे कैंसर जागरूकता के बारे में भी लोगों को बताया. लगभग एक सौ लोगों ने जांच करायी. शिविर को सफल बनाने में मंदिर कमेटी के अरूण सिन्हा, रंजीत मोदी, हराधन दास, पिंटू दास, लालटू दास, अमर कर, रवि दे, मधुसूदन, मालती कर, अर्चना घोष, हरि कुमार आदि थे.

जिला परिषद सदस्य ने किया सड़क का शिलान्यास

गोमो। भुईया चितरो ग्राम पंचायत के बदाही टोला में जिला परिषद की मद पांच सौ फीट से बनने वाली सड़क का जिप सदस्य बिजली देवी ने नारियल फोड़ कर शिलान्यास किया. इस मौके पर प्रतिनिधि हीरामन नायक ने कहा जिला परिषद में फंड के अभाव से हम लोग चाह कर भी ग्रामीणों के बीच विकास योजना को धरातल पर नहीं उतर पाते हैं. बदाही टोला में बरसों से ग्रामीण की सडंक की मांग थी. जिसका आज श्री गणेश किया गया है. सड़क बनने से ग्रामीण लाभान्वित होंगे. इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

येचुरी के निधन पर शोक

बरवाअड्डा। सीपीआई(एम) के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड सीताराम येचुरी के निधन से पार्टी कार्यकर्ताओं में गहरा शोक है। पार्टी ने लोहार बरवा श्रीनिवासी पानुरी चौक में झंडा झुका कर शोक प्रकट किया. गणेश प्रसाद चौरसिया ने बताया कि येचुरी सांस की बीमारी के कारण दिल्ली के एम्स में भर्ती थे. संक्रमण की वजह से उनका जीवन नहीं बचाया जा सका. उनके निधन से कम्युनिस्ट आंदोलन को बड़ा धक्का लगा है और पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है. शोक प्रकट करने वालों में धनेश्वर मंडल, विश्वनाथन मंडल, लालू महतो, मगन महतो , अजय महतो, सुभाष महतो,शिव शंकर महतो ,समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे.

जीतपुर पंचायत सचिवालय में किसानों को दिया गया जैविक खेती का प्रशिक्षण

शून्य बजट में होती है जैविक खेती

संवाददाता । गोमो

जीतपुर गांव के पंचायत भवन में राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के तहत गुरुवार को ऑर्गेनिक फार्मिंग आथॉरिटी ऑफ झारखंड के बैनर तले वैदिक ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी रांची द्वारा किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक अनुज कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. बताया गया कि किसान भाई जैविक खेती करके अपनी भूमि को लंबे समय तक उपजाऊ बनाकर टिकाऊ खेती कर सकते हैं. साथ ही साथ कम लागत में उत्पादन कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं. जैविक उत्पाद का प्रयोग अपने भोजन के रूप में करके हम सभी स्वस्थ रह सकते हैं. मुख्य प्रशिक्षक अनुज कुमार ने कहा कि जैविक खेती एक शून्य बजट का खेती है. इससे हम अपने गांव में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से कई प्रकार के खाद कीटनाशक टॉनिक का निर्माण कर अपने खेतों में प्रयोग कर सकते हैं. उन्होंने इस कार्यक्रम में किसानों को नीम अर्क, जीवामृत बीजामृत, केंचुआ खाद सहित कई प्राकृतिक कीटनाशक एवं अन्य दवा बनाने की विधि को विस्तार पूर्वक बताया. इनसे होने वाले फायदे को भी बताया. मौके पर प्रोजेक्ट मैनेजर अमन कुमार, गणेश कुमार महतो,एवं मुखिया का नाम- जाबिर अंसारी एवं पंचायत समिति सदस्यों में सोहन महतो, एवं किसान का नाम- अरुण कुमार महतो, घनश्याम महतो, लखन महतो , भोला महतो ,वैजनाथ महतो, पी. नारायण, कमली देवी, सारथी देवी,वसंती देवी, सरस्वती देवी, रेखा देवी, उषा देवी ,मीना देवी ,मोहन महतो, भुवनश्वर महतो समेत लगभग 200 किसान उपस्थित थे.

लायंस क्लब के जोन चेयरपर्सन आरके शर्मा की सदस्यता समाप्त

खास बातें

- वरीय सदस्यों के साथ अमर्यादित ढ़ंग से पेश आने समेत अन्य आरोप

संवाददाता । गोविंदपुर

लायंस क्लब के जोन चेयरपर्सन डॉ. आरके शर्मा क्लब की सदस्यता से बर्खास्त कर दिए गए हैं. उनके खिलाफ क्लब के वरीय सदस्यों के साथ अमर्यादित ढंग से पेश आने समेत अन्य आरोप हैं. डॉ. शर्मा गोविंदपुर क्लब के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं. क्लब के सचिव सुरेंद्र कुमार राय ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी. विज्ञप्ति में कहा गया है कि क्लब की आमसभा में दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित कर उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई.
सदस्यता समाप्त करने के पहले उन्हें क्लब के प्रावधानों के तहत नोटिस दी गई थी. इसके बाद बोर्ड मीटिंग में उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया तो वे वरिष्ठ सदस्यों के साथ अमर्यादित तरीके से पेश आए. इसके बाद आमसभा कर उनकी सदस्यता निरस्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया. लायंस क्लब गोविंदपुर के 46 वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान जोन चेयरपर्सन को इस तरह बर्खास्त किया गया है.
वहीं इस संबंध में पूछे जाने पर डॉ. शर्मा ने बताया कि उन पर लगाए गए सारे आरोप गलत हैं। उन्होंने कहा कि क्लब के कुछ सदस्य जी-हुजूरी संस्कृति के पोषक हैं. जिसका अनुसरण नहीं करने का खामियाजा मुझे भुगतना पड़ रहा है.

जलेश्वर के सामने नए चेहरों की फौज

- अशोक प्रकाश लाल के अलावा रणविजय सिंह, राजेश राम, लगनदेव यादव भी दावेदार
- राजद छोड़ कांग्रेस में गए रोहित यादव भी दावेदारों में शामिल, युवाओं को रहे जोड़

राम कुमार पाण्डेय। कतरास

बाघमारा विधानसभा चुनाव इस बार और भी दिलचस्प हो सकता है. चुनाव तो बाद की बात है, पहले टिकट की दावेदारी ही रोचक बन चुकी है. जहां एक ओर जलेश्वर महतो पत्थर की तरह सालों से टिके हुए हैं तो दूसरी तरफ नए चेहरों की फौज खड़ी है. इस फौज के आगे पुराना चावल माने जाने वाले जलेश्वर महतो कैसे पार पाएंगे, यही लड़ाई बाघमारा विधानसभा को हॉटकेक बना रही है. यहां से चुनाव लड़ने की आस में पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो के अलावा अशोक प्रकाश लाल, रणविजय सिंह, राजेश राम तो हैं ही, कांग्रेस का नया खिलाड़ी रोहित यादव भी है. राजद छोड़ कांग्रेस में शामिल रोहित यादव को पुराने दिग्गज भी हलके में नहीं ले रहे हैं. रोहित ने खांटी कांग्रेसियों की भी धड़कनें तेज कर दी है.

दस सालों तक कांग्रेस में रहकर बने थे मजदूरों की आवाज

रोहित यादव तीन बार राजद के बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष की कमान संभाल चुके हैं. बावजूद इसके रोहित यादव कांग्रेस के लिए नए नहीं हैं.कांग्रेस यादव का पुराना ठिकाना रहा है.रोहित कभी कांग्रेस के सिपाही के रूप में पार्टी के लिए काम कर चुके हैं. 1987 में बकायदा यूथ कांग्रेस के महेशपुर पंचायत अध्यक्ष का भी कामन संभाल चुके हैं .दिवंगत भूतपूर्व मंत्री ओपी लाल के नेतृत्व में वे करीब दस वर्षों तक कांग्रेस का मजदूर विंग इंटक के पद रह कर मजदूरों की आवाज बने. रोहित भी विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह कमर कस चुके हैं. रोहित ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के गिरिडीह प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो के पक्ष में लोगों को एकजुट करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी. रोहित ने अपने बलबूते निमतल्ला मैदान में पहली बार में ही जनसैलाब जुटाकर अपने जनसमर्थन का एहसास करवाया था. यादव की भीड़ को देखकर महागठबंधन के पक्ष में चुनाव प्रचार में आए तत्कालीन मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भी गदगद हो गए थे.

हमेशा होती रही है कांटे की टक्कर

2019 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा के प्रत्याशी ढुल्लू महतो को 78291 जबकि कांग्रेस प्रत्याशी जलेश्वर महतो को 77467 मत प्राप्त हुआ था. वोट प्रतिशत देखें तो भाजपा के पक्ष में 43 .7 जबकि कांग्रेस के पक्ष में 43 .2 प्रतिशत रहा था .2019 की चुनाव कांग्रेस ने बहुत कम मतों से बाघमारा की सीट हारी थी . ऐसे में अगर कांग्रेस कोई नया व मजबूत प्रत्याशी बाघमारा विधानसभा के चुनाव मैदान में उतरती है. तो जीत की प्रबल संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है. कांग्रेस की खोई जमीन वापस मिल सकती है .हालांकि अगर धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के परिवार से कोई भी चुनाव मैदान में उतरते हैं तो उनका सीधा टक्कर कांग्रेस उम्मीदवार से ही होगा .टक्कर भी कांटे की होगी. लेकिन भाजपा कांग्रेस को जयराम महतो की पार्टी जेबीकेएसएस नुकसान पहुंचा सकती है. जेबीकेएसएस को अगामी विधानसभा चुनाव में नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है.

दर्जन भर को टिकट की आस

बाघमारा विधानसभा से कांग्रेस के टिकट के लिए पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष अशोक प्रकाश लाल,रोहित यादव जिप सदस्य प्रतिनिधि राजेश राम, रणविजय सिंह, प्रदीप पांडेय,बीस सूत्री अध्यक्ष लगनदेव यादव,रवि चौबे, सुरेन्द्र यादव,रामप्रीत यादव, राकेश गुप्ता, सहित पंद्रह लोग टिकट का आस लगाए हुए हैं. इस सभी ने बाघमारा से चुनाव लडने का आवेदन पार्टी को किया है .यहां उल्लेख करना आवश्यक है कि इन प्रत्याशियों के बीच जिप सदस्य प्रतिनिधि राजेश राम भी मजबूती के साथ अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं. राजेश खुद दलित परिवार से आते हैं. उनका दलित मुस्लिम आदिवासी सहित अन्य जातियों में अच्छी रखते हैं. उनकी पत्नी ललिता देवी वर्तमान में बाघमारा प्रखंड से जिला परिषद सदस्य है. राजेश की पत्नी ललिता देवी बाघमारा प्रखंड में सर्वाधिक मतों से जिला परिषद का चुनाव में जीत दर्ज की थी.

राधाष्टमी पर सहयोग फाउंडेशन का पौधरोपण

संवाददाता । धनबाद

सहयोग फाउंडेशन की सदस्यों ने बुधवार को राधाष्टमी पर पौधरोपण किया. महिलाओं ने करीब एक दर्जन पौधे धैया और इसके आस पास के क्षेत्र में लगाए. अध्यक्ष नीतू तिवारी ने कहा कि राधा रानी को लोग इस पौधे को देखभाल कर पूजे. उन्होंने सभी लोगों को राधाष्टमी की शुभकामनाएं दीं. इस दौरान अध्यक्ष नीतू तिवारी, लक्ष्मी श्रीवास्तव, प्रीति राय, किरण राय, अर्चना सिन्हा, रिंपी चटर्जी, तनुश्री अग्रवाल, खुशबू अग्रवाल, रजनी, रत्ना , रूबी शाही, पूनम तिवारी, अर्चना सिन्हा, चंदा, मनीषा, रितिका गुप्ता सहित अन्य मौजूद थीं.

मारपीट-रंगदारी में मांद्रा मुखिया प्रतिनिधि पर प्राथमिकी

बरोरा। बीसीसीएल एरिया वन क्षेत्र अंतर्गत एएमपी कोलियरी के अधीन चल रहे आउट सोर्सिंग कंपनी में सोमवार की देर शाम को लगभग आधा दर्जन बाइक सवार नकाबपोश लोगों ने आउटसोर्सिंग कंपनी के डोजर ऑपरेटरों के साथ मारपीट कर घायल कर देने के मामले में ऑपरेटर राकेश कुमार गौड़ की लिखित शिकायत पर बरोरा पुलिस ने मांद्रा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शंकर बेलदार सहित सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दिया है. घायल ऑपरेटर राकेश कुमार गौड़ ने बरोरा पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए कहा है कि वो संजय उद्योग फुलारीटांड में कार्यरत है. दिनांक 9 सितंबर दिन सोमवार की देर शाम को ओबी डंप में डोजर मशीन चला रहा था.

खरखरी कोलियरी पीट पर संयुक्त मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना जारी

- मजदूरों को एकजुट रहने का आह्वान

संवाददाता । मधुबन

गोविन्दपुर एरिया-3 अंतर्गत खरखरी कोलियरी के मजदूरों का महेशपुर व अन्य कोलियरियों में तबादला रोकने और एमडीओ के तहत कोलियरियों का निजीकरण रोकने को लेकर संयुक्त मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना लगातार जारी है. गुरुवार को धरना का 9 वां दिन था. धरना खरखरी कोलियरी पीट पर दिया जा रहा है. धरनारत मजदूरों को संबोधित करते हुए बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष शेख रहीम ने एकजुट रहने का आह्वान किया. कहा कि गोविंदपुर एरिया-3 और न्यू आकाशकिनारी कोलियरी के दो अंडर ग्राउंड खदान पूरी तरह से बंद है. इन खदानों में कार्यरत करीब 538 मजदूर बेरोजगार हो चुके हैं. डिपार्टमेंटल ओपेन कास्ट में भी उत्पादन ठप है. ब्लॉक-4 ओपेनकास्ट में भी उत्पादन नहीं हो रहा है. जोगीडीह कोलियरी में मात्र एक एसडीएल मशीन है और फैस की भी कमी है. न्यू गोविंदपुर कोलियरी में मजदूरों के पास काम नहीं है. खरखरी कोलियरी से महेशपुर कोलियरी जिन मजदूरों का तबादला किया गया है, वहां मात्र एक एसडीएल मशीन तथा कोल टब मात्र 23 है. पूरे क्षेत्र में उत्पादन के लिए चालू हालत में मात्र दो एसडीएल मशीन और कोल टब मात्र 85 है. उन्होंने कहा कि प्रबंधन की मानसिकता कोलियरियों को बंद कर एमडीओ के माध्यम निजी कंपनियों को सौंपने की बन चुकी है. प्रबंधन की इस मानसिकता के कारण मजदूरों का भविष्य खतरे में है. इसके लिए संयुक्त रूप से बड़े आंदोलन की जरूरत है. मौके पर घनश्याम यादव, अजय कुमार महतो, मो. असगर, मो. ताजमुल, कैलाश हांड़ी, भागीरथ मंडल, बैजनाथ धोबी, हीरालाल महतो, याकूब अंसारी, कुश रजक, वासुदेव रविदास समेत अन्य मजदूर उपस्थित थे.

ठाकुर अनुकूलचंद की मनाई गई जयंती

तेतुलमारी। ठाकुर अनुकूलचंद्र की 138 वीं जंयती तेतुलमारी के पाण्डेडीह स्थित हरि मंदिर परिसर में गुरुवार को धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की. इसके बाद भजन-कीर्तन तथा प्रसाद का वितरण किया गया. श्रद्धालुओं ने कहा कि कलयुग में सिर्फ ठाकुर का नाम लेने से पाप कट जाता है. भक्तों को भगवान का नाम लेने के साथ-साथ सत्संग और धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेना चाहिए, इससे ज्ञान की वृद्धि होती है. मौके पर राजेश वर्मा, दिलीप सरकार, विश्वनाथ आचार्य, वीरेंद्र कुमार सिंह, दीनदयाल बर्णवाल, बबलू दास, मीना सरकार, रीना देवी, रजनी देवी, हरेंद्र वर्मा समेत अन्य श्रद्धा मौजूद थे.

मंदिर परिसर में मांस का टुकड़ा फेंके जाने का मामला

दोनों समुदाय के बीच शांति बहाल करने की कवायद

संवाददाता । निरसा/चिरकुंडा

विधि व्यवस्था बनाये रखने हेतु गुरुवार को चिरकुंडा थाना परिसर में निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला के नेतृत्व में दो समुदाय के लोगों के साथ एक बैठक की गयी. बैठक के दौरान दोनों समुदाय के लोगों ने अपनी-अपनी बातें रखीं. एसडीपीओ बाखला ने दोनों समुदाय से अपील की कि विधि व्यवस्था को कायम रखते हुए आपसी सौहार्द बनाए रखें. चिरकुंडा क्षेत्र हमेशा से एक मिशाल रहा है. जहां दोनों समुदाय एक दूसरे के पर्व त्यौहार में भाईचारे के साथ मिलते-जुलते हैं. इस सौहार्द को कायम रखने की अपील की गई. बैठक में सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीण जनप्रतिनिधि एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों की उपस्थित थे. बताते चलें कि चिरकुंडा थाना अंतर्गत बाबूडंगाल सीएमडब्ल्यू कॉलोनी हनुमान मंदिर में बीते मंगलवार को मांस का एक टुकड़ा मिलने के बाद दो समुदायों में तनावपूर्ण स्थिति हो गई थी.निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला सीओ कृष्ण कुमार मरांडी, चिरकुंडा थाना प्रभारी रामजी राय एवं आसपास के सभी थाना एवं ओपी प्रभारी दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभाला. मंदिर कमेटी के लोगों ने इस घटना के निंदा करते हुए चिरकुंडा थाना को लिखित शिकायत दी थी. जिसमें पांच लोगों को नामजद बनाया गया है. दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा भी चिरकुंडा थाने में लिखित आवेदन दिया गया है. चिरकुंडा पुलिस द्वारा मंदिर परिसर के आसपास लगातार कैंप कर रही है ताकि विधि व्यवस्था कायम रहे.

मंत्री इरफान को हाई कोर्ट से झटका

दुष्कर्म पीड़िता की पहचान बताने का आरोप बरकरार

संवाददाता । धनबाद

झारखंड हाईकोर्ट से राज्य सरकार के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को बड़ा झटका लगा है. अदालत ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दुमका सिविल कोर्ट द्वारा चार्ज फ्रेम किये जाने को चुनौती दी थी. याचिका खारिज होने के बाद अब ट्रायल कोर्ट इस मामले की सुनवाई शुरू करेगा. इरफान अंसारी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अरुण कुमार राय की कोर्ट में सुनवाई हुई. इरफान अंसारी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने बहस की. साल 2018 में दुष्कर्म की शिकार हुई एक बच्ची की फोटो अस्पताल से वायरल होने के मामले में इरफान अंसारी के खिलाफ अदालत ने संज्ञान लिया था. इस मामले में इरफान अंसारी के खिलाफ जामताड़ा थाना में केस दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि विधायक इरफान अंसारी के मोबाइल से बच्ची का फोटो वायरल हुआ. दुमका के एमपी-एमएलए कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है. दुमका सिविल कोर्ट ने 21 दिसंबर 2022 में इरफान अंसारी के खिलाफ चार्जफ्रेम किया था.

धनबाद पुलिस की मासिक अपराध गोष्ठी

धनबाद। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में गुरुवार को सिटी एसपी और ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में क्षेत्रवार मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई. बैठक में सभी वरीय पदाधिकारी समेत थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी मौजूद थे. बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि विभिन्न थानों में दर्ज लंबित मुकदमों की जांच में तेजी लाई जाए और तय समय में चार्जशीट समर्पित की जाए. जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के दौरान प्राप्त हुए आवेदन के संदर्भ में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और पुलिस विभाग से संबंधित सभी मामलों पर तय अवधि में शिकायतों का निष्पादन करने व अन्य विभागों से जुड़े मामले की प्रगति रिपोर्ट से आवेदकों को अवगत कराने का निर्देश दिया गया. आगामी त्योहार के मद्देनजर बाजार व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने व नियमित गश्त करने को कहा गया. इसके अतिरिक्त, सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया कि थानांतर्गत सभी दुकानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए लोगों को जागरूक करें.

फुटपाथ दुकानदार संघ ने किया निगम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन

- बसाने की वैकल्पिक व्यवस्था करने समेत अन्य मांग

संवाददाता । धनबाद

नगर निगम कार्यालय के बाहर फुटपाथ दुकानदार संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को धरना दिया एवं विरोध प्रदर्शन किया. संघ के नेता रामनाथ सिंह ने कहा कि फुटपाथ दुकानदारों को बसाने की वैकल्पिक व्यवस्था पशुपालन अस्पताल में किया जाए. वैकल्पिक व्यवस्था रहने से मेन सड़क पर दुकान लगाने वाले फुटपाथ दुकानदार पशुपालन अस्पताल में दुकान लगाकर घर-परिवार का भरण-पोषण कर सकेंगे. फिलहाल पशुपालन अस्पताल का कैंपस झाड़ियों से भरा है, उन झाड़ियों को काटकर बसाने लायक बनाया जाए. उन्होंने कहा कि फुटपाथ दुकानदारों को नगर निगम ने कई वर्ष पूर्व बसाने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक उसे धरातल पर नहीं उतारा गया. आए दिन नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर फुटपाथ के दुकानों को तोड़ दिया जाता है. हमलोगों के रोजी-रोटी का जरिया यही दुकान है. दुकान नहीं रहने से आमदनी बंद हो जाती है. धरना और विरोध प्रदर्शन कर हमलोग वैकल्पिक व्यवस्था की मांग कर रहे हैं. फुटपाथ दुकानदार श्यामल मजूमदार ने कहा कि हमलोग विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. मांगों में नगर निगम विलंबित टाउन वेंडिंग कमेटी का गठन, फुटपाथ दुकानदार पथ विक्रेता आजीविका संरक्षण एवं विनियमन अधिनियम 2014 के प्रावधानों की समीक्षा के लिए सेमिनार आयोजित करने समेत अन्य मांगें शामिल हैं.

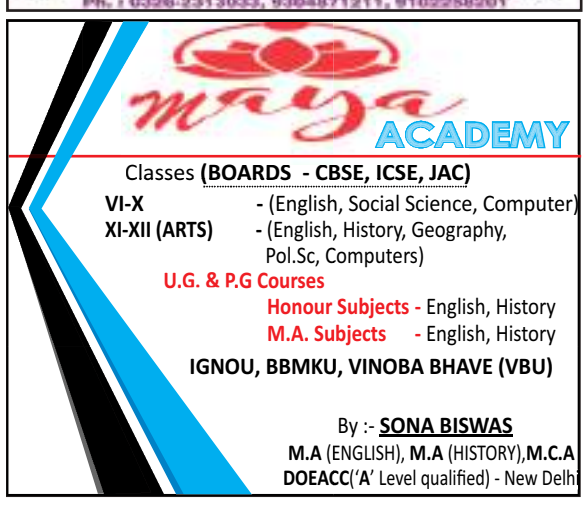

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in धनबाद, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 156 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

आईआईटी-आईएसएम ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

धनबाद। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आईआईटी-आईएसएम ने गुरुवार को अभय सुंदरी स्कूल हीरापुर में स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला, स्वच्छता शपथ और ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया. इस दौरान छात्राओं को दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया. 80 छात्राओं को अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने और लोगों में स्वच्छता का संदेश फैलाने का शपथ दिलाया गया. छात्रों ने स्वच्छता की थीम पर ड्राइंग बनाई. मौके पर केंद्रीय सामाजिक मिशन के प्रोफेसर दीपिका शर्मा, प्रोफेसर दिपान्विता चंद, कैलाश समेत अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे.

श्रीचिरंजीव पात्रा बने सीएमपीडीआई के नए जीएम

धनबाद. बीसीसीएल के कई उप प्रबंधक और सहायक प्रबंधक रैंक के अधिकारी का गुरुवार का नया पदस्थापना हुआ. इसके अलावा सीएमपीडीआई में भी नए जीएम का पदस्थापना हुआ. सुयुष सिंह (उप प्रबंधक बस्ताकोला से सीएमसी बीसीसीएल मुख्यालय भेजा गया. साहुल आर्यन सहायक प्रबंधक सिजुआ से सीएमसी बीसीसीएल मुख्यालय भेजा गया. सीआईएल से आए श्रीचिरंजीव पात्रा को सीएमपीडीआई का जीएम बनाया गया.

मजदूरों की मांगों को लेकर जमसं ने की प्रबंधन से वार्ता

तेतुलमारी। कोल कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर जनता मजदूर संघ (जमसं बच्चा गुट) के समर्थकों ने गुरुवार को कतरास क्षेत्र संख्या-4 अंतर्गत वेस्ट मोदीडीह कोलियरी कार्यालय में पीओ मोहन मुरारी के साथ वार्ता किया. मांगों में जर्जर आवासों का मरम्मत, वेस्ट मोदीडीह हाजिरी घर के समीप शेड का निर्माण, कोल कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने समेत अन्य मांगें शामिल हैं. वार्ता में सारंगधर सिंह, संतोष मिश्रा, युसूफ अंसारी, कलीम खान, प्रदीप त्रिपाठी, श्रवण कुमार शामिल थे.

बूथ नजदीक लाने की मांग को लेकर आंदोलन

झरिया । झरिया विधानसभा क्षेत्र के जोरापोखर अंचल के शालीमार, सुंदरपुर और सुंदरनगर के मतदाता अपने मतदान केंद्र को नजदीक लाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं. मतदाताओं ने झरिया के सीओ से मिलकर मतदान केंद्र को नजदीक स्थानांतरन करने की मांग की है. वर्तमान में, शालीमार, सुंदरपुर और सुंदरनगर के मतदान केंद्र संख्या 166 और 167 करीब पांच किलोमीटर दूर रमजानपुर स्थित मरियम स्कूल में हैं. मतदाताओं का कहना है कि यह दूरी बहुत अधिक है और उन्हें पैदल या रिजर्व वाहनों पर जाना पड़ता है, जिससे आर्थिक भार पड़ता है. बुजुर्ग, बीमार और विकलांग लोगों के लिए यह और भी ज्यादा परेशानी भरा काम हो जाता है. इस कारण अधिकांश वोटर मतदान करने नहीं जाते हैं, जिसका असर मतदान प्रतिशत पर पड़ता है.

एलबी सिंह नहीं हुए हाजिर, फैसला टला

संवाददाता। धनबाद

सीबीआई के निर्देश पर कुसुंडा एरिया के आदर्श नगर शिमला बहाल में सड़क मापी के लिए पहुंचे बीसीसीएल अधिकारियों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग करने के मामले के गुरुवार को होने वाला फैसला टल गया. नामजद आरोपी ठेकेदार एलबी सिंह अदालत में हाजिर नहीं हुए.अन्य आरोपी एलबी सिंह के भाई कुंभनाथ सिंह, भरत सिंह, ओम प्रकाश सिंह एवं मिथिलेश सिंह हाजिर थे. धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह की अदालत ने फैसले के लिए अगली तारीख 17 सितंबर 24 तय की है. अदालत ने सभी नामजद आरोपियों एलबी सिंह उनके भाई कुंभनाथ सिंह,भारत सिंह, ओम प्रकाश सिंह एवं मिथिलेश सिंह को 17 सितंबर को सदेह हाजिर होने का आदेश दिया है. प्राथमिकी कुसुंडा एरिया नंबर छह के कनीय अभियंता विनय कुमार ठाकुर की शिकायत पर झरिया थाने में 30 जून 2012 को दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक सीबीआई धनबाद में बीसीसीएल अधिकारियों को बीसीसीएल के 26 कार्य स्थल का निरीक्षण करने का निर्देश दिया था. आदेश के आलोक में एक टीम का गठन किया गया था.

टीम कार्य स्थल का निरीक्षण एवं मापी करने के लिए आदर्श नगर शिमला बहाल शिव मंदिर के पास पहुंची थी. वहां इन लोगों के द्वारा कार्य शुरू किया गया तभी कॉलोनी की ओर से चार-पांच युवक गोली चलाते हुए आए और गाली-गलौज करते हुए वहां से भाग गए.

सुरक्षा में सेंध : जेल के अंदर चार मोबाइल फोन अब भी होने का संदेह

तीन हजार महीने में करें जेल से रोज दो मिनट बात

खास बातें

- जेल के भीतर नशीली वस्तुओं का खुला इस्तेमाल
- कैदियों को आसानी से मिल रहा नशे का सामान

संवाददाता। धनबाद

धनबाद मंडल कारा में इन दिनों नया रोजगार शुरू हुआ है. अमन सिंह की हत्या के बाद जेल में हुई कड़ाई से जेल के भीतर मोबाइल के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लग गई थी. जो इन दिनों पुनः शुरू हो गई है. आम कैदियों को एक महीने तक हर दिन परिवार वालों से दो मिनट बात कराने के एवज में तीन हजार रुपये महीने की कीमत वसूली जा रही है. नाम न लिखने की शर्त पर जेल से छूटे एक कैदी ने बताया कि वर्तमान में चार मोबाइल फोन काम कर रहा है. यह मोबाइल आकार में काफी छोटा है. जिससे छुपाने में कोई परेशानी नहीं होती है. इन्हीं मोबाइल फोन से प्रतिदिन दो मिनट कैदियों को बात करने दी जाती है. जिसके एवज में तीन हजार रुपये वसूले जा रहे हैं. जेल के भीतर खैनी और गांजा के इस्तेमाल की खबर भी सबसे पहले शुभम संदेश में प्रकाशित हुई. जिसके बाद बुधवार को एक सिपाही जेल में खैनी गांजा इत्यादि ले जाते गिरफ्तार हुआ. सिपाही पर हुई कार्रवाई से शुभम संदेश की खबर पर मुहर लग गई है. कैदी ने बताया कि गिरफ्तार सिपाही इग्नासीयूस आइन्द जेल का सबसे दबंग सिपाही में शुमार है. कैदी ने बताया कि कुछ दिनों पहले उसने एक कैदी को मारकर सर फोड़ दिया था. वहीं जेल में काम करने वाले कैदी को खैनी गांजा आदि आसानी से उपलब्ध कराया जाता है. खाना बनाने वाले से लेकर झाड़ू लगाने वालों तक को नशे का सामान आसानी से मिल जाता है. हालांकि समय-समय पर प्रशासन की तरफ से जांच पड़ताल की जाती रही है. कई बार औचक निरीक्षण किया गया लेकिन कोई खास कामयाबी नहीं मिल पाती थी क्योंकि पुलिस के ही लोग नशा और मोबाइल की आपूर्ति में संलिप्त हैं.

निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही मिलेगा टिकट : प्रदेश अध्यक्ष

खास बातें

- धनबाद में कांग्रेसियों का जन संवाद सह अभिनंदन समारोह
- प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का स्वागत

संवाददाता। धनबाद

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने गुरुवार को धनबाद जिले का दौरा किया. इस दौरान विभिन्न स्थानों पर कांग्रेसियों ने उनका स्वागत किया. कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में धनबाद लुबी सर्कुलर रोड स्थित जिला उत्सव विवाह भवन में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के बीच जन संवाद आपके साथ कार्यक्रम किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कांग्रेस पार्टी आम कार्यकर्ताओं की पार्टी है. उनके जैसे साधारण कार्यकर्ता को अध्यक्ष बनाया गया है. कहा कि जब उन्हें टिकट मिला तो सिल्ली में ले,जब अध्यक्ष बने तो रांची में थे. प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो ने धनबाद के कार्यकर्ताओं से कहा कि धनबाद की सभी विधानसभा सीट पर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित है. पार्टी सर्वे कार्य भी कर रही है. निष्ठावान कार्यकर्ताओं को टिकट मिलेगा. झरिया की सम्मानित विधायक पूर्णिमा नीरज, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, प्रदेश के पदाधिकारी उपाध्यक्ष सुल्तान अहमद, महासचिव मदन महतो, पंकज मिश्रा, वैभव सिंहा, विजय सिंह, रामगोपाल भूवानिया, अशोक सिंह, झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अभिजीत राज धनबाद जिला के सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सभी नगर व प्रखंड अध्यक्षों ने संबोधित किया. प्रदेश अध्यक्ष के आगमन के दौरान तेलमोचो पुल, कपुरिया मोड, पुटकी, गोधर, बैंक मोड, रांगाटाड, सिटी सेंटर के पास कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार अभिनंदन किया. बाघमारा के रोहित यादव भी भारी संख्या में अपने समर्थक के साथ आए थे. मयूर शेखर झा के समर्थन में भी जोरदार नारे लगाए गए.

ये रहे मौजूद : कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष बृजेन्द्र प्रसाद सिंह, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी के अध्यक्ष अभिलाष साहू, गजेंद्र सिंह, शमशेर आलम, विजय सिंह, अभिजीत राज, शाहिदा कमर, रणविजय सिंह, इरफान खान चौधरी, बाबू अंसारी, कुमार गौरव उर्फ सोनू, गोपाल कृष्ण चौधरी, रवींद्र वर्मा, पंकज मिश्रा, वैभव सिंहा, मनोज यादव नवनीत नीरज, महेंद्र कुमार दुबे अशोक लाल, सुंदर यादव, राजेश राम, जावेद रजा,बकील बाउरी, कयूम खान,सरफराज आलम, कालीचरण यादव, बीके सिंह,रवी चौबे, रोहित यादव, योगेन्द्र सिंह योगी, सुरेंद्र यादव रामगोपाल भुवानिया, देवेंद्र कुमार, मयूर शेखर झा,शैलेलगनदेव यादव,अख्तर खान गुड्डू, मुख्तार खान, मनोज कुमार हाड़ी मृत्युंजय सिंह, इम्तियाज अली, महीला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सिता राणा आदि मौजूद थे.

कतरास में निकला रसल वाइपर

कतरास। कतरास बाजार हीरक रोड के समीप एक आवास के गार्डन में भारत का सबसे जहरीला व खतरनाक सांप रसल वाइपर निकला. जिसे देख परिजनों में हड़कंप मच गया.सांप निकलने की सूचना डॉ स्वतंत्र कुमार को दी गयी, जिन्होंने तुरंत निचितपुर निवासी बीइंग काइंड एंड हैप्पी संस्थान के राणा कुमार को उपरोक्त जानकारी दी. सूचना मिलते ही राणा यहां पहुंचे और रेस्क्यू कर लगभग पांच फीट लंबा सांप को पकड़ लिया. सांप को बोरे में भरकर पूरी तरह से बांध कर अपने साथ ले गए. राणा ने बताया कि इस सांप को वह तिलाटांड़ स्थित पहाड़ी के पास जंगल में छोड़ देंगे. राणा के अनुसार इस सांप के काटने से न्यूरोटॉक्सिक जहर तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है. रसेल वाइपर के काटने से व्यक्ति को गंभीर दर्द, पक्षाघात और यहां तक कि मृत्यु भी हो जाती है. व्यक्ति को जान बचाने के लिए आदमी के हाथ-पैर तक काटना पड़ जाता है.

तालाब में तैरता हुआ मिला युवक का शव, सड़क जाम

खास बातें

- स्थानीय लोगों ने दी पुलिस को सूचना
- मृतक की पहचान मोहमद रेहान अली के रूप में हुई

संवाददाता। झरिया

झरिया थाना क्षेत्र बनियाहिर स्थित सात नंबर तालाब में एक किशोर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. बड़ी संख्या मे लोग तालाब के समीप पहुंच गए. जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी झरिया पुलिस को दी. सूचना मिलते ही झरिया पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकाला. युवक की पहचान भागा बाजार इमाम बाड़ा के समीप रहने वाला 15 वर्षीय मोहमद रेहान अली के रूप में हुई. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रेहान अपने मामा बिकु के पास रहता था. बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) में उसके पिता के इंतकाल के बाद से ही वो अपने मामा के पास ही रहता था. रेहान शादी विवाह व अन्य कार्यक्रम में डीजे में काम करता था. बुधवार की रात से ही घर नहीं लौटा था. गुरुवार को उसका शव तालाब में तैरता हुआ मिला.वहीं घटना स्थल पर पहुंची पुलिस को लोगों ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने नहीं दिया.लोगों ने मृतक के परिजनों को मुवावजा देने की बात कह झरिया सिंदरी मुख्य मार्ग को भागा मोड़ के समीप जाम कर दिया. जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई. लगभग दो घंटे सड़क जाम रहने से पूरा झरिया सिंदरी मुख्य मार्ग बाधित रहा. इसके बाद झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह के प्रतिनिधि सूरज सिंह , राजू खान , बबन मीनू धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों को काफी समझा बुझा कर जाम हटवाया. विधायक प्रतिनिधि सूरज सिंह ने मृतक के परिजनों को तत्काल तीस हजार रूपए की आर्थिक सहायता कर अन्य सरकारी सहायता राशि दिलाने का भरोसा दिया. जिसके बाद स्थानीय लोग शांत होकर सड़क को जाम हटाया.

बिना टेंडर निकाले चहेतों को दिया करोड़ों का काम

खास बातें

- लखीमाता कोलियरी में सिविल कार्य में भ्रष्टाचार का आरोप
- कार्रवाई नहीं हुई तो बीसीकेयू करेगा उत्पादन ठप

संवाददाता। धनबाद

निरसाः इसीएल मुगमा एरिया क्षेत्र में प्रबंधक द्वारा सिविल कार्य में जमकर लूट खसोट किया जा रहा है. बिना टेंडर किए हुए सिविल वर्क में करोड़ों का घोटाला हो रहा है. लखीमाता कोलियरी प्रबंधक अपने निजी संवेदकों को लाभ दे रही है. उक्त बातें बीसीकेयू के बड़मुडी जोनल के सेकेट्री रामजी यादव ने एक प्रेसवार्ता के दौरान कही.

उन्होंने कहा कि सारे नियम और कानून को तक पर रखते हुए के प्रबंधन के मिली भगत संवेदक बिना टेंडर मौखिक रूप से करोड़ों का सिविल कार्य कर रहा है. काम पूरा होने के बाद टेंडर निकाला जा रहा है. जिसमे रेट से अधिक स्टीमेट कर बंदरबांट किया जा रहा है. इस संबंध में इसीएल के जीएम और सीएमडी को मौखिक और पत्र के माध्यम से जानकारी दी गयी है. आगामी 15 सितंबर तक कार्यवाही नहीं होती है तो 16 सितंबर को लखीमाता कोलियरी का उत्पादन ठप कर दिया जाएगा. अगर इस पर भी प्रबंधन की नींद नहीं खुली तो इसीएल क्षेत्र के सभी कोलियरी को बंद कर दिया जाएगा.

महेंद्र हत्याकांड

सीबीआई को गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। माले विधायक महेंद्र सिंह हत्याकांड के आरोप में जेल में बंद हार्डकोर नक्सली रमेश दा ऊर्फ साकिम दा को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रजनीकांत पाठक की अदालत में पेश किया गया. सुनवाई के दौरान अदालत ने सीबीआई को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. उल्लेखनीय है कि 6 फरवरी 05 को माले विधायक महेन्द्र सिंह कि हत्या बगोदर से सभा कर लौटते समय दुर्गीधवैया गांव के समीप मोटरसाईकिल सवार अपराधियों ने स्वचालित हथियार से गोली चलाकर कर दी थी. हत्या की गुत्थी सुलझाने का जिम्मेवारी सीबीआई के स्पेशल क्राईम ब्रांच लखनऊ को सौंपी गई थी. जिसमें प्राथमिकी आरसी केस नंबर 07(एस)/05(एल) दर्ज कर आरोप पत्र दायर किया था.

जज हत्याकांड का आरोपी राहुल वर्मा किशोर घोषित

खास बातें

- मोबाइल चोरी मामले में सीबीआई कोर्ट ने दिया आदेश
- मामले की सुनवाई अब किशोर न्याय बोर्ड में होगी

संवाददाता। धनबाद

जज हत्याकांड में उम्र कैद की सजा काट रहे आरोपी राहुल वर्मा को आज अदालत से बड़ी राहत मिली. धनबाद सीबीआई के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडे की अदालत ने लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कुमार विमलेंदु की दलील सुनने के बाद राहुल वर्मा को किशोर घोषित कर दिया है. राहुल वर्मा बीते तीन वर्ष से जेल में बंद है. राहुल वर्मा एवं लखन वर्मा को जज उत्तम आनंद हत्याकांड में उम्रकैद की सजा एवं ऑटो चोरी के मामले में तीन वर्ष कैद की सजा हो चुकी है. मोबाइल चोरी करने के तीसरे मामले में अभी उसके विरुद्ध सुनवाई चल रही है.

सरकारी खर्च पर अधिवक्ता की व्यवस्था

राहुल वर्मा की ओर से मुकदमे में पैरवी करने वाला कोई नहीं था. वह आर्थिक कमजोर परिवार का सदस्य था. उसने जिला विधिक सेवा प्राधिकार से सरकारी खर्च पर अधिवक्ता उपलब्ध कराने का आग्रह किया, लिहाजा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकार राम शर्मा के निर्देश पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम ने मामले में आरोपी किशोर की ओर से पैरवी शुरू की. कोर्ट ने आरोपी का मेडिकल जांच करने का आदेश सिविल सर्जन धनबाद को दिया जिसके आलोक में मेडिकल बोर्ड का गठन हुआ मेडिकल बोर्ड ने अपने रिपोर्ट में आरोपी को घटना के वक्त आरोपित की उम्र 18 वर्ष से कम बताया.

ग्वालियर-पुरी स्पेशल ट्रेन के परिचालन को मंजूरी

धनबाद. रेलवे बोर्ड ने गुरुवार को ग्वालियर-पुरी स्पेशल ट्रेन के परिचालन को हरी झंडी दिखाई. इस ट्रेन का परिचालन 4 अक्टूबर 2024 से 4 जनवरी 2025 के बीच होगा. यह स्पेशल ट्रेन गोमो, पारसनाथ के रास्ते कोडरमा होते हुए जाएगी.

ट्रेन की समय सारणी के अनुसारः ट्रेन नंबर 01929 ग्वालियर-पुरी एक्सप्रेस हर शुक्रवार को ग्वालियर से दोपहर 1 बजे खुलकर शनिवार को कोडरमा सुबह 4:10 बजे पहुंचेगी. वापसी में प्रत्येक शनिवार को ट्रेन नंबर 01930 पुरी-ग्वालियर 23:45 बजे पुरी से रविवार को 23:45 बजे खुलकर रविवार को 14:08 बजे कोडरमा पहुंचेगी. यह स्पेशल ट्रेन यात्रियों के लिए एक सुविधाजनक विकल्प होगी. यात्री इस ट्रेन के माध्यम से ग्वालियर से पुरी की यात्रा कर सकते हैं।

पन्ने इतिहास के 1977 में तोपचांची को टुंडी विधानसभा में कर दिया गया था शामिल

तोपचांची विधानसभा से तीन बार विधायक बने थे राजा पूर्णेन्दु नारायण

- तोपचांची की पहली महिला विधायक बनी थीं मनोरमा सिंह

अक्षय चौबे । तोपचांची

तोपचांची प्रखंड जो कभी बिहार राज्य में विधानसभा हुआ करती थी. वर्तमान समय में सिर्फ तोपचांची प्रखंड और थाना क्षेत्र बन कर रह गई है. तोपचांची का इलाका वर्तमान समय में टुंडी विधानसभा के अंतर्गत है. आजादी के बाद हुए बिहार विधानसभा चुनाव में तोपचांची विधानसभा से राजा पूर्णेन्दु नारायण सिंह विधायक बने थे. उन्होंने 1952 में विधानसभा चुनाव कांग्रेस पार्टी से लडे.थे. 1957 के चुनाव में राजा पूर्णेन्दु नारायण सिंह हार गए थे. उस दौरान तोपचांची विधानसभा से पहली महिला मनोरमा सिंह विधायक बनी थी. 1957 के विधानसभा चुनाव के दौरान तोपचांची विधानसभा (एससी) से राम लाल चमार विधायक बने थे. 1962 के चुनाव के दौरान तोपचांची विधानसभा से पुनः राजा पूर्णेन्दु नारायण सिंह ने जीत दर्ज की थी. 1967 के चुनाव राजा पूर्णेन्दु नारायण सिंह जनक्रांति पार्टी से चुनाव लड़े और जीत दर्ज की थी. उन्होंने 1967 के चुनाव में कांग्रेस के शंकर दयाल सिंह को हराया था. इस चुनाव परिणाम में रोचक बात यह रही कि जितने वोट शंकर दयाल सिंह को मिले थे, उससे ज्यादा के अंतर से राजा ने उन्हें मात दी थी. उन्हें 23608 वोट प्राप्त हुए थे. 1972 के चुनाव में तोपचांची विधानसभा से कांग्रेस पार्टी के टिकट से शंकर दयाल सिंह विधायक बने थे. 1977 के चुनाव में तोपचांची विधानसभा को टुंडी विधानसभा में शामिल कर दिया गया.

समय के साथ घटती गई विधानसभा क्षेत्रों की संख्या

तोपचांची : धनबाद जिले में पहले कभी 13 विधानसभा क्षेत्र हुआ करता था. जिसमें वर्तमान समय में कुछ अब थाना क्षेत्र है. इनमें केन्दुआडीह, जोड़ापोखर, तोपचांची, कतरास और बलियापुर शामिल हैं. पहले टुंडी और निरसा एक ही सीट थी, जिसे टुंडी सह निरसा कहा जाता था और यहां से दो विधायक चुने जाते थे. वर्तमान समय में धनबाद जिले में छह विधानसभा क्षेत्र है. टुंडी , बाघमारा, सिंदरी, निरसा , धनबाद और झरिया. आजादी के बाद पहले चुनाव में बलियापुर सीट से झरिया नरेश काली प्रसाद सिंह जीतकर बिहार विधानसभा पहुंचे थे. वर्ष 1952 के चुनाव के बाद टुंडी सह निरसा और कतरास विधानसभा सीटों का अस्तित्व खत्म हो गया. 1957 के बाद केन्दुआडीह और जोड़ापोखर सीट का अस्तित्व खत्म हो गया. तोपचांची विधानसभा क्षेत्र वर्ष 1972 के चुनाव तक कायम रहा. हालांकि वर्ष 1977 में परिसीमन के बाद धनबाद जिले में छः विधानसभा क्षेत्रों को नोटिफाइड माना गया – टुंडी, बाघमारा, सिंदरी , निरसा धनबाद और झरिया. अभी भी जिले में छः विधानसभा क्षेत्र है.

4 बार विधायक बनने का रिकार्ड सूर्यदेव सिंह के नाम

1977 से 1990 तक रिकॉर्ड चार बार विधायक बनने का कीर्तिमान सूर्यदेव सिंह (झरिया) के नाम पर दर्ज है. पीएन सिंह (धनबाद), एके राय (सिंदरी), आनंद महतो (सिंदरी), बिनोद बिहारी महतो (सिंदरी और टुंडी), ओपी लाल (बाघमारा), कृपाशंकर चटर्जी (निरसा), रामनारायण शर्मा (टुंडी सह निरसा और निरसा), पूर्णेंदु नारायण सिंह (तोपचांची), शंकर दयाल सिंह (तोपचांची और बाघमारा) ढुल्लू महतो (बाघमारा) तीन-तीन बार विधायक चुने गए.

धनबाद रेलवे अंतर विभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता

पर्सनल टीम की धमाकेदार जीत

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के रेलवे ग्राउंड में आयोजित अंतर विभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता में पर्सनल टीम ने अकाउंट्स टीम को 14-0 से पराजित किया. यह जीत पर्सनल टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिसमें उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को एकतरफा मुकाबले में हराया. पर्सनल टीम के अजीत कुमार ने 5 गोल किए, जबकि लवदीप और हरमनदीप ने 3-3 गोल किए. इसके अलावा, आमिर हाशमी, नितिन प्रधान और प्रशांत दे ने एक-एक गोल किया. दूसरे मैच में, कैरज एंड वैगन टीम ने टीआरएस गोमो टीम को 4-0 से हराया. कैरज एंड वैगन टीम के सी एम झा ने 3 गोल किए, जबकि बाबूलाल बारी ने एक गोल किया. इस प्रतियोगिता में सुरेश किस्कु, संजय हेंब्रम, सरकार मरांडी, राजवीर टुडू और कृष्ण कुमार रजक ने निर्णायक की भूमिका निभाई. वरिय मंडल वित्त प्रबंधक राहुल कुमार राय, सहायक क्रिड़ा अधिकारी सह सहायक मंडल वित्त प्रबंधक हर्षवर्धन सिंह, मंडल कार्मिक अधिकारी अनूप कुमार सिन्हा और रतन राकेश लकड़ा ने इस अवसर पर उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

महिला को सांप ने काटा, हालत गंभीर

धनबाद । धनबाद जिले के टुंडी प्रखंड की एक महिला कौशल्या देवी को सांप ने काट लिया, जिसके बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज लाया गया। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। कौशल्या देवी अपने खेत से सब्जी तोड़ने के लिए गई थीं, जहां उन्हें सांप ने काट लिया। परिजनों ने तुरंत उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने महिला का इलाज शुरू कर दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि महिला की हालत गंभीर है, लेकिन इलाज जारी है। इस घटना के बाद से परिजनों में दहशत का माहौल है।

छाई गिराए जाने के विरोध में भाजपा ने लिखा पत्र

निरसा। भूटानी खदान के पानी में छाई गिराए जाने के विरोध में भाजपा नेता मधुरेंद्र गोस्वामी ने जिलाधिकारी, सांसद, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद धनबाद, इसीएल के पदाधिकारियों और अंचल अधिकारी निरसा को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में अविलंब छाई गिराने पर रोक, गिराए गए छाई को वापस निकालने और दोषी संवेदक पर प्राथमिक दर्ज करने की मांग की है। श्री गोस्वामी ने बताया कि मैथन पावर लिमिटेड प्रबंधन धीरे-धीरे निरसा के सभी जल स्रोतों को समाप्त करती जा रही है। आने वाले समय में निरसा वासियों को छाई के कारण भयंकर महामारी का सामना करना पड़ेगा।

फुलारीटांड़ में लगा नया ट्रांसफार्मर

मधुबन। मधुबन थाना क्षेत्र के फुलारीटांड़ बस्ती में लगातार तीसरी बार ट्रांसफॉर्मर जलने से लोग बिजली के लिए परेशान थे. ग्रामीणों ने सांसद ढुल्लू महतो को मामले की जानकारी दी थी. सांसद की पहल पर 200 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है. फुलारीटांड़ मुखिया प्रतिनिधि दिलीप विश्वकर्मा और सांसद प्रतिनिधि शरद महतो ने गुरुवार को नारियल फोड़कर और फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया.

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस : 20 सितंबर को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की गोली

खास बातें

- 27 सितंबर को छूटे हुए बच्चों को खिलाई जाएगी दवा

संवाददाता। धनबाद

धनबाद। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के तहत 20 सितंबर को जिले में 1 से 19 वर्ष के 4 लाख 73 हजार 258 बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी. राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को लेकर गुरुवार को समाहरणालय के सभागार में सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक एवं उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि 20 सितंबर को सभी आंगनवाड़ी केंद्र एवं स्कूल में 1 से 19 वर्ष के बच्चों को गोली खिलाई जाएगी. वहीं 27 सितंबर को मॉप अप दिवस पर छूटे हुए बच्चों को गोली खिलाई जाएगी। जिले में 1 से 5 वर्ष के 1,22,691 तथा 6 से 19 वर्ष के 3,50,567 बच्चे हैं. उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं शिक्षक अपने सामने बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाएंगे. छोटे बच्चों को दवाई का चूरा करके गोली खिलाई जाएगी. बड़े बच्चों को अच्छी तरह से चबाकर गोली खाने के लिए कहेंगे. अच्छी तरह चबाकर गोली नहीं खाने से उसका प्रभाव कम हो जाता है. वहीं बीमार बच्चों को गोली नहीं खिलाई जाएगी. डिवर्मिंग के लाभ पर प्रकाश डालते हुए सिविल सर्जन ने कहा कि इससे रोग प्रतिरोधक शक्ति में वृद्धि होती है. स्वास्थ्य पोषण में सुधार होता है। एनीमिया में नियंत्रण होता है. बच्चों के वयस्क होने पर काम करने की क्षमता में बढ़ोतरी होती है. वहीं कृमि का संक्रमण होने से दस्त, पेट में दर्द, कमजोरी, उल्टी और भूख न लगना सहित कई लक्षण हो सकते हैं. बच्चों के आंत में कृमि की मात्रा जितनी अधिक होगी संक्रमण के उतने ही अधिक लक्षण होंगे. हल्के संक्रमण वाले बच्चों में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं दिखते हैं. कृमि संक्रमण का इलाज एल्बेंडाजोल का उपयोग करके किया जा सकता है. बैठक में सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार, सिटी अर्बन हेल्थ मैनेजर गौतम कुमार सिंह के अलावा सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका व स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कर्मी मौजूद थे.

अंतर जिला विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता

संवाददाता। गोमो

गोमो । धनबाद जिला कबड्डी संघ द्वारा जीएम पब्लिक स्कूल चैता के घरेलू मैदान में 13 से 15 सितंबर 2024 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रथम धनबाद जिला स्कूल कबड्डी प्रतियोगिता के लिए सेक्रेड हार्ट मिशन खेसमी गोमो से बालक टीम का चयन किया गया. यह जानकारी विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र महतो ने दिया. उन्होंने कहा इस तरह का आयोजन होने से छात्र-छात्राओं का मानसिक व भौतिक विकास होता है. प्रतियोगिता में भाग लेना ही खिलाड़ी की पहली जीत होती है, जीतता वही है जो निरंतर अभ्यास करता है. आज के समय में स्वस्थ वो है जो खेल कूद में प्रतिदिन अभ्यास करता है. साथ ही उन्होंने अपनी टीम को जीत के लिए शुभकामनाएं दिये. मौके पर डायरेक्टर अनिल देब,उपप्राचार्य प्रदीप गुप्ता,मो इस्लाम, कोच लखींद्र महतो एवं स्पोर्टस मैनेजर देवार्गब देब,देवांकन देब,सुरज कुमार आदि शिक्षकगण उपस्थित थे..

टाटा सिजुआ शक्ति सेना मेला मैदान में करम परब महोत्सव

करम परब महोत्सव पर विजेता टीमों को मिला पुरस्कार

खास बातें

- जेबीकेएसएस संस्थापक जयराम महतो ने किया सम्मानित

संवाददाता। धनबाद

धनबाद। टाटा सीजुआ शक्ति मेला मैदान में शक्ति सेना करम परब महोत्सव 2024 का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जेबीकेएसएस के संस्थापक जयराम महतो, विशिष्ट अतिथि कन्हाई चौहान एवं प्रदीप महतो उपस्थित हुए. कार्यक्रम के संयोजक दीपक महतो ने कहा कि महोत्सव में बागड़ा की टीम को प्रथम पुरुस्कार विजेता घोषित किया गया. विजेता टीम को मुख्य अतिथि जयराम महतो ने 5000 रुपया, साड़ी, कप एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया.द्वितीय पुरस्कार विजेता बोकारो की टीम को कन्हाई चौहान ने तीन हजार रुपए, साड़ी, कप और मोमेंटो देकर सम्मानित किया. तृतीय पुरस्कार विजेता डुमरी की टीम को प्रदीप महतो ने दो हजार रुपया, साड़ी, कप एवं मोमेंटो देखकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का संचालन रोनित महतो ने किया. कार्यक्रम में पहुंचे सभी जेबीकेएसएस के पदाधिकारियों को शक्ति सेना ने धन्यवाद दिया. कार्यक्रम को सफल बनाने में रोशन कुमार, मनीष महतो, प्रेम महतो, राजेंद्र महतो, सुनील महतो, राजकुमार, विकास, आकाश, प्रदीप समेत अन्य शक्ति सेना के सदस्य सक्रिय थे

तेतुलमारी में मां मनसा पूजा उत्सव का आयोजन

तेतुलमारी: पाण्डेडीह हरित उधान स्थित मां मनसा मंदिर में गुरुवार की शाम भुइंया समाज द्वारा मां मनसा पूजा उत्सव का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस धार्मिक कार्यक्रम का उद्घाटन कांग्रेस नेता रोहित यादव ने किया। सर्पो की देवी मां मनसा की प्रतिमा की पूजा अर्चना निरसा के कालूबथान से आए पंडित आशिमकांत चक्रवर्ती व दीपक चक्रवर्ती ने वैदिक मित्रों के साथ विधि विधान पूर्वक कराया। इस दौरान कांग्रेस नेता को कमेटी के लोगों द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। रोहित यादव ने कहा कि यह पूजा दो दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया है। समापन के पूर्व महा प्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शामा भुइंया, पप्पू बरनवाल, कृष्णा भुइंया, गोपी भुइंया, कृष्ण कुमार आदि शामिल थे।

झारखंड बांग्ला भाषा संस्कृति परिषद का सम्मान समारोह

खास बातें

- धीवर समाज को 150 वर्षों से परंपरागत कीर्तन के लिए सम्मानित किया गया

संवाददाता। धनबाद

धनबाद। झरिया पोद्दार पाड़ा स्थित हरिबोल मंदिर परिसर में झारखंड बांग्ला भाषा-संस्कृति परिषद के तत्वाधान में गुरुवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि बी बी एम कॉलेज के फाउंडर प्रोफेसर सिद्धार्थ बनर्जी विशेष रूप से उपस्थित थे. धीवर समाज के हरिबोल मंडली को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. धीवर समाज ने परंपरागत कीर्तन को झरिया पोद्दार पाड़ा स्थित हरिबोल कीर्तन सभा में 150 से भी ज्यादा वर्षों से आयोजित कर अपनी परंपरा व संस्कृति को जीवंत रखा है. समाज के गोवर्धन धीवर, तपन धीवर, नारायण धीवर, त्रिभंगा धीवर, भोला धीवर, माणिक धीवर, किशन धीवर, शुशांता धीवर, शशांक शेखर ओझा, गोबिंदा धीवर, शिल्पी अनिंदिता बनर्जी,शशांक शेखर ओझा,को परिषद द्वारा सम्मानित किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा धीवर समिति द्वारा सम्मानित हो कर अपने पर गर्व हो रहा है.बंगला संस्कृति व परंपरा का वाहक है यह समिति. कार्यक्रम में कोलकाता बांग्ला चैनल की संगीतकार अनिंदिता बनर्जी ने लोक गीत गाकर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया. कार्यक्रम में धीवर समिति द्वारा रंगारंग कीर्तन प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया. कार्यक्रम का मंच संचालन परिषद के सहायक सचिव मिताली ने किया.परिषद के अध्यक्ष अजय मुखर्जी, सचिव समीर गोस्वामी, सहायक सचिव मिताली मुखर्जी ने संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि सिद्धार्थ बनर्जी को सम्मानित किया.कार्यक्रम को सफल बनाने में पिनाकी राय, शुशांत बनर्जी, कल्याण घोषाल, तपन धीवर आदि का योगदान रहा. धन्यवाद ज्ञापन परिषद के संयुक्त सचिव कल्याण घोषाल ने किया.

आसनसोल

नशे में धुत्त ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर पर महिला से छेड़खानी का आरोप

सालनपुर में ब्लॉक ऑफिसर के खिलाफ महिला से अभद्रता की शिकायत

- मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओएच ने कोलकाता उच्च अधिकारियों से तुरंत कार्रवाई का अनुरोध किया
- अधिकारी के खिलाफ पहले भी कई शिकायतें मिल चुकी हैं, परंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई

संवाददाता। सालानपुर

रानीगंज/सालनपुरः ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सुब्रतो सीट पर महिला से छेड़खानी और ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में अस्पताल आने के गंभीर आरोप लगे हैं। महिला द्वारा थाना में शिकायत दर्ज कराने के बाद, कई और महिलाओं ने भी उनके अभद्र व्यवहार की पुष्टि की है। स्वास्थ्य केंद्र की कई महिलाओं ने बताया कि ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सुब्रतो सीट अक्सर ड्यूटी के दौरान नशे में रहते हैं और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। पहले भी उनके खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बार भी अगर कार्रवाई नहीं होती है, तो वे बड़े स्तर पर विरोध करेंगे। सीएमओएच ने इस घटना की जानकारी मिलने पर उच्च अधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है, जिससे न्याय की उम्मीद की जा रही है।

चिकित्सा शिविर आयोजन 70 रोगियों का हुआ इलाज

खास बातें

- डॉक्टर अरूप नंदपाल की पहल से लगा रानीगंज में आर्थोपेडी चिकित्सा शिविर

रानीगंज। रानीगंज चैंबर ऑफ़ कमर्स के सभागार में समाजसेवी डॉक्टर अरूप नंदपाल के संयोजन में एक चिकित्सा शिविर आयोजन किया गया। इसमें आर्थोपेडी चिकित्सा शिविर के अलावा रक्त एवं डायबिटीज के भी चिकित्सक मौजूद थे। इस अवसर पर लगभग 70 रोगियों का इलाज किया गया। डॉक्टर अरूपानंद पाल ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान बहुत आगे पहुंच चुका है, इसलिए इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले बड़े बुजुर्ग हड्डी के दर्द, जोरो के दर्द, कमर के दर्द आदि की वजह से घर से बाहर नहीं निकाल पाते थे, लेकिन अब वह समय नहीं है। डॉक्टर अरूपानंद पाल ने कहा कि समय अनुकूल चिकित्सा करने से असाध्य रोग भी ठीक हो जाता है। उन्होंने कई घरेलू नुक्से भी बताए, जैसे कि यदि घर में किसी रूप में घायल होते हैं तो उसे तत्काल ठंडे जल से धोना चाहिए और बर्फ लगाकर उसे स्थान को मुलायम कर देना चाहिए।

कार्यालय के सामने खनिक का प्रदर्शन नौकरी की मांग

रानीगंज । कैंसर से उबर रहे एक खनिक ने पुनः रोजगार की मांग को लेकर ईसीएल के एजेंट कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को वह अपने परिवार के साथ एजेंट के ऑफिस गए और बाद में जब उन्हें पता चला कि जल्दी नौकरी पर रखना संभव नहीं है, तो उन्होंने प्रदर्शन किया। खनिक ने आरोप लगाया कि उनसे पैसे मांगे गए। हालांकि, कोलियरी के पर्सनल मैनेजर ने कहा कि सब कुछ नियमों के तहत किया जा रहा है और किसी भी तरह का बल प्रयोग नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि खनिक के अनुरोध को देखते हुए कार्रवाई की जा रही है और पैसे लेने का दावा पूरी तरह से गलत है। इसी तरह का मामला गुरुवार को ईसीएल के कुनुस्तोदिया इलाके के अमृतनगर कोलियरी के एजेंट कार्यालय में देखने को मिला। खननकर्ताओं के विरोध करने की खबर मिलते ही रानीगंज थाने की निमचा चौकी की पुलिस ईसीएल के सुरक्षा गार्डों के साथ तुरंत मौके पर पहुंची।

मिड डे मील का सर्वेक्षण, सरकारी अधिकारियों ने की गुणवत्ता की जांच

मिड डे मील की गुणवत्ता पर सरकार की सख्ती, रानीगंज में सर्वेक्षण जारी

संवाददाता। रानीगंज

रानीगंज/पश्चिम बर्दवानः जिला शिक्षा अधिकारी और अन्य सरकारी अधिकारियों ने विभिन्न प्राइमरी स्कूलों में मिड डे मील का सर्वेक्षण किया और भोजन की गुणवत्ता की जांच की। अधिकारी अली पात्र, दीप्तेश मंडल और सुशोभन कोनार ने बताया कि रानीगंज और पंचायत क्षेत्र के विभिन्न प्राइमरी स्कूलों में मिड डे मील के भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई है। सरकारी आदेश के अनुसार प्राइमरी स्कूलों में स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया जा रहा है। रानीगंज के श्री दुर्गा विद्यालय प्राइमरी स्कूल में सरकारी अधिकारी ने अपनी टीम के साथ मिड डे मील का भोजन को खुद खाया और पत्रकार को बतलाया कि भोजन की क्वालिटी काफी अच्छी थी। इसी तरह विभिन्न स्कूलों में सर्वेक्षण किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि कई स्कूलों से गुप्त जानकारी मिली है कि बच्चों को दिया जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सही नहीं है। इस तरह के दोषी पाए जाने वाले स्कूल के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सतर्कता जागरुकता सेमिनार आयोजित, 150 बच्चों ने लिया भाग

बीसीसीएल एरिया 12 में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया गया

संवाददाता। बराकर

बराकरः बीसीसीएल सीवी एरिया बारह की ओर से सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के तहत सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चिरकुंडा स्थित नंदलाल इंस्टीट्यूशन में लगभग 150 बच्चों के बीच सेमिनार आयोजित कर अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सेमिनार में सीवी एरिया के महाप्रबंधक सुधाकर प्रसाद, एरिया प्रबंधक कार्मिक जगदीश कर्मकार, क्षेत्रीय सहायक प्रबंधक राकेश नायक तथा मुख्यालय से महाप्रबंधक सतर्कता सहित अन्य गणमान्य अधिकारी मौजूद थे। सेमिनार में मुख्य रूप से पीआईडीपीआई को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान छात्रों को सभी प्रकार के भ्रष्टाचार से दूर रहने की सलाह दी गई तथा भ्रष्टाचार रोकथाम को लेकर बच्चों ने भाषण भी दिए। इसके अलावा, बीसीसीएल एरिया 12 गेस्ट हाउस में भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यालय महाप्रबंधक द्वारा भ्रष्टाचार रोकथाम एवं अन्य उपायों पर प्रकाश डाला गया।

सीतारामपुर रेल पुलिस का जागरुकता अभियान

बराकर: आसनसोल रेल मंडल के सीतारामपुर आरपीएफ ने काली तला दास पाड़ा सलानपुर एरिया में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान आरपीएफ ने स्थानीय लोगों से अपील की कि रेलवे लाइन पार न करें, चलती ट्रेनों पर पत्थर न मारें, और मानव तस्करी रोकथाम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके अलावा, ट्रेन में अनावश्यक चेन पुलिंग नहीं करने की सलाह दी गई और महिला बोगी में पुरुषों को यात्रा न करने की अपील की गई। रेलवे लाइन में इधर-उधर न घूमने और बंद रेलवे गेट को पार न करने के लिए भी जागरूक किया गया। स्कूली बच्चों को फुटबॉल प्रदान किया गया और खेल-कूद की ओर प्रेरित किया गया। साथ ही, आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की सलाह दी गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि इस तरह का जागरूकता अभियान समय-समय पर आयोजित किया जाता है।

पूर्व रेलवे जोनल सदस्य ने आसनसोल-दुर्गापुर स्टेशनों का किया निरीक्षण

रेलवे अधिकारियों को निर्देश, यात्री सुविधाओं की समीक्षा

संवाददाता। बराकर

बराकर । पूर्व रेलवे जोनल सदस्य सह एमआर स्पेशल सदस्य बालमुकुंद दिवाकर ने गुरुवार को एक टीम के साथ आसनसोल के तीन स्टेशनों का निरक्षण किया। इस दौरान समाज सेवी सह राजनीतिक नेता टिंकु वर्मा, दीपक चौधरी मुख्य रूप से शामिल थे। सीतारामपुर जंक्सन स्टेशन का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने अपर क्लास वेटिंग हॉल में एक घड़ी की कमी, एलईडी टीवी, ऐसी की व्यवस्था की कमी देखी। साथ ही, वेटिंग हॉल में ट्रेन की जानकारी के लिए साउंड व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। आसनसोल स्टेशन पर उन्होंने खाने-पीने के स्टॉल, स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल, सौचालय, द्वितीय श्रेणी वेटिंग रूम, रिजर्वेशन काउंटर के समक्ष तत्काल टिकट लेने वाले व्यवस्था की जानकारी ली। इसके बाद ट्रेन के डिब्बे में बने रेस्टोरेंट की व्यवस्था को देखा। आसनसोल स्टेशन के बाहर दो पहिया मोटरसाइकिल स्टैंड का निरीक्षण किया। आसनसोल में वर्तमान परिस्थिति में यात्रियों की सुविधा हेतु हर तरह की व्यवस्था से रेलवे की ओर से दिया गया है। प्लेटफार्म से लेकर खाने-पीने स्टॉल में रेलवे यात्रियों से पूछताछ में आसनसोल स्टेशन में यात्री संतुष्ट दिखे।

ब्रीफ खबरें

घर के बाहर से पिक-अप वैन चोरी

डुमरी। डुमरी निवासी आनंद कुमार ने गुरुवार को एक आवेदन निमियांघाट थाना में देकर 11 सितंबर की रात्रि इसरी बाजार से अपनी बोलेरो पिक-अप वाहन संख्या-जेएच 10सीएच 8186 के चोरी हो जाने की बात कही है. आवेदन में लिखा है कि 11 सितंबर की शाम को वाहन को मेरा चालक इसरी बाजार निवासी सदाम हुसैन अपने घर के बाहर खड़ा कर दिया. वहीं रात्रि को जब घर से बाहर आया तो देखा वाहन वहां नहीं है, तब चालक ने इसकी जानकारी मुझे दी.

छात्राओं के बीच साईकिल का वितरण

गावां (गिरिडीह)। गावां बीआरसी कार्यालय में गुरुवार को एक कार्यक्रम का आयोजन कर 68 छात्राओं के बीच साईकल का वितरण किया गया. कोडरमा सांसद सह केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अनुपूर्णा देवी की अनुशंसा पर गेल इंडिया लिमिटेड के सी.आर मद से साईकिल उपलब्ध करवाया गया था. मौके पर विधायक प्रतिनिधि मुन्ना सिंह, श्रीराम यादव के द्वारा सभी छात्राओं के बीच साईकिल का वितरण किया. मौके पर अजय कुमार, सुबोध कुमार, संतोष सिन्हा, राजीव रंजन समेत कई लोग उपस्थित थे.

झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ ने शुरू किया आंदोलन

बोकारो। सरकारी प्लस टू विद्यालयों में प्राचार्य पद सृजन के मांग को लेकर झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ ने राज्यव्यापी आंदोलन के तहत गुरुवार को बोकारो जिले के सभी प्लस टू विद्यालयों में कार्यरत सभी पीजीटी, प्रयोगशाला सहायक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर कार्य किया एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के माध्यम से प्रधान शिक्षा सचिव को ज्ञापन सौंपा. इस दौरान संघ की ओर से हैशटैग अभियान क्रिएट प्रिंसिपल पोस्ट इन गवर्नमेंट प्लस टू स्कूल के साथ एक ट्विटर अभियान चलाया, जिसमें मुख्यमंत्री को टैग करते हुए विद्यालयों में जल्द से जल्द प्राचार्य पद सृजित कर बहाली करने की मांग की गई.

सार्वजनिक दुर्गापूजा संचालन कमिटी का गठन

जमुआ (गिरिडीह)। आगामी दुर्गा पूजा को लेकर सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति खरगडीहा का पुनर्गठन किया गया. मौके पर खरगडीहा के दर्जनो ग्रामीण एवं पूजा सामिति के लोगों ने भाग लिया. बैठक में सर्वप्रथम पूजा कमिटी का गठन किया गया. जिसमें अध्यक्ष के रूप में सत्यनारायण साव, सचिव रविंदर साहू, मीडिया प्रभारी अनूप राम एवं आशीष भदानी, उप सचिव अनूप कुमार साहु, उपाध्यक्ष रवि भदानी, कोषाध्यक्ष सुंदर राम भदानी का चयन सर्वसम्मति से किया गया. इस बाबत नव चयनित अध्यक्ष सत्यनारायण साव एवं मीडिया प्रभारी आशीष भदानी संयुक्त रूप से कहा कि पूर्व की कमिटी के सदस्यों द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा था लेकिन अचानक उक्त कमिटी के सचिव अशोक साव का निधन हो जाने के कारण न्यू कमिटी बनाने की आवश्यकता पड़ी. कहा कि इस बार न्यू कमिटी भी अपने सारे सदस्यों के साथ ताल मेल बना कर बेहतर ढंग से कार्य करेगी.

धनवार में कई लोगों ने ली झामुमो की सदस्यता

धनवार (गिरिडीह)। झारखंड मुक्ति मोर्चा की संगठनात्मक बैठक गुरुवार को धनवार के बोदगो गांव में प्रखंड अध्यक्ष निरंजन सिंह की अध्यक्षता में हुई. इस दौरान पार्टी और सरकार में आस्था जताते हुए कई नए साथियों ने पार्टी में शामिल होने की घोषणा की. अध्यक्ष ने सबको पार्टी का पट्टा व सदस्यता रसीद दे कर पार्टी में शामिल करवाया. इस दौरान मेहबुब आलम, जावेद आलम, अब्बास खलीफा, जुबैर खलीफा, डॉ ऐनुल खलीफा, सद्दाम आलम, नन्द किशोर पासवान, जागेश्वर पासवान, ऐजाज खलीफा, जागेश्वर पासवान, मन्सुर खलीफा, समसुल खलीफा, बिकेन्दर पासवान, उदय पासवान, अंकित कुमार, मो० अखतर हसन आदि ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. बोदगो के ही पुराने साथी भगीरथ पासवान के अस्वस्थ रहने पर लोगों ने उनसे मुलाकात की और हिम्मत दिया. मौके पर जितेन्द्र रविदास, तबारक खान, हीरा दास, राजु पासवान, भुनेश्वर पंडित, बिनोद राय, पूर्व मुखिया निजाम अंसारी आदि मौजूद थे.

गिरिडीह के 6 विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के 36 उम्मीदवार

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश आज करेंगे गिरिडीह का दौरा, कांग्रेसियों ने कार्यक्रम को ले बनाई रणनीति

अभय वर्मा। गिरिडीह

करीब 3 दशक बाद विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस खेमें में उत्साह है. अगस्त में फार्म भरवाये जाने के बाद अब पार्टी के वरीय नेताओं का गिरिडीह दौरा शुरू हो रहा है. इसका आगाज खुद प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से हो रही है. शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष गिरिडीह के स्थानीय होटल में कार्यकर्ताओं से राय शुमारी करेंगे.

मिली जानकारी के अनुसार बगोदर, गांडेय से तीन-तीन उम्मीदवारों ने टिकट का दावा पेश किया है, बाकी के विधानसभा क्षेत्र से तीन से अधिक उम्मीदवार हैं. जिन विधानसभाओं में तीन से अधिक उम्मीदवार थे, वहां से लिस्ट को शॉर्ट कर तीन-तीन उम्मीदवारों के नाम भेजे गए हैं. फिलहाल उन नाम का खुलासा नहीं किया गया है. पार्टी के जानकार बताते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष इस बात की भी जानकारी लेंगे कि गठबंधन के विधायक पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की लगातार उपेक्षा किन परिस्थितियों में कर रहे हैं.

मालूम हो कि आलकमान को इस अनदेखी की लगातार सूचना दी जा रही है. पार्टी इस बात को भी तवज्जो दे रही है कि किन विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की जमीन मजबूत की जा सकती है. यहां काविले गौर है कि तीन चार दशक पूर्व जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र में कभी न कभी कांग्रेस के विधायक रहे हैं. इनमें गिरिडीह से ज्योतिंद्र प्रसाद, धनवार से तिलकधारी प्रसाद सिंह, बगोदर से खडगधारी नारायण सिंह, गांडेय से डॉ. सरफराज अहमद व जमुआ विधानसभा क्षेत्र से तनेश्वर आजाद कांग्रेस के अंतिम विधायक रहे हैं. बाद के चुनाव में गठबंधन की राजनीति ने कांग्रेसी उम्मीदवारों की चुनावी आकांक्षा दफन कर दी. प्रेशर पॉलिटिक्स के तहत की जा रही कवायत में कांग्रेस की बात नहीं बनी तो पुनः कई सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार नजर आ सकते हैं.

जमुआ से मिली थी करीबी हार

2019 के विधानसभा चुनाव में जमुआ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रही डॉक्टर मंजू कुमारी को करीबी हार नसीब हुई थी. संभावना जताई जा रही है कि डॉक्टर मंजू गठबंधन की उम्मीदवार रहेंगी. हालांकि पार्टी ने चुनाव के दौरान डॉक्टर मंजू के राजनीतिक अनाड़ीपन के कारण पूर्व विधायक चंद्रिका महथा को पार्टी में शामिल कराया था, पर चुनाव से पूर्व ही उनकी आकस्मिक मौत हो गई.

गिरिडीह और धनवार में है मजबूत उम्मीदवार

झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राजद, माले में गठबंधन नहीं हुआ तो पार्टी के गिरिडीह और धनवार विधानसभा में मजबूत दावेदार हैं. गिरिडीह विधानसभा से अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष अजय कुमार सिन्हा और धनवार विधानसभा से पूर्व में चुनाव लड़ चुके उपेंद्र प्रसाद सिंह मजबूत दावेदार समझे जा रहे हैं. दोनों की क्षमता अल्पसंख्यक वोटो में सेंधमारी करने की है. स्वजातीय और कांग्रेस के परंपरागत मतदाताओं को समेटने में सफल रहे तो दोनों स्थानों पर चौंकाने वाला परिणाम आ सकता है.

रांची भेजी गई उम्मीदवारों की सूची

फिलहाल जो नाम रांची आलाकमान को भेजी गई है, उनमें गिरिडीह से अजय कुमार सिंहा, ऋषिकेश मिश्रा, सतीश केडिया, बिलाल अहमद हुसैनी, मदनलाल विश्वकर्मा, प्रोफेसर कमलनयन सिंह व अमित सिंह, जमुआ विधानसभा क्षेत्र से डॉ मंजू कुमारी, राजेश पुरी, सीताराम पासवान, राम नारायण, धनवार से जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह, उपेंद्र सिंह, श्याम सुंदर प्रसाद शाह, मनोज राय, अनिमेष देव, मरगूब अंसारी, सोहेल इराकी, बगोदर विधानसभा से इतवारी महतो, अशोक मंडल, दीपक माहेश्वरी, गांडेय से मनोज सहाय, मोहम्मद शमी, दीपक पाठक, डुमरी विधानसभा से नागेश्वर मंडल, सुखदेव सेठ, महेश भगत, अशोक विश्वकर्मा शामिल है.

पेट्रोल पंप कर्मी पर चाकू से हमला, तीन धराये

बाइक में पेट्रोल भराने के बाद भागने की फिराक में थे अपराधी

खास बातें

- कर्मचारियों की तत्परता से पकड़े गए अपराधी
- चाकूबाजी से पूर्व सेक्टर वन से मोबाइल व पर्स छीना

संवाददाता। बोकारो

सेक्टर 4 स्थित जय जवान पेट्रोल पंप पर गुरुवार को सुबह 7:30 बजे तीन अपराधी बाइक में 100 रुपया का पेट्रोल लिया. पेट्रोल लेने के बाद वह फरार होने लगे, लेकिन पंप कर्मचारी पप्पू ने उन्हें पीछे से पकड़ लिया. तीनों लड़कों ने देखा कि अब भगाने का कोई चान्स नहीं है, तो उनमें से एक लड़का ने कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया. चाकू का वार ऐसा था कि कर्मचारी अगर पीछे नहीं हटता तो उसको पेट को चीरते हुए निकल जाता, जिससे उसकी जान भी जा सकती थी. कर्मचारियों की सतर्कता के कारण चाकू पेट में न लग के हाथ में लगी, जिससे पप्पू का हाथ पूरी तरह जख्मी हो गया. फिर भी वह तीनों को भागने में सफल नहीं होने दिया. तब तक अन्य सहयोगी पहुंचकर तीनों लड़कों को पकड़ कर अपने कब्जे में ले लिया. इसकी सूचना सेक्टर 4 थाने को दी गई. मौके पर पहुंचे पुलिस ने तीनों को अपने हिरासत में ले लिया. पकड़े गए तीनों युवक में से एक सेक्टर 1 के झोपड़ी के निवासी है, जिसका नाम गोलू बताया जा रहा है. वहीं तीनों ने कुछ देर पहले सेक्टर 1 में 12 हनुमान नगर निवासी अभय कुमार का पर्स और मोबाइल छीन के भागे थे.

जानलेवा हमला के आरोपी रिहा

बोकारो। बोकारो के प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन कुमार की अदालत ने जानलेवा हमला कर घायल करने के आरोपी माराफारी निवासी आदित्य कुमार उर्फ आदित्य कुमार चौबे, सौरभ कुमार, रोहित कुमार मिश्रा को गुरुवार को सबूत के अभाव में रिहा कर दिया. जानकारी के अनुसार सूचक ने माराफारी थाना में 15 जुलाई 2020 को आवेदन देकर कहा था कि क्रिकेट खेलने के दौरान आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया था, जिससे वह घायल हो गया था. उसका इलाज बोकारो जेनरल अस्पताल में हुआ था. इस मामले में बहस एवं सुनवाई के बाद सत्र वाद संख्या 384/22 में न्यायालय ने आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया.

इलाजरत कैदी ने किया भागने का प्रयास

गोड्डा। गोड्डा जेल में बंद कैदी ने इलाज के क्रम में अस्पताल से भागने का प्रयास किया, लेकिन निजी सुरक्षा गार्ड की तत्परता से कैदी का प्रयास सफल नहीं हो पाया. घटना बीते बुधवार रात्रि की है. गोड्डा उपकारा में बंद कैदी सरफराज अंसारी ग्राम ललमटिया को सीने में दर्द की शिकायत के बाद पिछले दिनों कैदी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. अस्पताल परिसर में ही बने कैदी वार्ड में सरफराज का इलाज हो रहा था. रात्रि करीब नौ बजे कैदी को खाना देने के लिए महिला वार्ड में गई. इसी क्रम में महिला को धक्का देकर कैदी अपने वार्ड से निकल भागा. यह देख ड्यूटी पर तैनात सिपाही ने कैदी को पकड़ना चाहा मगर उसके हाथ में नाखून से खरोच मारते हुए बाहर निकल भागा. सिपाही द्वारा चिल्लाने पर अस्पताल में तैनात निजी सुरक्षा गार्ड ने पूरा माजरा समझते ही कैदी के पीछे दौड़ पड़ा और झपट्टा मारकर भाग रहे कैदी को दबोच लिया. दोनों के बीच उठा पटक भी हुआ लेकिन गार्ड ने कैदी को नहीं छोड़ा. शोरगुल पर अन्य लोग जुट गए और कैदी को पकड़ कर वापस कैदी वार्ड में लाकर बंद किया. घटना की सूचना के बाद थाना के अधिकारी भी पहुंचे और जानकारी प्राप्त किया.

देवघर प्रेस क्लब की कार्यकारिणी की बैठक

देवघर। द प्रेस क्लब ऑफ़ देवघर के तत्वावधान में देवघर पदाधिकारी एवं कार्यकारणी की पहली बैठक स्थानीय एक होटल के सभागार में आयोजित किया गया. बैठक की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष अमर नाथ पाठक ने किया. इस दौरान मुख्य रूप से उपाध्यक्ष अनल कांत मिश्रा, रणजीत कुमार, सचिव राजेश सिन्हा, संयुक्त सचिव अनूप कुमार राय, कोषाध्यक्ष अरुण केशरी, सह कोषाध्यक्ष पप्पू भारतीय उपस्थित थे. इसके अलावे कार्यकारणी में उपेंद्र कुमार, इम्तियाज़ अंसारी, परमजीत कुमार, युगल कुमार, मिन्हाज अंसारी, संजय यादव, राजा यादव, गौरव जयसवाल, ललित भारती, अनीता चौधरी उपस्थित थे. इस दौरान कई बिन्दुओं पर चर्चा किया गया एवं सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया.

विधायक ने कसमार में 7 पथों का किया शिलान्यास

कसमार (बोकारो)। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने गुरुवार को कसमार प्रखंड में सात पथों का शिलान्यास किया. इन पथों के निर्माण पर करीब 9 करोड़ रुपए लागत आएगी. जिन सड़कों का शिलान्यास हुआ है उनमे पिरगुल से कोतोगाड़ा, टांगटोना पंचायत में बगियारी मोड़-दुर्गापुर, इसी पंचायत में जामकुदर से बगियारी, टांगटोना में जामकुदर से तेलियाडीह, मंजूरा पंचायत में मंजूरा से झरमूंगा व बरइकला पंचायत में बरइकला से चैनपुर तथा बरइकला से करकट्टा खुर्द गांव तक की सड़क शामिल है. ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि 9 करोड़ 10 लाख की लागत से उक्त सड़कों का निर्माण होगा. प्राथमिकता के आधार गांवों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं. मौके पर विधायक की पत्नी कौशल्या देवी, आजसू नेता उमेश कुमार जायसवाल, महेंद्रनाथ महतो, मुखिया सरिता देवी, पंसस हेमंती देवी, मनोज कुमार महतो, कार्यपालक अभियंता निहार रंजन, डॉ जीतलाल महतो, रतन महतो, लालजी महतो आदि मौजूद थे.

प्रेमी जोड़े को जूता-चप्पल की माला पहना गांव में घुमाया

साहिबगंज। बोरियो के मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र युगल प्रेमी को गले में जूते-चप्पल की माला पहनाकर गांव में घुमाने का मामला प्रकाश में आया है. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वाकया मंडरो प्रखंड की बच्चा पंचायत के खैरवा गांव का है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस खैरवा गांव पहुंचकर दोषियों की पहचान में जुट गई है. पुलिस का कहना है कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है. इस प्रकार की घटना को अंजाम देने वालों के खिलाफ जल्द कार्रवाई होगी. पुलिस ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है. साहिबगंज के एसपी अमित कुमार सिंह ने कहा कि ऐसी घिनौनी हरकत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. कहा कि अगर किसी को कोई आपत्ति थी, तो पुलिस में शिकायत करनी चाहिए थी. वहीं, मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रूपेश यादव ने बताया कि चौकीदार के बयान पर अज्ञात करीब 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. आरोपियों को बहुत जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा.

बिजली बिल में माफी को ले कार्यालय में उमड़ी भीड़

गोड्डा। सरकार ने आसन्न चुनाव को देखते हुए जनता को लुभाने के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी है. मुफ्त की योजनाओं का बाढ़ आ गया है. इसी कड़ी में सरकार की ओर से पिछले सप्ताह बिजली बिल में माफी की घोषणा करते हुए कहा गया था कि वैसे घरेलू उपभोक्ता जिनका दो सौ यूनिट तक का बिजली बिल बकाया है, उसे माफ कर दिया गया है. दो सौ यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वालों को यह लाभ नहीं दिया गया है. अब इस घोषणा के बाद वैसे उपभोक्ताओं की भीड़ कार्यालय में पहुंचने लगे, जिनका पूर्व से बकाया रहने के कारण कनेक्शन को समाप्त कर दिया गया है. वैसे उपभोक्ताओं की भीड़ देखी गई, जिनका बकाया है वो दो सौ यूनिट के बाद बची रकम का भुगतान करना चाहते थे. लोगों की भीड़ बढ़ती गई और सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष अपनी-अपनी समस्या को लेकर कतार में खड़े हो गए, लेकिन भीड़ देखकर विभागीय कर्मी वहां पहुंचे ही नहीं थे. यह देखकर हो हंगामा होने लगा. काफी मशक्कत के बाद मामले को नियंत्रित किया जा सका.

घाटे वाली खदान को चलाने का कोई औचित्य नहीं : जीएम

कथारा। सीसीएल कथारा क्षेत्र के कथारा आफिसर्स कल्ब में गुरुवार को सीसीएल कथारा प्रबंधन और सलाहकार समिति सदस्यों की एक अहम बैठक किया गया. दरअसल बैठक गोविंदपुर भूमिगत खदान व जारंगडीह खुली खदान में हो रही उत्पादन उत्पादकता के मुद्दों को लेकर किया गया. बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक संजय कुमार व संचालन एसओपी जयंत कुमार ने की. महाप्रबंधक संजय कुमार ने सर्वप्रथम गोविंदपुर भूमिगत खदान व जारंगडीह परियोजना के अलावे कथारा क्षेत्र के सभी परियोजनाओं का स्थिति तथा होने वाले लाभ व हानि की जानकारी विस्तृत रूप से दी. साथ ही कहा कि कथारा क्षेत्र के बंद भूमिगत खदान तो घाटे मे है ही लेकिन गोविंदपुर भूमिगत खदान चलने के बाबजूद वित्तीय चालू वर्ष में लगभग 37 करोड़ का नुकसान हुआ है और 85 हजार रूपया प्रति टन नुकसान हो रहा है, ऐसे हालत में उक्त खदान चलाने का कोई औचित्य नहीं है. साथ ही उन्होंने कहा कि परियोजना सुचारू रूप से चले और वेलफेयर का कार्य क्षेत्र में हो यह मेरी उद्देश्य है. आगे उन्होंने कहा कि जहां समस्या है वही समाधान है पर जरूरत है कार्य करने की.

पीरटांड प्रखंड परिसर में पौधरोपण

पीरटांड (गिरिडीह)। पीरटांड़ प्रखंड मुख्यालय परिसर में गुरुवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान पीरटांड़ बीडीओ मनोज कुमार मरांडी, सीओ ऋषिकेश मरांडी ने आम एवं महगुणी का पौधा लगाया. इस दौरान बीडीओ ने बताया कि प्रखंड मुख्यालय के मेन गेट से लेकर पीरटांड़ हॉस्पिटल तक कई पौधे लगाए गए. जिसमें आम, कटहल, महगुणी, सखुआ, पीपल, नीम आदि पौधे शामिल हैं. इस दौरान बीडीओ ने कहा कि जैसे पौधा हमारा ख्याल रखता है, उसी तरह हम सब को भी इसका ख्याल रखना होगा. इस दौरान सचिन कुमार, पीयूष कुमार, दिनेश कुमार, कुमार रजक आदि उपस्थित थे.

कांग्रेसियों ने किया प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

बोकारो। धनबाद संवाद सम्मेलन में शामिल होने जा रहे झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नव नियुक्त अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का गुरुवार को बालीडीह टोल प्लाजा पर कांग्रेसियों ने भव्य स्वागत किया. स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस सचिव निज़ाम अंसारी ने किया. इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल था. प्रदेश अध्यक्ष के साथ काफिले में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अभिलाष साहू एवं प्रवक्ता परवेज़ आलम भी शामिल थे. इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कांग्रेस के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया. स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेश सिंह, बैद्यनाथ जायसवाल, रवि झा, ध्रुव कुमार, लेखरा मांझी, रवि प्रजापति, जगदीश यादव, फसी रहमान, प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के मीडिया प्रभारी कैशफ़ राजा, गुलाम हसन, अजीम अंसारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

जीपीएस में आयोजित काव्य स्पंदन में बही काव्य बयार

संवाददाता। बोकारो

गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कालेज, बोकारो में शानदार कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ. जिसमें काव्य-स्पंदन ग्रूप के मंचीय कवि रीना यादव बोकारो, सरोज झा झारखंडी रामगढ, नितेश मिश्र रांची व अनंत महेंद्र धनबाद ने अपना कविता-पाठ प्रस्तुत किया. सम्मेलन के मुख्य अतिथि बी. एस. एल. के डी. जी. एम. पवन यादव रहे. कवि सम्मेलन का शुभारंभ दीप-प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना व पुष्पार्पण से हुआ. संस्थान सचिव सुरेंद्र पाल सिंह विशेष अतिथी रहे. अतिथियों का स्वागत पुष्प-गुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं शाल से किया गया तथा मानदेय दिया गया. आमंत्रित कवियों से अतिरिक्त, छात्रों में स्नेहा रतन, पलक ने अपनी मौलिक कविताओं का पाठ किया. काव्य-स्पंदन ग्रूप ने कालेज निदेशक डा. प्रियदर्शी जरुहार को साहित्य सेवा के लिये प्रशस्ति फलक प्रदान किया. मंच का संचालन स्नेहा रतन और पलक ने किया. डा. ए. पी. बर्णवाल, प्रो. कृतिका चौधरी, प्रो. सुमीत पांडे, प्रो. अपूर्बा सिन्हा, आनंद जायस्वाल, सुश्री पूजा हाजरा व अन्य ने योगदान दिया. संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह ने बधाई व शुभकामनाएं दीं.

बेरमो विधानसभा में शांतिपूर्ण ढंग से राय शुमारी संपन्न

राय शुमारी में रविन्द्र, प्रकाश व बाटुल आगे, कुल 453 मत गिरे

संवाददाता। बोकारो

आगामी बेरमो विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार को भाजपा पार्टी द्वारा आहुत संभावित प्रत्याशी के लिए रायशुमारी शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई. इस राय शुमारी में बतौर पर्यवेक्षक गोड्डा विधायक अमित मंडल उपस्थित थे.

इस राय शुमारी में बेरमो विधानसभा अंतर्गत चंद्रापुरा, अंगबाली, फुसरो, बेरमो व जरीडीह मंडल सहित जिला भाजपा के पदाधिकारियों ने अपना मंतव्य दिया. जिसमें कुल 453 मत गिरे. इसमें चुद्रपरा में 69, अंगबाली में 64, फुसरो में 78, बेरमो में 117 व जरीडीह में 125 मत पड़े.

रूझानों के अनुसार पूर्व गिरिडीह सांसद रविन्द्र कुमार पांडे, पूर्व बेरमो विधायक योगेश्वर महतो बाटुल व भाजपा कार्यकर्ता प्रकाश सिंह को तीन डिजिट में मत प्राप्त करने की संभावना जताई जा रही है.

वहीं इन तीनों में से किसी को भी पांचों मंडल में एक तरफा बढ़त मिलने की रुझान नहीं दिखी.

अन्य संभावित नामों में लक्ष्मण नायक, गिरिजा देवी, मनोज ठाकुर, अर्जुन सिंह, भरत यादव सहित दर्जनों को दो डिजिट में मत मिलने की बात कही जा रही है. प्रदेश भाजपा मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार पार्टी के आंतरिक सर्वे में बेरमो विधानसभा की जनता नये चेहरे के पक्ष में दिख रही है.

अब देखना यह है कि प्रदेश और शीर्ष नेतृत्व किसे बेरमो चुनावी दंगल में अपना प्रत्याशी बनकर विधानसभा में कमल खिलाने को भेजती है.

सीपीआईएम ने बैंक प्रबंधक से की वार्ता

कसमार (बोकारो)। सीपीआईएम कसमार का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को बैंक ऑफ इंडिया कसमार ब्रांच के प्रबंधक से दस सूत्री मांगों पर वार्ता किया. इस दौरान माकपा जिला कमिटी सदस्य सह कसमार लोकल कमिटी सचिव शकुर अंसारी मुख्य रूप से मौजूद थे. शकुर अंसारी ने बताया कि वार्ता में शाखा प्रबंधक ने बताया कि एक ग्राहक का केवाईसी में चार दिन समय लगता है. बैंक एक दिन में 15 से 20 ग्राहक का केवाईसी कर पाता है. उन्होंने बताया है कि अगर वरीय पदाधिकारी सहयोग करेंगें तो यह संख्या बढ़ सकती है. उन्होंने बताया कि एसबीआई में अंगूठा से केवाईसी होता है. हमारे यहां यदि ये सिस्टम लागू होगा तो समस्या दूर हो जाएगा. इस दौरान शाखा में पेयजल की व्यवस्था करने, लंच टाइम 30 मिनट करने, स्टाफ द्वारा ग्राहक से डांट फटकार या गलत व्यवहार नहीं करने, आम ग्राहक की समस्या को तत्काल दूर करने की सहमति बनी. प्रबंधक ने बताया कि हमारे ब्रांच में 65 हजार खाता धारक हैं.

कोयला व लोहा चोरी पर अंकुश लगाने को लेकर सीसीएल प्रबंधन गंभीर

तीन थाना प्रभारियों की उपस्थिति में बैठक

खास बातें

- चोरी रोकने के लिए जल्द होगी बड़ी कारवाई
- अवैध बिजली कनेक्शन काटने पर बनी सहमति

संवाददाता। कथारा

बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र अंतर्गत सीसीएल कथारा क्षेत्र के ऑफिसर्स क्लब में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कोयला और लोहे की चोरी को रोकने के उपायों पर चर्चा हुई. इस बैठक की अध्यक्षता कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार ने की. बैठक में बोकारो थर्मल, कथारा ओपी और गोमिया थाना के थाना प्रभारी, पदाधिकारी, कथारा क्षेत्र के सभी विभागाध्यक्ष, परियोजना पदाधिकारी, साइडिंग इंचार्ज, डिस्पैच अधिकारी और सुरक्षा प्रभारी उपस्थित थे.

बैठक के दौरान कोयला चोरी को रोकने के ठोस कदमों पर विचार-विमर्श किया गया. सभी ने साप्ताहिक औचक छापेमारी करने और अवैध रूप से बिजली का उपयोग करने वालों के कनेक्शन काटने पर सहमति जताई.

इसके अलावा, सभी परियोजनाओं में सीसीटीवी उपकरणों को दुरुस्त करने पर भी चर्चा हुई.

सुरक्षा से संबंधित समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान के लिए निर्णय लिए गए.

महाप्रबंधक श्री कुमार ने बताया कि कोयले की चोरी से न केवल उत्पादन प्रभावित होता है, बल्कि इसमें लिप्त चोरों की जान को भी खतरा रहता है. उन्होंने हाल ही में जारंगडीह परियोजना में कोयले की चोरी पकड़ने के लिए बोकारो थर्मल थाना प्रभारी और सीपीपी प्लांट में लोहे की चोरी को रोकने के लिए कथारा ओपी थाना प्रभारी का आभार व्यक्त किया.

मरीजों के इंसाफ का सवाल

सर्वोच्च अदालत के आदेश के बावजूद ड्यूटी पर बहाली को लेकर आरजी कर अस्पताल के प्रदर्शनकारी रेजिडेंट डॉक्टरों और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है. डॉक्टरों ने राज्य सरकार के साथ बातचीत के लिए नई शर्तें रखीं. पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पूछा कि रेजिडेंट डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के लिए न्याय चाहते हैं या राजनीति प्रेरित अभियान चलाना. बंगाल सरकार ने बिना शर्त वार्ता की पेशकश की है. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है. राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है. निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है. लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता. यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते. पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है. ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए. उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था. लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया. एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है. सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है. असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है. लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है. राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए. निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता. साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा. निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए.

सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है. असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है. लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है.

सुभाषित

उपार्जितानां वित्तानां त्याग एव हि रक्षणम् ।
तडागोदरसंस्थानां परीवाह इवाम्भसाम् ।।

कमाए हुए धन का त्याग करने से ही उसका रक्षण होता है. जैसे तालब का पानी बहते रहने से साफ रहता है. संत कवि कबीरदास ने कहा है, जो जल बाढ़ नाव में घर में बाढ़े दाम, दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम. यानी नाव में पानी बढ़ जाये और घर में धन बढ़ जाये तो दोनों हाथों से उसे उलीच देना चाहिए.

इहलौकिकता और सर्वधर्म समभाव

सच्चे अर्थों में इहलौकिक या सेक्युलर वह होता है, जो किसी पारलौकिक सत्ता में यकीन नहीं करता. पुराने जमाने में भी ऐसे लोग थे, जो किसी कर्तृवाद में यकीन नहीं करते थे. उनके पास साक्ष्य कम, अनुमान और तर्क अधिक थे. भारत में इसे लोकायत पंथ कहते थे. लोकायत मत के लोग ईश्वर की उपेक्षा कर के जीवन और जगत पर विचार करते रहे हैं. विज्ञान के व्यवस्थित अध्ययन ने जगत और जीवों के विकास की एक वैज्ञानिक अवधारणा और उसके समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत किये.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

आम तौर पर धर्मनिरपेक्षता, इहलौकिकता और सर्वधर्मसमभाव को एक ही चीज माना जाता रहा है. यह धारणा सबसे अधिक गांधीवादियों ने विकसित की. भारत का संविधान स्टेट को सेक्युलर अथवा इहलौकिक घोषित करता है. संविधानसभा ने इस पर ही अपनी मुहर लगाई थी, लेकिन कांग्रेस के अधिकांश नेता सर्वधर्मसमभाव में यकीन करते थे, सेकुलरवाद में नहीं. गांधी इसके अगुआ थे. यह भी सच्चाई है कि बड़ी संख्या में वहां इहलौकिक-धर्मनिरपेक्ष तबीयत के लोग भी थे. जवाहरलाल नेहरू और सुभाष बोस जैसे लोग साइंटीफिक टेंपर और स्टेट की धर्म से निरपेक्षता में यकीन करते थे. कांग्रेस की छतरी से बाहर काम करने वाले भगत सिंह भी इसी विश्वास के थे. दलित प्रश्न पर सक्रिय डॉ अम्बेडकर तनिक भिन्न तबीयत के थे. मनुष्य के लिए वह धर्म की जरूरत समझते थे, किन्तु उनका धर्म ईश्वरनिरपेक्ष और वैज्ञानिक चेतना से संपन्न था. यह विचार धर्म की प्रचलित अवधारणा से भिन्न है. इसके लिए उन्होंने पुराने बौद्ध धर्म को कुछेक संशोधनों के साथ स्वीकार किया था. उनकी धर्म-क्रांति एक दिलचस्प विषय है, जिस पर उस तरह चर्चा नहीं हुई, जैसी होनी चाहिए थी.

सच्चे अर्थों में इहलौकिक या सेक्युलर वह होता है, जो किसी पारलौकिक सत्ता में यकीन नहीं करता. पुराने जमाने में भी ऐसे लोग थे, जो किसी कर्तृवाद में यकीन नहीं करते थे. उनके पास साक्ष्य कम, अनुमान और तर्क अधिक थे. भारत में इसे लोकायत पंथ कहते थे. लोकायत मत के लोग ईश्वर की उपेक्षा कर के जीवन और जगत पर विचार करते रहे हैं. विज्ञान के व्यवस्थित अध्ययन ने जगत और जीवों के विकास की एक वैज्ञानिक अवधारणा और उसके समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत किये. इस तरह इहलौकिकता के विश्वास को वैज्ञानिक आधार मिल गया. जो प्रकृति और जीवों के विकासवादी सिद्धांत की जगह किसी सृष्टिकर्ता के होने में विश्वास करता है, वह इहलौकिक अथवा सेक्युलर नहीं हो सकता. बौद्ध और जैन मत को छोड़ कर दुनिया के प्रायः सभी संस्थागत धर्म-मजहब किसी न किसी तरह के कर्तृवाद में यकीन करते हैं. सेमिटिक या इब्राहिमी धर्म तो ईश्वर को जगत से पृथक अवस्थित बताते हैं. भारत के सनातनी मत में द्वैत के साथ एकात्म या अद्वैत की भी अवधारणा है जिसके अनुसार ईश्वर और जीव अलग नहीं, एक साथ है. इस्लामी सूफीवाद में इस अवधारणा को अनलहक कहा जाता है, जो इस्लाम की मूल अवधारणा के अनुसार गलत है. इस तरह धर्म-मजहब ईश्वर के विचार से इतना गुत्थम-गुत्थ हो गया कि इहलौकिकता और सर्वधर्मसमभाव को एक ही अर्थ में रखना मुश्किल हो गया. आधुनिकता और लोकतांत्रिक विश्वासों ने जब राजनीतिक सक्रियता को प्रभावित किया, तो वहां धर्म और उससे समाज की निरपेक्षता के विचार सामने आये. राजनीति में इसका अर्थ हुआ स्टेट का किसी मजहब से अलग होना. यह ख्याल धीरे- धीरे विकसित हुआ. दुनिया के विभिन्न हिस्सों में यह अपने हिसाब से हुआ. हमारे देश में भी. अंग्रेजों के भारत में राजनीतिक स्तर पर मजबूत होने के साथ यहां की रजवाड़ी-सामंती राजनीतिक व्यवस्था कमजोर हुई. ब्रिटिश संसदीय लोकतंत्र किसी न किसी रूप में यहां चर्चित हुआ. 1947 तक भारत का दो तिहाई क्षेत्र ब्रिटिश कॉलोनी था, तो एक तिहाई देशी रजवाड़ी व्यवस्था के तहत था. कश्मीर, हैदराबाद, ग्वालियर, जूनागढ़ जैसी दर्जनों बड़ी रियासतें तो थीं ही, सैंकड़ों छोटी रियासतें भी थीं. जैसे राजस्थान का लगभग नब्बे फीसद हिस्सा इन छोटी रियासतों से भरा था. इन तमाम देशी रियासतों में सामाजिक पिछड़ापन बना रहा और लोकतांत्रिक आधुनिक गतिविधियां सुस्त रहीं. इसका प्रभाव आज भी देखा जा सकता है.

यूरोप में धर्मनिरपेक्षता और इहलौकिकता के विचार अधिक तेजी से फैल रहे थे. जैसा पहले बतलाया कम से कम राजसत्ता को धर्मनिरपेक्ष रखने का आग्रह तो मजबूत होता जा ही रहा था. पोप और चर्च की ताकत सिमट रही थी. प्रथम विश्वयुद्ध के साथ जब उस्मानिया राज का अंत हुआ तब एक मुस्लिम देश तुर्की में भी एक सामाजिक क्रांति हुई और एक धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक व्यक्तित्व अतातुर्क कमाल पाशा का अभ्युदय हुआ. भारत की परेशानी यह रही कि इसी वक्त खिलाफत आंदोलन आरम्भ हो गया, जो उस्मानिया राज और खिलाफत के समर्थन में था. गांधी इसका नेतृत्व कर रहे थे. खिलाफत के समर्थन में हजारों कट्टर मुसलमान ब्रिटिश राज को शत्रु भूमि मान कर इस से बाहर (हिजरत पर) चले गए. ऐसे लोगों को मुजाहिर कहा जाता है. लगभग बीस हजार मुजाहिर इस क्रम में मरे. कमाल तो यह था कि इन्हीं धर्मांध मुजाहिरों में से तीन (सफीक सिद्धकी, अहमद हसन और शौकत उस्मानी) ताशकन्द में गठित (1920) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक भी बने. ऐसे में जहां राष्ट्रीय और वाम आंदोलन शुरू से ही विचार के स्तर पर दिग्भ्रमित रहा, वहां दूसरी गतिविधियां कितना सेकुलर हो सकती थीं. आधुनिकता के वैश्विक प्रभाव में हमारा संविधान जरूर सेकुलर हुआ, लेकिन साइंटीफिक टेंपर को वहां व्यवस्थित करना संभव नहीं हुआ. व्यवहार में (आंशिक तौर पर ही सही) सर्वधर्मसमभाव ही स्वीकार हुआ.

धर्मनिरपेक्षता और इहलौकिकता पर व्यापक विमर्श आज भी हमारी सामाजिक-राजनीतिक जरूरत है. नयी पीढ़ी को तो इसमें रुचि लेनी ही चाहिए. पुरानी धार्मिक मान्यताओं (इस में सभी धर्मों को रखा जाना चाहिए) के साथ हम भविष्य की यात्रा नहीं कर सकते. मनुष्य जाति को धर्म और आध्यात्म की जरूरत होगी. लेकिन

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

ताकि जीवन व्यर्थ न हो

जीवन व्यर्थ के काम करने के लिए नहीं बल्कि सार्थक काम करने के लिए मिलता है. सकारात्मक कार्य करने के बजाय निंदा जैसे नकारात्मक कार्य से पाप नहीं तो और क्या होगा? जिह्वा को रसना भी कहते हैं. जिह्वा नाना पदार्थों का रस लेती है. लेकिन इसे कभी तृप्ति नहीं मिलती. यह रस ढूढ़ती रहती है. निंदा रूपी रस से भी इसकी तृप्ति नहीं होती. वास्तव में इसे राम नाम रुपी रस चाहिए होता है. राम नाम रुपी रस छककर पी ले तो फिर अन्य रस या निंदा रस इसके लिए बेरस हो जाता है. जिह्वा को राम नाम रुपी रस पिलाने जैसा सार्थक और सकारात्मक कार्य और क्या हो सकता है ? निंदा रस में गोते लगाकर लोग राम नाम रुपी रस से बंचित रहते हैं. और उनका समय इसी में जाया होता रहता है कि अब किससे और कैसे और किसके बारे में क्या कहें ? निंदा करने से नकारात्मक सोच बढ़ती जाती है. इससे मन और मस्तिष्क प्रभावित होता है. विकास अवरुद्ध होता है. जिसकी निंदा की जाती है, उसका पाप निंदा करने वाल प्राप्त करता रहता है. गोस्वामी जी ने सारगर्भित बात कही है- अघ कि पिसुनता सम कोई आना. पिशुनता का आशय हुआ चुगली करना. क्या चुगली करने के समान दूसरा कोई पाप है? मतलब चुगली करना बड़ा पाप होता है. इसलिए हमें चुगली नहीं करनी चाहिए. चुगली से भी परपीड़ा होती है. चुगली से झगड़ा, क्लेश, टकराव आदि पैदा हो जाते हैं. लोगों में अलगाव हो जाता है. जबकि हमें मिलजुल कर रहना चाहिए. इस कारण से भी यह पाप हुआ. चुगली से बड़े-बड़े अनर्थ हो जाते हैं. चुगली तो पति-पत्नी को भी अलग करा सकती है. फिर इसके समान और पाप क्या हो सकता है? गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज एक ऐसा देश-समाज चाहते थे जिसमें सभी लोग सकारात्मक काम करें. निर्माणकारी कार्य करें. जिससे देश समाज का उत्थान हो. सकारात्मक काम करने के लिए सकारात्मक सोच चाहिए. जो चुगली और पर निंदा से नहीं आएगी. जब लोग एक दूसरे से लड़ते रहेंगे, क्लेश, झगड़ा-लड़ाई, मार-काट, परपीड़ा आदि व्याप्त रहेंगी तो क्या होगा? जब हम अच्छा सोचेंगे. तभी अच्छा करेंगे. अच्छा करेंगे तो देश-समाज में तरक्की होगी. खुशुहाली आएगी. सब लोग एक दूसरे की मदद करेंगे तो प्रेम बढ़ेगा. कोई किसी को पीड़ा नहीं देगा तो सुख-शांति रहेगी.

इंसानी बुद्धिमत्ता बेहतरी का पूरक

• एआई

मुकुल व्यास

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंसानी बुद्धिमत्ता का पूरक बन कर लोगों के जीने और काम करने के तरीकों को बेहतर बनाने के अवसर प्रदान करती है. अपने व्यापक अनुप्रयोगों के साथ, एआई और मशीन लर्निंग हमारे जीवन के लगभग सभी तकनीकी पहलुओं में मौजूद हैं. वृहद स्तर पर देखें तो एआई और मशीन लर्निंग ने कृषि, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव डाला है. आज पूरी दुनिया में एआई हावी है. इस क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए भविष्य भी एआई का ही होगा. भारत को इस क्षेत्र की अपार क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए अभी बहुत कुछ करना है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की असीम संभावनाओं, हजारों एआई स्टार्टअप्स और देश में प्रौद्योगिकी प्रतिभाओं के विशाल भंडार को लेकर तमाम उत्साह के बावजूद, भारत एआई अनुसंधान में अमेरिका और चीन से बहुत पीछे है. अग्रणी शिक्षाविद इसके लिए फंडिंग की कमी और शोध के लिए बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराते हैं. एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 प्रतिशत है. अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 प्रतिशत और 22.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं. अध्ययन में यह भी कहा गया है कि भारत को पांच साल में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी पाने और विश्व स्तरीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एआई अनुसंधान को कम से कम 40 प्रतिशत प्रति वर्ष बढ़ाने की आवश्यकता है. अध्ययन में यह भी पता चला है कि भारत की एआई वृद्धि दर 15.5 प्रतिशत है, जो एशियाई टाइगर इकॉनमी वाले देशों में देखी गई 20 प्रतिशत प्लस वृद्धि दर से काफी कम है. संयुक्त राज्य अमेरिका की वृद्धि दर अग्रणी देशों में सबसे कम है, जिसका मुख्य कारण इसका पहले से ही पर्याप्त योगदान आकार है. चीन 29.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का दावा करता है, हांगकांग 23.6 प्रतिशत हासिल करता है, जबकि दक्षिण कोरिया 29.3 प्रतिशत का प्रभावशाली प्रदर्शन करता है. दरअसल, अध्ययन से एआई सम्मेलनों में भारत के विभिन्न संस्थानों द्वारा किए गए योगदान का भी पता चलता है. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरू और आईआईटी मुंबई कुल भारतीय योगदान का क्रमशः 15.6 प्रतिशत और 10.3 प्रतिशत योगदान देकर सबसे आगे हैं. 2018 से 2023 तक इन सम्मेलनों में भारत के एआई योगदान के 70 प्रतिशत के लिए आठ संस्थान जिम्मेदार हैं. इनमें आईआईएससी के अलावा सात आईआईटी शामिल हैं. रिपोर्ट में इन संसाधनों को एआई लीडर्स बताया गया है. इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में 'एआई राइजिंग स्टार्स' के एक समूह की पहचान की गई है, जिनकी वृद्धि दर पिछले दशक में 15 प्रतिशत से अधिक हो गई है और अगले पांच वर्षों में उनके द्वारा उल्लेखनीय रूप से योगदान दिए जाने की उम्मीद है. ये उभरते संस्थान हैं आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी जोधपुर, डीटीयू, आईएसआई कोलकाता, आईआईटी रुड़की और आईआईटी पटना. अध्ययन में एआई के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने के लिए शीर्ष 20 भारतीय संस्थानों और अमेरिका, यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया के विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के निर्माण की वकालत की गई है. आईआईटी कानपुर के न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के साथ मौजूदा सफल कार्यक्रम को ऐसी पहलों के लिए एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है. एक अच्छी बात यह है कि भारत सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन के लिए 10372 करोड़ मंजूर किए हैं. यह धनराशि अगले पांच वर्षों के दौरान खर्च की जाएगी. सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उच्च प्रदर्शन वाले ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की खरीद सहित एआई के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 में 551.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. उम्मीद की जानी चाहिए कि मिशन के लिए आवंटित राशि का सदुपयोग भारत में एक मजबूत एआई कम्प्यूटिंग बुनियादी ढांचा निर्मित करने के लिए किया जाएगा. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 % है. अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 % और 22.8 % हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं.

मणिपुर : आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां

• सामयिकी

बीएल वोहरा

मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है. इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रिय उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा. जहां इन ड्रोनों का इस्तेमाल ज्यादातर हमास और हिजबुल्लाह जैसे अत्यधिक संगठित उग्रवादी समूहों द्वारा इस्राइल के खिलाफ किया जाता है, वहीं इस्राइल, रूस और यूक्रेन जैसे देशों की सेना भी युद्धों में करती आई हैं, लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं. मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, ये सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं. या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है. हालांकि, केंद्र सरकार के पास इस खतरे का मुकाबला करने के लिए तमाम संसाधन हैं. सेना, असम राइफल्स और भारतीय वायु सेना को तुरंत एकीकृत अभियान से इस नए खतरे पर लगाम लगानी चाहिए. उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी. लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है. राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा. आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी. कुकी उग्रवादी हाल के हमलों को अंजाम देने में इसलिए सक्षम हुए हैं, क्योंकि उन्हें नशा माफिया से भारी मदद मिलती है, जो पिछले साल से मणिपुर में चल रही उथल-पुथल के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं. चूड़ाचांदपुर और आसपास के इलाकों में अफीम की खेती में उछाल आया है जो कि मुख्य रूप से कुकी करते हैं- क्योंकि म्यांमार में सेना द्वारा बढ़ाए दबाव के कारण उनके रिश्तेदारों की मणिपुर में आमद हुई है. मणिपुर तस्करी के लिए कुख्यात 'गोल्डन ट्राइंगल' के छोर पर स्थित है और इस कारोबार का रास्ता भारत एवं अन्य देशों के लिए यहीं से होकर गुजरता है. इसलिए, नशा माफिया मणिपुर पर संपूर्ण नियंत्रण चाहता है. कुकियों की गतिविधियों की वित्तीय सहायता करने को उनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है. पिछले वर्ष मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह आदेश, जिसमें राज्य सरकार से मैतेयियों के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने और आगे यह सिफारिश केंद्र सरकार को पहुंचाने के लिए कहा गया था, इसका उपयोग जान-बूझकर अर्थ गलत पेश करके कुकी-मैतेयी के बीच संघर्ष की चिंगारी भड़काने में किया गया.कुकी अब न केवल एक अलग राज्य चाहते हैं, बल्कि एक अलग देश, 'कुकीलैंड' चाहते हैं, इसमें वे संपूर्ण पूर्वोत्तर और बांग्लादेश का कुछ इलाका बताते हैं. दूसरी ओर, नागा लोग भी अपने लिए अलग राष्ट्र के रूप 'ग्रेटर नागालैंड' बनाना चाहते हैं, जिसमें मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के कुछ हिस्से दर्शाते हैं. फिर, असम का 'उल्फा' (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) भी यही कुछ चाहता है. चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान अपने हितों की पूर्ति हेतु इन टकरावों को हवा दे रहे हैं. चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहा है. गौरतलब है कि 1962 में चीन ने भारत पर दो तरफ से हमला किया था–एक था, नॉर्थईस्ट फ्रंटियर एजेंसी इलाके में (जिसमें फिलहाल अरुणाचल प्रदेश और असम के कुछ हिस्से हैं) और दूसरा मोर्चा लद्दाख क्षेत्र के आसपास खोला था. जिस वक्त पाकिस्तान वजूद में आ रहा था, तब भी कुछ मुस्लिम नेताओं की मांग थी कि पूर्वोत्तर पूर्वी पाकिस्तान में शामिल किया जाए. उनके मुताबिक असम इस नए देश का 'नैसर्गिक विस्तार'है. यह विचार अभी भी बांग्लादेश में कहीं न कहीं जिंदा है. मणिपुर में बिगड़ते हालात- जिसने न केवल राज्य के निवासियों बल्कि पूरे देश के लोगों को परेशान कर रखा है, चिंता का विषय है. अन्य देश अवश्य ही भारत के घटनाक्रम पर नज़र रखे हुए होंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी. लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है. राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा. आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी.

मीडिया में अन्यत्र

लोक लेखा : नवगठित लोक लेखा समिति

बीते एक दशक से सामान्य बहुमत से ज़्यादा सीटों के साथ संसद पर काबिज केंद्र सरकार ने संसदीय जिम्मेदारी की सार्थकता से लगातार कन्नी काटती रही. हालांकि, अब गठबंधन के साथ बीजेपी केंद्र की सत्ता में है और काफी हद तक उसकी निर्भरता अपने सहयोगी दलों के ऊपर है. साथ ही, विपक्ष भी पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत है. बदले हुए हालात ने कार्यपालिका के काम-काज पर संसदीय निगहबानी का एक अवसर तैयार किया है. ताजा-ताजा गठित हुई लोक लेखा समिति (पीएसी) की सक्रिय शुरुआत इसकी बानगी है. इसने 2 सितंबर को अपने कार्यकाल के दौरान विचार-विमर्श के लिए चुने गए 161 विषयों की सूची जारी की, जिसमें से ज्यादातर विषय सीएजी की रिपोर्ट पर आधारित हैं. पैनल ने पांच विषयों को स्वतः संज्ञान लेते हुए चुना है- बैंकिंग और बीमा क्षेत्रों में सुधार, केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा, ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव के लिए चल रहे नीतिगत उपाय, संसद के अधिनियमों द्वारा स्थापित नियामक निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और अन्य सार्वजनिक उपयोगिताओं पर शुल्क, टैरिफ, उपयोगकर्ता शुल्क की वसूली और विनियमन. कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता वाली पीएसी ने उस नियम का इस्तेमाल किया है जिसमें यह साफ तौर पर बताया गया है कि इसके काम-काज का दायरा 'खर्च की औपचारिकता से परे, इसकी बुद्धिमत्ता, निष्ठा और मितव्ययिता' तक जा सकता है. इस नियम का इस्तेमाल कभी-कभार ही हुआ है और हुआ भी है तो अक्सर राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए. हालांकि, पीएसी ने जो विषय चुने हैं उनके भी राजनीतिक निहितार्थ हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इन विषयों से जनहित का बड़ा मुद्दा जुड़ा हुआ है.इस संवैधानिक समिति की मूल कल्पना यही है कि देश के वित्त को भारतीय संसद नियंत्रित करती है. कोई भी कर कानून पारित करके ही लगाया जा सकता है. सरकार को अपने सभी खर्चों के लिए विनियोग विधेयक पेश करके संसद से पहले ही मंजूरी लेनी होती है. सीएजी एक संवैधानिक निकाय है, जो सरकार के सभी विभागों के वित्तीय कामकाज की जांच और उसकी ऑडिट करता है. इसकी सभी रिपोर्ट पीएसी को भेजी जाती है, जो सबसे पुराने और सबसे महत्वपूर्ण संसदीय पैनलों में से एक है. अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर डालने वाले लोगों और योजनाओं को चुनने के सरकारी तौर-तरीकों पर हाल के वर्षों में 'क्रोनी कैपटलिज्म' के कई गंभीर आरोप लगे हैं. सरकार ने सेबी की अध्यक्ष माधबी पी. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

संधि/समास

दो शब्द जब आपसी भेदभाव भूल कर एक साथ चल पड़ते हैं तो जो जोड़ी बनती है, वह संधि या समास कहलाती है. शब्दकोशों में इन दोनों को एक दूसरे का समानार्थी माना गया है. शब्दकोशों के अनुसार संधि का मतलब है मिलना, जुड़ना, मेल, संयोग, ऐसा स्थान जहां अनेक चीजें आपस में जुड़ी हों, जोड़, जहां कई हड्डियां आपस में जुड़ी हों, गांठ, ज्वाइंट, खाली जगह, अवकाश, दरार, दोस्ती, मित्रता, भेद रहस्य. इसी प्रकार समास का अर्थ है योग, मिलाप, मेल, युति, संधि, व्याकरण के अनुसार दो या अधिक पदों को मिलाकर एक शब्द बनाना, शब्द संयोजन, समर्थन, संग्रह, संक्षिप्त करना. मुख्य समानता यह है कि दोनों जोड़ने का भाव रखते हैं. अब अंतर पर नजर डालते हैं. संधि का शाब्दिक अर्थ– 'मेल' है, जबकि समास का शाब्दिक अर्थ– 'संक्षेपण' है. संधि में वर्णों का योग होता है, जबकि समास में पदों का. संधि में जिन शब्दों का योग होता है, उसका मूल अर्थ परिवर्तित नहीं होता, जबकि समास में बने शब्दों का मूल अर्थ परिवर्तित हो जाता है. संधि में वर्णों का अतिशय सामीप्य होता है, जबकि समास में पद सामीप्य होने पर भी पदों में परस्पर अन्वय की इच्छा बनी रहती है. संधि में दो वर्णों के मेल से विकार की संभावना रहती है, जबकि समास में दो पदों के मेल से उनमें संयोजक चिह्न ही लुप्त हो जाता है. संधि में विभक्ति या शब्द का लोप नहीं होता, जबकि समास में विभक्ति या पद का लोप हो सकता है. समास में जब समस्त पद बनते हैं तो उसमें विभक्ति चिह्न या अन्य पद लुप्त हो जाते हैं, इसके विपरीत संधि में वर्णों का रूप परिवर्तन होता है. संधि केवल तत्सम पदों में होती है, जबकि समास संस्कृत, हिंदी एवं उर्दू सभी पदों में होता है. समास होने पर संधि अवश्य होती है, जबकि संधि होने पर समास का होना अनिवार्य नहीं है. समास में पूरे शब्द या वर्ण का लोप होता है, जबकि संधि में एक मात्रा या व्यञ्जन का लोप होता है.

जितने रंग के जूते, उतने रंग के फीते

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

फीतों के रंग जूतों के हिसाब से बदलते रहते हैं. काले जूतों में काला फीता ही फबता है. ब्राउन जूते में ब्राउन फीता ही डाला जाता है. किरमिच के स्पोर्ट्स जूते प्रायः सफ़ेद और पीले रंग के होते हैं, उनमें ज़ाहिर है क्रमशः सफ़ेद और पीले फीते पड़ते हैं. किस्सा कोताह, जिस रंग का जूता उसी रंग का फीता. असल बात मैचिंग की है. जूते और फीते की यह मैचिंग साड़ी के फ़ाल की तरह कठिन तो नहीं होती, लेकिन उसी की तरह ज़रूरी तो होती ही है. दफ्तर के लिए मैं तैयार हो रहा था. जैसे ही जूता कसने लगा की फीता टूट गया. मुझे बड़ा ताज्जुब हुआ कि मुझमें इतनी ताकत कहां से आ गई कि वह जूते के फीते जैसी मज़बूत चीज़ तोड़ दे. मरता क्या न करता, फटे-पुराने ब्राउन जूतों में से ब्राउन रंग का एक फीता निकाला गया और उसी को काले जूते में पिरो कर काम चलाया गया. दफ्तर में खूब भद्द उडी. काले जूते में ब्राउन फीता, वाह! क्या 'मैच' है! कितनी दादागीरी है. आप चाहें इसे ज़बरदस्ती कहें या फीताशाही. लेकिन है तो है! फीते के रंग तो तरह तरह के होते ही हैं, काम के हिसाब से उसके कई प्रकार हैं. अभी हमने जूते के फीतों की बात की, लेकिन गोटे-किनारों की तरह कपड़ों के हाशिए पर लगने वाले सूत या रेशम की पतली पट्टी के रूप में भी फीते ही होते हैं. और निवाड़ की वह पतली धज्जी भी फीता ही होती है, जिससे फाइलें, बांधी जाती हैं. वह दफ्तर ही क्या जिसमें फाइलें न हों और वो फाइल ही क्या जो फीते से न बंधी हो. फाइलों के फीते अधिकतर लाल रंग के होते हैं. ये लाल रंग के क्यों होते हैं, ये आजतक किसी को पता नहीं चला. इस पर रिसर्च होनी चाहिए. वे यदि लाल रंग के न भी हों तो भी उन्हें लाल रंग का ही माना जाता है – फाइलों के फीतों के लाल रंग का इतना आतंक है ! इसीलिए तो इसे 'लाल फीताशाही' नाम से नवाज़ा गया है. लाल रंग, जैसा कि आप सभी जानते हैं, एक उभयमुखी, क्या कहते हैं उसे अंग्रेज़ी में, 'अम्बीवलेंट', रंग है – एक साथ प्रेम का प्रतीक भी है और आतंक का द्योतक भी है. लाल फीते वाली फाइलें दफ्तर को बड़ी प्रिय होती हैं, वे बाबुओं को "प्रसन्न" कर देती हैं. उनमें यह ताकत होती है कि वे प्रसन्न कर सकें, लेकिन वे डराती भी खूब हैं. उनमें ऐसे उत्साही और साहसी लोग होते हैं जो यह जोखिम उठा लेते हैं. पकडे गए तो जोखिम की कमाई की रकम से ही भरपाई भी कर देते हैं. ऐसे लोगों की संख्या आजकल दिन ब दिन बढ़ती ही जा रही है. भारत के विकास में उनका बड़ा योगदान है. सुना है आजकल सरकार सख्त फीतों के साथ बेरहम होती जा रही है और उनका रंग बदलने पर आमादा है. वह लाल फीताशाही समाप्त करना चाहती है. एक बड़े दफ्तर के बाबू से मेरी मुलाकात हुई. कहने लगे सरकार के चाहने से क्या होता है? लाल फीताशाही तो सनातन है और हमेशा बनी रहेगी.

धर्म अध्यात्म

संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी अनंत

आचार्य अजय मिश्रा

अनंत भगवान ने सृष्टि के आरंभ में चौदह लोकों की रचना की थी. इन लोकों के पालन के लिए वह चौदह रूपों में प्रकट हुए. भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु को समर्पित अनंत चतुर्दशी का पर्व मनया जाता है. इस पूजा में भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की आराधना की जाती है. अनंत यानी जो कभी समाप्त नहीं होता. ऐसी मान्यता है कि अनंत पूजा करने से जीवन के कष्ट, संकट और दुःखों का नाश होता है और भगवान विष्णु की कृपा से सुख, समृद्धि और शांति प्राप्त होती है. विशेष रूप से विष्णु भक्तों के लिए इस पूजा का महत्व अधिक होता है.

▪ **भगवान विष्णु का प्रतीक है सूत्र**

अनंत पूजा में अनंत धागे का विशेष महत्व होता है. यह एक रेशमी धागा होता है, जिसमें 14 गांठें होती हैं. इसे पुरुष अपनी दाहिनी कलाई पर और महिलाएं अपनी बाईं कलाई पर बांधती हैं. ऐसा माना जाता है कि इस धागे को बांधने से भगवान विष्णु की कृपा से व्यक्ति के जीवन में संतुलन, सुख, और समृद्धि आती है और वह अनंतकाल तक सुरक्षित रहता है. यह सूत्र भगवान विष्णु का प्रतीक होता है और माना जाता है कि इसे बांधने से उनके जीवन में सुख, समृद्धि और सुरक्षा बनी रहती है.

▪ **ग्रह दोष होते दूर**

अनंत पूजा के माध्यम से ग्रह शांति प्राप्त करने की भी मान्यता है. सनातन धर्म में, ग्रहों की स्थिति का जीवन पर गहरा प्रभाव माना जाता है, और ग्रहों की अनुकूलता के लिए विभिन्न पूजा-अनुष्ठान किए जाते हैं. अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से ग्रह दोष और जीवन में आने वाली समस्याओं का निवारण होता है. अनंत भगवान को अनंत काल और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उनकी पूजा से जीवन के कष्ट, रोग और ग्रह दोषों से मुक्ति पाने की आस्था होती है. विशेष रूप से कुंडली में यदि शनि, राहु, या केतु जैसे ग्रहों की अशुभ स्थिति हो, तो अनंत पूजा से उनकी नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है और व्यक्ति के जीवन में शांति, स्थिरता और सफलता प्राप्त होती है. इस पूजा में भगवान विष्णु से विशेष रूप से ग्रहों की अशुभ दशाओं से मुक्ति और जीवन में समृद्धि तथा शांति की प्रार्थना की जाती है. अनंत पूजा से राज्य सुख और वैभव की प्राप्ति होती है. भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार और समृद्धि का दाता माना जाता है. राजयोग, आर्थिक, समाजिक, और राजपद की प्राप्ति होती है.

▪ **समाज में मिलती प्रतिष्ठता**

अनंत चतुर्दशी के दिन उनकी आराधना से व्यक्ति को न केवल व्यक्तिगत जीवन में सुख और शांति मिलती है, बल्कि उसे सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी सफलता और वैभव की प्राप्ति होती है. ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और भक्ति से अनंत पूजा करता है, उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार होती है और उसे समाज में प्रतिष्ठा और सम्मान मिलता है. यदि कोई व्यक्ति शासन या उच्च पद पर है, तो उसे राज्य सुख और वैभव की प्राप्ति होती है. यह पूजा भगवान विष्णु की अनंत कृपा से व्यक्ति के जीवन में स्थिरता, समृद्धि, और दीर्घकालिक सफलता लाने में सहायक मानी जाती है. इस पूजा से राज्य से जुड़ी बाधाएं और समस्याएं भी दूर होती हैं, जिससे शासन में स्थिरता और विकास होता है. इस प्रकार, अनंत पूजा के माध्यम से राज्य सुख, वैभव और समृद्धि की प्राप्ति संभव होती है.

आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक की अवधि में मृत पितरों का अपने रिश्तेदार के साथ सबसे नजदीक का एक आत्मीय संबंध बनता है. प्रकृति और परिवार से ऊपर उठकर अपने संबंध को अखिल सृष्टि से जोड़ने का यह श्रेष्ठ काल एवं अवसर होता है. इसमें कर्मकांडीय अनुष्ठान के माध्यम से व्यक्ति अपने पितरों को तर्पण करता है.

पितृपक्ष

व्यक्ति को सृष्टि से जोड़ने का अनुष्ठान

श्राद्ध मानव जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कर्म है. अपने पितरों को श्रद्धा से किए जाने वाले कर्म और अनुष्ठान के कारण इस अनुष्ठान को श्राद्ध कहा गया है. आश्विन में पृथ्वी चंद्रमा के नजदीक होती है, तब सूर्य की अधिकतम रोशनी चंद्रमा के उर्ध्व भाग पर पड़ने के कारण पितृ के प्राण जाग्रत हो जाते हैं. इसी अवधि में चंद्रमा दक्षिणायन होकर परिक्रमा एवं घूर्णन प्रारंभ करता है. संक्रमण के इस अवधि में पितृगण अधोमुखी होकर पृथ्वी पर अपने परिवार एवं संबंधियों के आसपास चक्कर काटने लगते हैं. आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक की अवधि में मृत पितरों का अपने रिश्तेदार के साथ सबसे नजदीक का एक आत्मीय संबंध बनता है. प्रकृति और परिवार से ऊपर उठकर अपने संबंध को अखिल सृष्टि से जोड़ने का यह श्रेष्ठ काल एवं अवसर होता है. इसमें कर्मकांडीय अनुष्ठान के माध्यम से व्यक्ति अपने पितरों को तर्पण करता है. यह पितृऋण से मुक्ति का एक अवसर है. इसलिए यह पितृपक्ष भी कहलाता है. सूर्य के उर्ध्वभाग पर तीखी रोशनी से पितरों के शुष्क शरीर पर जल अर्पण से प्राण एवं जीवन में सरसता आती है. यह अनुष्ठान है. लेकिन यह व्यक्ति को सृष्टि से जोड़ने का ऐसा अनुष्ठान है जिसमें श्रद्धा और भक्ति ही केंद्रीय क्रिया होती है.

डॉ मयंक मुरारी
चिंतक और आध्यात्मिक लेखक

पितृपक्ष का एक आध्यात्मिक विधान है. भारतीय ज्योतिष में वर्ष का निर्धारण नौ प्रकार से किया गया है जिनमें दिव्य मान, ब्रह्म, पितृ, प्रजापति, गौरव, सौर, चंद्र, सावन और नक्षत्र प्रमुख है. इन सभी के समन्वय एवं सामंजस्य से ही साल का निर्धारण किया जाता है. पितरों या मृत आत्माओं के लोक और उनकी कार्यविधि के लिए पितृवर्ष का प्रावधान किया गया है. हमारी संस्कृति में पितरों का निवास स्थल चंद्रमा के उर्ध्वभाग को माना गया है, जो पृथ्वी से कभी नहीं दिखायी देता है. यह पितरों यानी मृत आत्माओं का निवास स्थल है. यह भाग पृथ्वी से दृश्यमान नहीं है. इस चंद्रमा की गति के कारण होता है. चंद्रमा का घूर्णन और परिक्रमा की अवधि लगभग समान होती है. जितने समय में वह अपने अक्ष पर घूमती है, उतने ही समय पर यानी 27 दिन, सात घंटे और 43 मिनट तथा 11.6 सेकेंड में पर पृथ्वी की परिक्रमा भी करती है. इस कारण चंद्रमा का एक भाग सदैव पृथ्वी के समक्ष रहता है. और जो भाग कभी नहीं दिखता है, उसे मृत आत्माओं का लोक मान लिया गया.

पुनर्जन्म या मुक्ति में सहायक

पुनर्जन्म पर विश्वास के कारण ही मृत्यु के पश्चात भी व्यक्ति के शरीर को याद रखा जाता है. यह एक ऋण है. जीवन में और जीवन के बाद इस ऋण को सदैव ही चुकाने का प्रयास किया जाता है. ताकि व्यक्ति की यात्रा तब तक जारी रहे, जबतक की मुक्ति प्राप्त न हो जाए. कर्मकांडीय भाषा में वैतरणी पार करना कहा गया है. हमारा यह मानना है कि धरती एक मृतलोक है, जहां से व्यक्ति को अमृत की यात्रा का अवसर मिलता है. मृतक व्यक्ति को पृथ्वीलोक से यमलोक और फिर बैकुंठ, कैलाश या स्वर्ग की यात्रा का आरोहण ही पितृपक्ष में श्राद्ध के अनुष्ठान का आधार है. यह भारतीय जीवन का भरोसा है कि हमारी इच्छाओं की पूर्ति के साथ ही हमारा आरोहण होता है. आरोहण केवल मुक्ति के लिए नहीं बल्कि यह पुनर्जन्म के लिए भी होता है. मृतकों का हमारे जीवन पर ऋण रहा कि उसके कारण यह शरीर मिला. यह जीवन मिला ताकि यात्रा को जारी रखा जाए. अतएव व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने मृतक के पुनर्जन्म या मुक्ति में सहयोगी बने.

श्राद्ध से बढ़ती श्रद्धा

श्राद्ध और श्रद्धा का अटूट संबंध है. श्राद्ध में व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि पितरों के कल्याण के लिए किया गया हरेक अनुष्ठान उनको प्राप्त होता है. परंपरा से समाज और परिवार में निष्ठा का भाव मजबूत होता है. पितृपक्ष के अनुष्ठान वर्तमान समय में अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने का एक सशक्त माध्यम है. श्राद्ध से समाज में श्रद्धा की उत्पति होती है. इससे जीवित पितरों एवं समाज के प्रति श्रद्धा का भाव बढ़ता है. इन अनुष्ठान का मूल आधार अपनी कृतज्ञता और आत्मीयता की सात्विक प्रवृतियों को जगाये रखना है. इस प्रवृति का जिंदा रहना संसार की सुख और शांति के लिए आवश्यक है.

ये तीन पहर

एक चंद्र मास में अमूमन 30 दिन होता है. इसमें दो पक्ष क्रमशः 14 से 15 दिनों के होते हैं. यह चंद्रमा की कलाओं के घटने और बढ़ने के आधार पर निर्धारित होता है. जब चंद्रमा की कलाएं घटती हैं, तो वह कृष्ण पक्ष और जब कला यानी रोशनी बढ़ती है, वह शुक्ल पक्ष होता है. कृष्ण पक्ष में चंद्रमा के उर्ध्वभाग में सूर्य की रोशनी रहती है, अतएव वह पितरों का दिन होता है. इसी प्रकार शुक्ल पक्ष पितरों के लिए रात्रि होती है. यही कारण है कि कृष्ण पक्ष पितरों के श्राद्ध का काल है. इस अवधि में 15 दिनों तक सूर्य की रोशनी चंद्रमा पर होने के कारण वह पितरों के लिए दिन बना रहता है. अमावस्या के दिन सूर्य चंद्रमा के निकटतम आ जाता है. वह पितरों के लिए दिन का मध्याह्न काल होता है. इस कारण अमावस्या को पितरों को भोजन देने की परिपाटी है. इसलिए कहा गया है कि पितर लोक में कृष्णाष्टमी को सूर्यादय, अमावस्या को मध्याहन और शुक्लाष्टमी को सूर्यास्त होती है.

पितरों के वास का प्रतीक चंद्रमा

चंद्रमा को पितरों के वास का प्रतीक माना गया है. यह परंपरा बन गयी कि जिस अवधि में चंद्रमा हमारी पृथ्वी के सबसे समीप रहेगी, उस समय पितरों को परोसा गया भोजन सहज ही प्राप्त हो जायेगा. आश्विन मास में पृथ्वी चंद्रमा के सबसे नजदीक होती है. इस अवधि में सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है. आश्विन के कृष्ण पक्ष में महालय श्राद्ध यानी पितरों को तर्पण करने का विधान है. चंद्रमा के उर्ध्व भाग में रहनेवाले पितृगण कृष्णाष्टमी से लेकर शुक्लाष्टमी तक यानी 15 दिनों तक सूर्य की रोशनी में रहते हैं, अत उनका 15 दिनों के सूर्य दर्शन की अवधि को पितरों का दिन कहा जाता है.

डोली पर आएंगी मां

स्वामी आगमानंद जी महाराज

मां का आगमन एवं प्रस्थान सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर दोनों का परिणाम शुभ नहीं है. भक्तजनों को श्रद्धा, निष्ठा एवं भक्ति से मां की करनी होगी आराधना, तभी होगा कल्याण.

शारदीय नवरात्र 3 अक्टूबर से प्रारम्भ हो रहा है. 12 अक्टूबर को विजयादशमी है. परम शक्ति मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्र को सर्वोत्तम समय माना जाता है. इसमें भी शारदीय नवरात्र का सर्वाधिक महत्व है. कहा जाता है कि भगवान राम ने भी नवरात्र कर देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था. श्रद्धा विश्वास से ऊर्जा और शक्ति की देवी दुर्गा की उपासना से आज भी भक्त शांति और आत्मबल प्राप्त करते हैं. शारदीय नवरात्र प्रारंभ होने के पूर्व लोगों के दिलों में यह जिज्ञासा बनी रहती है कि मां दुर्गा किस वाहन पर सवार होकर आएंगी ओर किस वाहन से लौटेंगी. मां दुर्गा के आगमन एवं प्रस्थान से ही आगामी वर्ष के अच्छे-बुरे फल का अंदाजा लगाया जा सकता है.

श्रीशिवशक्ति योगपीठ नवगछिया (बिहार) के पीठाधीश्वर एवं श्री उत्तरतोताद्रि मठ विभीषणकुंड अयोध्या के उत्तराधिकारी रामचंद्राचार्य परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज ने बताया कि इस वर्ष नवरात्र कलश स्थापना अश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 3 अक्टूबर गुरुवार को होने के कारण शास्त्रों में मां दुर्गा का आगमन डोली (पालकी) पर है. जिसका फल होता है महामारी एवं अन्य कारणों से अधिकाधिक मृत्यु. विजयादशमी शनिवार 12 अक्टूबर को है. मां दुर्गा अपने पूरे परिवार के साथ चरणायुध (मुर्गा) पर सवार होकर लौटेंगी. जिसका फल होता हैं, राष्ट्र ओर जनमानस के बीच विकलता, अन्तर युद्ध, अशांति, क्षोभ आदि. आगमन एवं प्रस्थान सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर दोनों का परिणाम शुभ नहीं है. सामाजिक एवं राजनैतिक विसंगतियां भी फैलेंगी. इस बार दस दिनों का नवरात्र होगा. कुल मिला कर असुर पर सुर, बुराई पर अच्छाई के विजय का प्रतीक नवरात्र आत्मसाधना है. मां दुर्गा का आगमन एवं प्रस्थान वार (दिन) से जुड़ा हुआ है.

▪ **किस दिन आगमन से क्या फल**

यदि रविवार व सोमवार को पूजा प्रारंभ होती है, तो मां दुर्गा हाथी पर, शनिवार व मंगलवार को घोड़े पर, गुरुवार व शुक्रवार को डोली पर, और बुधवार को पूजा प्रारंभ होने पर मां दुर्गा नौका पर सवार होकर आती हैं. गज (हाथी) पर आना पानी की बढ़ोतरी, घोड़ा पर आना युद्ध की आशंका, राजनेता की मृत्यु, नौका पर आना मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. डोली पर आना आक्रांत रोग, मृत्यु का भय बना रहता है.

▪ **किस दिन प्रस्थान से क्या फल**

रविवार व सोमवार को विजयादशमी होती है, तो मां दुर्गा भैंसा पर, शनिवार व मंगलवार को मुर्गा पर, बुधवार व शुक्रवार को गज पर एवं गुरुवार को नर वाहन पर प्रस्थान करती हैं. भैंसा पर प्रस्थान करना शोक का माहौल, मुर्गा पर जन मानस में विकलता, गज पर शुभ वृष्टि, नरवाहन पर शुभ सौख्य होता है. इस बार मां दुर्गा डोली पर सवार होकर आएंगी ओर मुर्गा पर सवार होकर लौटेंगी. कुल मिला कर इस वर्ष जो भक्त श्रद्धा- निष्ठा से मां की आराधना करेंगे, उनका कल्याण होगा.

जैसा कि मुकेश कुमार मिश्र से बातचीत के दौरान चंद्राचार्य परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज ने बताया..

शारदीय नवरात्र की प्रमुख तिथियां

3 अक्टूबर	पहला दिन	मां शैलपुत्री
4 अक्टूबर	दूसरा दिन	मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
5 अक्टूबर	तीसरा दिन	मां चंद्रघंटा की पूजा
6 अक्टूबर	चौथा दिन	मां कूष्मांडा की पूजा
7 अक्टूबर	पांचवां दिन	मां स्कंदमाता की पूजा
8 अक्टूबर	छठा दिन	मां कात्यायनी की पूजा
9 अक्टूबर	सातवां दिन	मां कालरात्रि की पूजा
10 अक्टूबर	आठवां दिन	मां सिद्धिदात्री की पूजा
11 अक्टूबर	नौवां दिन	मां महागौरी की पूजा
12 अक्टूबर	विजयादशमी	दुर्गा विसर्जन

भगवद् गीता में मोक्ष प्राप्ति का संदेश

ज्ञान-योग, कर्म-योग एवं भक्ति-योग से मिलती जीने की दिशा

चम्पा भाटिया

श्रीमद्भगवद् गीता एक संपूर्णग्रंथ है. गीता को गीतोपनिषद् भी कहा गया है. यह वैदिक ज्ञान से युक्त समस्त उपनिषदों का सार है. गीता के निष्ठा पूर्वक गहन अध्ययन से ज्ञान-योग कर्म-योग एवं भक्ति-योग से जुड़ कर जीवन को जीने की दिशा मिलती है. जहां इस सनातन ग्रंथ से निष्काम कर्म करने की प्रेरणा मिलती है वहीं भगवान श्री कृष्ण जी ने इसमें कहा है कि मनुष्य शरीर मात्र नहीं है, शरीर नाशवान है, इस शरीर को चलाने वाली आत्मा जो कि परमात्मा का अंश है, इसका नाश नहीं होता. परमात्मा सर्वव्यापि है, हर स्थान पर समान रुप में व्यापक है. आत्मा इससे अनभिज्ञ होकर अंधकार में ग्रस्त अपने आपको शरीर ही मान बैठती है. भगवान श्री कृष्ण जी ने अर्जुन को दिव्यदृष्टि देकर, ज्ञान यक्षु देकर इस अज्ञानता को दूर किया तो अर्जुन इस विराट प्रभु के चारो ओर दर्शन कर सका.

निराकार ईश्वर जिसका कोई आकार, रंग-रूप नहीं, जिसे शस्त्र काट नहीं सकता, अग्नि जला नहीं सकती, पानी भिगोता नहीं, पवन उड़ा नहीं सकती, ऐसा विराट स्वरुप देखने के बाद अर्जुन चारों दिशओं में बार बार नमस्कार करता है. परमात्मा को जान लेने के बाद उसके सारे भ्रम दूर हो जाते हैं. गीता में भगवान श्री कृष्ण जी ने कहा है कि जो मुझे हर जगह देखता है, उसकी सोच उसके भाव में परिवर्तन हो जाता है. उसे हरेक में मैं नजर आता हूं. गीता के 6वें अध्याय के 30वें श्लोक में लिखा है-

यों मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्य अहं न प्रणष्यामि स च मे न प्रणष्यति।।

जो मुझे सर्वत्र देखता है, वह सबको मुझमें देखता है. उससे मैं दूर नहीं होता और वह मुझसे दूर नहीं होता. भाव जिसे परमात्मा का ज्ञान मिल जाता है. परमात्मा की प्राप्ति हो जाती है. वह हर क्षण इसी प्रभु में विचरण करता है. परमात्मा की प्राप्ति हर युग में सभव है. तभी गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा ''संभवामि युगे युगे'' मैं हर युग में संभव हूं. इस परम पिता परमात्मा को जानने की विधि भी गीता में लिखी हैः-

तत् विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया।
उपदेश्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनः तत्वदर्षिनः।। 4 गीता

इस (प्रभु) को जानो, चरणों में नमस्कार करके (विनय पूर्वक) प्रश्न करके, सेवा से जो ज्ञानी हैं (जिनके पास परमात्मा का ज्ञान है) जिन्होंने तत्व परमात्मा के दर्शन किए हैं, वे तुझे ज्ञान का उपदेश देंगे.

भगवान श्री कृष्ण जी ने जहां यह बताया कि मनुष्य बार बार जन्म लेता और मृत्यु को प्राप्त होता है जैसे हम वस्त्र बदलते हैं. वहां ज्ञान प्राप्त करके बार बार जन्म लेने से मुक्त होता है, मोक्ष प्राप्त करता है, ब्रह्म में ही समा जाता है. जन्म मरण के बंधन से छुटकारा पा लेता है. गीता में कहा है -

जन्म कर्म च में दिव्यं एव यो वेक्षि तत्वतः।
व्यक्तवा देहं पुर्नजन्म नैति मां एति सो अर्जुन।। 4-9 गीता

मेरे जन्म और कर्म दिव्य होते हैं जो तत्व (निराकार, अविनाशी) के रुप में जानता है, देह त्यागते हुए उसका पुर्नजन्म नहीं होता, मुझमें समा जाता है.

अर्थात जिसे परमात्मा की प्राप्ति हो जाती है, वह बार बार जन्म लेने के बंधन से मुक्त हो जाता है. गीता के 8वें अध्याय के 26वे श्लोक में लिखा हैः-

शुक्ल-कृष्णे गति हवेते जगतः शाश्वते मते।
एकया याति-अनावृतिम् अन्यया आवर्तते पुनः।।

दुनिया से जाने के दो ही मार्ग हैं अंधकार, प्रकाश. एक (प्रकाश में जाने वाले जिन्हें परमात्मा का ज्ञान है, रौशनी है) जाते हैं तो वापिस नहीं आते. दूसरे (जिन्हे परमात्मा की प्राप्ति नहीं हुई) बार-बार आते हैं. भाव कोई कोई ही परमात्मा के अविनाशी को जान पाता है. अन्य एक श्लोक में लिखा हैः-भगवद्गीता अध्याय 7 श्लोक 3

मनुष्याणाम् सहस्त्रेषु कष्चित् यतति सिद्धये।
यततामपि सिद्धानां कष्चित् मां वेसि तत्वतः।।

हजारों मनुष्यों में कोई एक मेरी प्राप्ति का यत्न करता है. उन हजारों यत्न करने वालों में कोई एक मुझे जान पाता है (प्राप्त करता है).

परमात्मा को जानने के बाद ही इन्द्रियां संयमित कर्म करती हैं. इसके बारें में भगवान श्री कृष्ण ने अध्याय 4 के 39 वें श्लोक में लिखाः-

श्रद्धावान् लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्धवा परां शान्तिं अचिरेण अधिगच्छति।।

जो (दिव्य ज्ञानसे युक्त) श्रद्धावान ज्ञान प्राप्त करते हैं, उसके बाद (उनकी) इन्द्रियां संयमित होती हैं. ज्ञान प्राप्त करके (वे) तुरंत परम शान्ति को प्राप्त करते हैं. अर्थात हमारी आत्मा (जो कि परमात्मा का अंश है) अपने मूलको, अपने अस्तित्व को नहीं जान लेती तब तक अशांत है. शान्ति केवल परम सत्ता को जान कर ही प्राप्त होती है. फिर सारी इन्द्रियां संयमित होकर कर्म करती हैं. अर्जुन को भी जब विराट स्वरुप को ज्ञान प्राप्त हुआ तो फिर उसके सभी कर्म प्रभु के निर्देश अनुसार संयमित होते गए और प्रभु को समर्पित थे.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

डेविस कप फाइनल्स : कार्लोस अल्काराज, रॉबर्टो बतिस्ता की शानदार शुरुआत

चेक गणराज्य के खिलाफ शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्पेन चमका

एजेंसी। वेलेंसिया

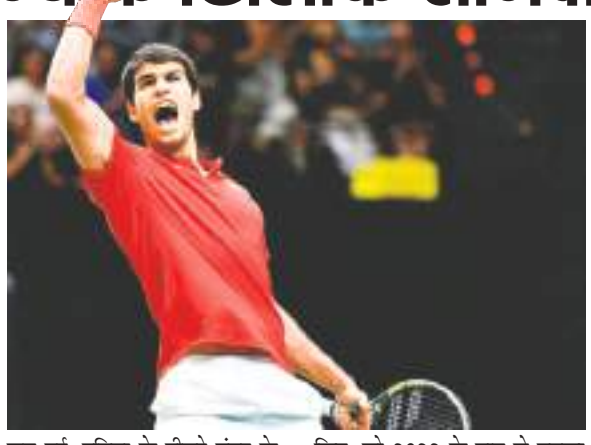

कार्लोस अल्काराज के एकल और युगल मैचों में शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्पेन ने डेविस कप फाइनल्स ग्रुप चरण में चोटों से जूझ रही चेक गणराज्य के खिलाफ जीत से शुरुआत की. रॉबर्टो बतिस्ता ने स्पेन के लिए सिंगल्स में पहला अंक जिरी लेहेका पर 6-2, 6-3 से जीत कर हासिल किया. इससे अल्काराज को जीत हासिल करने का मौका मिला, लेकिन टॉमस मचैक के तीसरे सेट में रिटायर होने के कारण घरेलू टीम को निर्णायक दूसरा अंक दे दिया. मचैक के लिए यह और भी निराशाजनक था कि अल्काराज के खिलाफ पहला सेट टाईब्रेक में जीतने के बाद उन्हें चोट लग गई. दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती चरणों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया. उन्होंने शुरुआती सेट में 21 अनफोर्स्ड एरर किए, जो 2022 के बाद से उनका पहला डेविस कप प्रदर्शन था. मचैक उस बढ़त का फायदा उठाने में असमर्थ रहे. इसके बाद अल्काराज ने अगले चार गेम जीतकर निर्णायक सेट तक मैच का रूख तय किया, लेकिन मचैक शुरुआती गेम में ही रिटायर हो गए. 6-7(3) 6-1 पर वह कोर्ट पर ठीक से मूव करने में संघर्ष कर रहे थे.

इस मुकाबले का यह एक दुखद अंत था, जो एक रोमांचक मैच हो सकता था. स्पेन की जीत सुनिश्चित होने के बाद, अल्काराज को आराम दिए जाने की उम्मीद थी, लेकिन वह मार्सेल ग्रैनोलर्स के साथ डबल्स के लिए कोर्ट पर उतरे.

अल्काराज ने तीसरे सेट के टाईब्रेक में शानदार प्रदर्शन किया और चेक गणराज्य के जैकब मेन्सिक और एडम पावलेसेक पर 6-7(2) 6-3 7-6(2) से जीत दिलाई. अमेरिकी ओपन में दूसरे दौर में बाहर होने के बाद से ये अल्काराज का कमबैक था. उन्होंने कहा, मैंने यूएसए में अपनी हार में भी सकारात्मक बातें याद रखने की कोशिश की.

इसे ढूंढना वास्तव में कठिन था, लेकिन मेरी कोशिश यही रही. अल्काराज ने आगे कहा, मैं अपने स्तर और मानसिक पक्ष के बारे में वही गलतियां न करने की कोशिश कर रहा हूं. मैं यहां बहुत ऊर्जा, उत्साह और प्रेरणा के साथ आया हूं, ताकि मैं अपनी टीम स्पेन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं और एक टीम के रूप में जितना संभव हो सके उतनी जीत हासिल कर सकूं.

अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट

बारिश की वजह से लगातार चौथे दिन का खेल भी रद्द

एजेंसी। ग्रेटर नोएडा

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच के शुरू होने का इंतजार जारी है. दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण लगातार चौथे दिन एक भी गेंद फेंके बिना खेल रद्द कर दिया गया. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी. इसमें आगे बताया गया है कि शुक्रवार सुबह आठ बजे मैच शुरू करने का निर्णय स्टेडियम का आकलन करने के बाद किया जाएगा. पिछले हफ्ते से शहर में लगातार बारिश हुई है और पहले दो दिन मैदान में खराब ड्रेनेज सिस्टम के कारण खेल बाधित रहा. फिर, तीसरे और चौथे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले कहा था कि उन्हें इस टेस्ट की मेजबानी के लिए कानपुर और बेंगलुरु की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने ग्रेटर नोएडा को इसलिए चुना क्योंकि अन्य दो स्थानों का उपयोग बीसीसीआई मैचों (आगामी भारत-बांग्लादेश दूसरा टेस्ट और हाल ही में संपन्न दलीप ट्रॉफी का पहला राउंड) के लिए किया जा रहा था. मौजूदा टेस्ट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है, लेकिन आने वाले महीनों में श्रीलंका और भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले कीवी टीम के पास परिस्थितियों के अनुकूल होने का मौका जरूर है. दूसरी ओर, अफगानिस्तान जिसने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेले हैं.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज 19 सितंबर से, नहीं खेल पाएंगे शोरफुल

बांग्लादेश की टीम का ऐलान

एजेंसी। ढाका

भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश ने अपनी टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है. पाकिस्तान दौरे पर कमर में लगी चोट के कारण बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम भारत में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर रहेंगे. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को यह घोषणा की. पाकिस्तान में पहली बार 2-0 से टेस्ट सीरीज जीतने के बाद बांग्लादेश की टीम के हौसले सातवें आसमान पर हैं. रावलपिंडी में पहले टेस्ट में 3 विकेट लेने वाले 23 वर्षीय तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम चोटिल हो गए थे और वह दूसरे मैच में भी नहीं खेल पाए थे.

टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान : भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान करते समय बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कई अपडेट्स दिए हैं. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अनुसार बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम अभी भी कमर की चोट से उबर रहे हैं और सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं. हालांकि लिटन दास से उम्मीद की जा रही है कि वह भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे. हालांकि जाकेर अली अनिक को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है. 19 सितंबर को चेन्नई में पहला टेस्ट मैच शुरू होगा.

सैयद खालिद अहमद की वापसी

नजमुल हुसैन शांतो टेस्ट सीरीज में बांग्लादेशी टीम की अगुवाई करेंगे. बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज महमदुल हसन जॉय ने पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी की है. महमदुल हसन जॉय को कमर में चोट लगी थी, जिसे ठीक होने में करीब दो सप्ताह लगे. भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए तेज गेंदबाज सैयद खालिद अहमद की बांग्लादेश की टीम में वापसी हुई है. सैयद खालिद अहमद चोटिल शोरफुल इस्लाम की जगह पर आए हैं.

बांग्लादेश की टेस्ट टीम

नजमुल हसैन शंटो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, जाकेर अली, तस्किन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राना, तैजुल इस्लाम, महमदुल हसन जॉय, नईम हसन और खालेद अहमद.

भारत की टेस्ट टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल.

भारत बनाम बांग्लादेश टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट मैच – 19 सितंबर से 23 सितंबर, सुबह 9.30 बजे से चेन्नई में

दूसरा टेस्ट मैच – 27 सितंबर से 1 अक्टूबर, सुबह 9.30 बजे, कानपुर

आज से शुरू हो सकता है टीम इंडिया का अभ्यास कैंप

एजेंसी। चेन्नई

भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का पहला मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा. इस मुकाबले से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत पूरी टीम इंडिया चेन्नई में इकट्ठा होगी. फिर शुक्रवार से अभ्यास कैंप की शुरुआत होगी, जो 18 सितंबर तक चलेगा. बता दें कि रोहित शर्मा और विराट कोहली श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद से ब्रेक पर हैं. दोनों ही दिग्गज इन दिनों खेली जा रही दिलीप ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले रहे हैं. इसके अलावा टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद लगातार ब्रेक पर चल रहे जसप्रीत बुमराह की भी बांग्लादेश टेस्ट के जरिए वापसी होगी. पूरी टीम के साथ बुमराह भी अभ्यास कैंप का हिस्सा होंगे. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ब्रेक के दौरान फिटनेस पर काफी काम करते हुए दिखाई दिए. उन्हें कई बार में जिम में देखा गया. इसके अलावा हिटमैन टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर के साथ भी कई बार नजर आए. वह जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं. गौरतलब है कि बीसीसीआई ने फिलहाल बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ही टीम इंडिया का एलान किया है. पहले टेस्ट की टीम में अनकैप्ड तेज गेंदबाज यश दयाल को रखा गया है. इसके अलावा टीम में कई ऐसे युवाओं को मौका दिया गया है, जिन्होंने भारत के लिए ज्यादा टेस्ट नहीं खेले हैं. बाकी बांग्लादेश टेस्ट के जरिए ऋषभ पंत की टेस्ट टीम में वापसी होगी.

गौरव के पल : भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 7 स्वर्ण, 9 रजत व 13 कांस्य पदक अपने नाम किये

पीएम ने भारतीय पैरा-एथलीटों से की मुलाकात

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस पैरालंपिक से लौटे भारतीय दल से अपने आवास पर मुलाकात की. इस बार भारतीय एथलीटों ने टोक्यो के रिकॉर्ड प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ी और पैरालंपिक में देश के लिए अब तक के सर्वोच्च पदक जीतकर इतिहास रचा. भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक के साथ कुल 29 पदकों के साथ पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया. इस दल ने 2020 टोक्यो पैरालंपिक (कुल मेडल 19) में भारत द्वारा बनाए गए अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना खिताब बरकरार रखते हुए पीएम मोदी को अपनी जर्सी भेंट की. इस पर लिखा था, आपके समर्थन के लिए... धन्यवाद सर. इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने कपिल परमार के कांस्य पदक पर साइन किए, जो उन्होंने पैरा जूडो पुरुषों की 61 किग्रा जे1 श्रेणी में जीता था.

हरविंदर ने दिया खास गिफ्ट

पैरालंपिक गेम्स में आर्चरी का गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने हरविंदर सिंह ने पीएम को अपना ऐरो यानि गेम्स तीर गिफ्ट किया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने इन गेम्स के दौरान किया था. पीएम से मुलाकात के बाद हरविंदर ने बताया कि पीएम ने सिर्फ मेडल विजेताओं से ही नहीं, बल्कि गेम्स में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी से बात की और साथ ही सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों के साथ भी चर्चा की. मोदी ने उनका हौसला भी बढ़ाया.

दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन ने लगाई सेंचुरी

नयी दिल्ली। ईशान किशन ने एक बार फिर अपने बल्ले की धमक दिखा दी है. बाएं हाथ के इस तूफानी बल्लेबाज ने दलीप ट्रॉफी में सेंचुरी लगाई है. इंडिया सी के लिए खेल रहे ईशान किशन ने ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए इंडिया बी के खिलाफ सेंचुरी लगाई. बड़ी बात ये है कि इंडिया सी टीम ने अपने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को चोट की वजह से खो दिया था वो मैच की दूसरी गेंद पर ही रिटायर्ड हर्ट हो गए थे लेकिन इसके बाद ईशान किशन ने ताबड़तोड़ अंदाज में अपनी सेंचुरी पूरी की. ईशान किशन ने लगभग 90 के स्ट्राइक रेट से सैकड़ा जड़ा. ये फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका 7वां शतक है. ईशान किशन का ये शतक इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने दो साल के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सैकड़ा जड़ा है.

मैं अभी गेंद को आसानी से हिट करने में सक्षम हूं : ट्रेविस हेड

एजेंसी। साउथम्प्टन

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला रोमांचक रहा. ट्रेविस हेड ने 23 गेंदों पर 59 रनों की धमाकेदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. वे हर फॉर्मेट में टीम को फ्रंट से लीड कर रहे हैं, खास तौर पर टी20 में उनका कोई मुकाबला नहीं. साउथम्प्टन में हेड ने 19 गेंदों में अर्धशतक बनाया, जो इस साल टी20 में उनका चौथा पचास से ज्यादा का स्कोर था. इस पारी के दौरान उन्होंने इंग्लिश स्टार गेंदबाज सैम करन के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया. हेड ने करन के एक ओवर में 30 रन (4,4,6,6,6,4) बटोरे. पिछले हफ्ते हेड ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 25 गेंदों में 80 रन बनाए थे, जहां उन्होंने सिर्फ 17 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने हेड के हवाले से कहा, ''''मैंने पिछले 12 महीनों तक बहुत अधिक टी20 क्रिकेट नहीं खेला है. अपने खेल पर और मेहनत करते हुए, मैंने थोड़ा बहुत अपनी तकनीक में भी बदलाव किया.

भारत की आलोचना करने का जवाब आक्रामकता से देना होगा :गावस्कर

नयी दिल्ली। दिग्गज सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारत की आलोचना करने का जवाब आक्रामकता से देना होगा. उन्होंने हाल ही में जो रूट के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ने की संभावना पर की गई टिप्पणियों का हवाला दिया. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा था कि यह बस समय की बात है कि रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनेंगे. बीसीसीआई यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि यह रिकॉर्ड किसी भारतीय बल्लेबाज के नाम रहे.

ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर दमदार जीत

- पहला टी20 मैच : हेड ने एक ओवर में बनाए 30 रन

एजेंसी। साउथम्प्टन

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 23 गेंदों पर 59 रनों की पारी के दौरान सैम करन के एक ओवर में 30 रन बटोरे. इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 28 रन से हरा दिया. बुधवार को खेले गए तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गेंदबाजी चुनी. हेड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के पांचवें ओवर में करन की गेंद पर तीन चौके और तीन छक्के जड़े, जिससे आस्ट्रेलिया ने 179 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में मेजबान टीम 151 रनों पर सिमट गई. हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और पावरप्ले में 50 रन बना लिए. उन्होंने मैथ्यू शॉर्ट (41) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए तेजी से 86 रन जोड़े. मैच में एक समय ऑस्ट्रेलिया 200 से अधिक का स्कोर बनाने की राह पर तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन लियाम लिविंगस्टोन (3-22) ने मेहमान टीम को 179 रन तक सीमित कर दिया.

अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (2/32) ने नई गेंद से ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी गेंदबाजी की. एडम जम्पा (2/20) और सीन एबॉट (3/28) ने भी इंग्लिश टीम पर दबाव बनाया और उन्हें लक्ष्य से बहुत दूर रखा. इस जीत से ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त मिल गई है. अगला मैच शुक्रवार को कार्डिफ में होगा. हेड ने करन के खिलाफ जो 30 रन बनाए, उन्होंने एक टी20 अंतरराष्ट्रीय ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का आस्ट्रेलियाई पुरुष रिकॉर्ड बना लिया.

ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह पक्की करने को बेताब मैथ्यू शॉर्ट

साउथम्प्टन। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दमदार शुरुआत की. टॉप ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने कहा कि वह टी20 टीम में स ल ाम ी बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करने को तैयार हैं. मैथ्यू शॉर्ट ने साउथम्प्टन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 26 गेंदों पर 41 रनों की तूफानी पारी खेली और ट्रेविस हेड के साथ 86 रनों की मजबूत साझेदारी की थी. इस पारी में उन्होंने चार चौके व दो छक्के लगाए. इंग्लैंड पर 28 रन की जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 की बढ़त मिली. शॉर्ट ने संवाददाताओं से कहा, डेविड वॉर्नर के बाहर होने से, आपको पता चल जाता है कि जगह खाली हो गई है.

ऐतिहासिक क्षण 1966 में ही मिहिर सेन ने पांच महाद्वीपों के महासागरों को तैरकर पार किया था

जब मिहिर सेन ने डार्डेनेल्स स्ट्रेट को तैरकर पार किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीले पानी के भीतर, जहां सपने गहराई में उतरते हैं और इच्छाशक्ति लहरों से भी मजबूत होती है, वहां लंबी दूरी के तैराक अपनी कहानी लिखते हैं. डायना न्याड ने 64 साल की उम्र में ऐसी कहानी लिखी थी और भारत के मिहिर सेन ने 12 सितंबर 1966 को कुछ ऐसी ही उपलब्धि हासिल की थी. ये एथलीट केवल तैराकी नहीं करते वे विशाल समुद्रों को पार करते हैं, और मानवीय क्षमता की सीमाओं को चुनौती देते हैं. भारत के लंबी दूरी के तैराक मिहिर सेन ने 12 सितंबर को डार्डेनेल्स स्ट्रेट को पार किया था. स्ट्रेट जिसे जलडमरूमध्य कहते हैं और आसान भाषा में समझें तो दो बड़े जल निकायों के बीच का संकरा खंड. स्ट्रेट दो महासागरों को जोड़ सकता है. ऐसे ही एजियन और मरमारा सागर को जोड़ने वाला स्ट्रेट है डार्डानेल्स. इसको साल 1966 में मिहिर सेन ने पार किया था. उन्होंने साल 1966 में सिर्फ डार्डानेल्स स्ट्रेट ही नहीं, बल्कि कई और स्ट्रेट्स को भी तैरकर पार किया था. मिहिर सेन ने उस साल पांच महाद्वीपों के महासागरों को तैरकर पार किया था. उसमें में एक था 12 सितंबर को पार किया गया डार्डेनेल्स स्ट्रेट. इससे पहले वह 5-6 अप्रैल को पाक स्ट्रेट को पार कर चुके थे.

24 अगस्त को जिब्राल्टर स्ट्रेट को पार किया था. यानि एक ही साल में करीब तीन महीनों में ही बड़ी उपलब्धि हासिल की. 12 सितंबर को डार्डेनेल्स को, 21 सितंबर को बोस्फोरस स्ट्रेट को और 29-30 अक्टूबर को पनामा नहर को तैरकर पार किया था. इससे पहले वह 27 दिसंबर, 1958 को इंग्लिश चैनल को तैरकर पार कर चुके थे. लेकिन यह 1966 का कारनामा था जिसने उन्हें अमर बना दिया.

एक कैलेंडर ईयर में पांच महाद्वीपों के महासागरों को पार करने वाले वह पहले व्यक्ति थे. यह एक ऐसी अविश्वसनीय उपलब्धि थी जिसने उन्हें गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान दिलाया था. इस चमत्कार को संभव करके दिखाने वाले मिहिर सेन का जन्म 1930 में बंगाल में एक मिडिल क्लास फैमिली में हुआ था. तब तैराकी न तो उनके दिमाग में थी और न ही परिवार में. पिता पेशे से चिकित्सक थे और साधारण ग्रामीण जीवनशैली थी. तैराकी में तब मिहिर ऐसे ही थे जैसे गांव के बाकी युवा.

टेनिस प्रीमियर लीग सीजन 6 में डेब्यू करेंगे ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना

एजेंसी। मुंबई

टेनिस प्रीमियर लीग का बहुप्रतीक्षित छठा संस्करण आने वाला है और पूर्व विश्व नंबर 1 रोहन बोपन्ना दिसंबर में मुंबई में होने वाले टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे. वर्तमान में, बोपन्ना पुरुष युगल में विश्व नंबर 6 पर हैं. भारत के सबसे मशहूर और लोकप्रिय टेनिस खिलाड़ियों में से एक, बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, जिसका उद्देश्य खेल के खेलने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाना है. टीपीएल ने 5 बेहद सफल सीजन पूरे किए हैं, और सीजन 6 के लिए तैयार हो रहा है. 44 वर्षीय बोपन्ना, जिन्होंने 2 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं (पुरुष युगल में 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और मिश्रित युगल में 2017 में फ्रेंच ओपन), ने तीन ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें 2016 में रियो में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चौथा स्थान रहा था. बेंगलुरु से आने वाले इस दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी के नाम दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड भी है, जब उन्होंने साल की शुरुआत में जनवरी के अंत में यह मुकाम हासिल किया था.

8उन्होंने अपने करियर में 25 से ज़्यादा खिताब जीते हैं और लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद टेनिस रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले चौथे भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धर्म कर्म में आस्था बढ़ेगा. ससुराल से सुख का सामान मिलेगा. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. कामकाज की गति बनी रहेगी.

वृष समय सामान्य है. किसी से विवाद हो सकता है. कुछ मानसिक उलझन होगा. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें.

मिथुन जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का योग है. कोई नये कार्य में जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुराने झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क मौसमी बीमारियों से बचें, वैसे समय बहुत ही अनुकूल है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें.

सिंह कार्य में बिलंब होने से मन खिन्न होगा. शिक्षा में सुधार का समय आ गया है. बस प्रयास करें. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नता-वर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा.

कन्या सुख का सामान एकत्र होगा. किसी बात को लेकर मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा.

तुला अपनों के कार्य को लेकर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकती है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है. इत्र का दान और प्रयोग करें.

वृश्चिक जुबान पर नियंत्रण रखें. जो विद्यार्थी होंगे, शिक्षा में सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु मानसिक शांति मिलेगी. कार्य बनने से मानसिक शांति मिलेगी. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी. अन्न दान करें.

मकर समय सामान्य है. खर्च अधिक होगा. कुछ विवाद भी हो सकता है. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं.

कुंभ आय के लिए दिन उत्तम है, पर किसी से विवाद न करें. उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. पर मेहनत से विजय पाया जा सकता है.

मीन दिन का समय बहुत ही अच्छा है. सत-कर्म में रुचि बढ़ेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. घर परिवार में खुशहाली होगा.

धुरकी पुलिस ने छापामारी कर नकली हार्पिक जब्त की

संवाददाता। धुरकी

धुरकी पुलिस ने थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी अभियान चलाया गया. इस दौरान सगमा स्थित एक दुकान से 200 एमएल का भरा हुआ डब्बा 720 पीस, 200 एमएल का खाली डब्बा 751 पीस, 200 एमएल का रैपर 6500 पीस, नकली ढक्कन 651 पीस, केमिकल 8 लीटर, इआइपीआर अधिकृत पी एंड जी कंपनी का टाइड प्लस नकली भरा पैकेट 95 ग्राम का 900 पीस, ईआइपीआर अधिकृत पी एंड जी कम्पनी का टाइड प्लस नकली खाली पैकेट 1100 पीस को जब्त कर दुकानदार हरी दर्शन यादव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है.

200 एमएल का भरा हुआ डब्बा 720 पीस, 200 एमएल का खाली डब्बा 751 पीस, 200 एमएल का रैपर 6500 पीस, नकली ढक्कन 651 पीस, केमिकल 8 लीटर जब्त

थाना प्रभारी उपेन्द्र ने बताया कि रेकिट बेनसिकर प्रा. लि के प्रमुख जांचकर्ता रंजीत कुमार सिंह द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि सगमा में एक दुकान में अवैध रूप से रेकिट बेनसिकर के हार्पिक की जगह पर उसी लोगो का इस्तेमाल कर नकली हार्पिक का निर्माण कर खरीद बिक्री की जा रही है. इसके बाद उक्त सूचना का सत्यापन कर हरी दर्शन यादव के दुकान में छापामारी की गई, जिसमें भारी मात्रा में नकली भरा हुआ 200 एमएल के हार्पिक, 200 एमएल नकली हार्पिक का खाली डब्बा, उसमे प्रयोग होने वाला ढक्कन, नकली रैपर आदि को जब्त कर प्रमुख जांचकर्ता रंजीत सिंह के लिखित आवेदन के आधार पर कांड अंकित किया गया है.

बहरागोड़ा में साबुआ हांसदा का 37वां शहादत दिवस मनाया गया

सभी गोलीकांड कांग्रेस सरकार के काल में हुआ: चंपाई

संवाददाता। बहरागोड़ा

चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत एनएच 18 किनारे स्थित केरूकोच चौक पर साबुआ हांसदा का 37वां शहादत दिवस मनाया गया. इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार की सुबह से ही माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन काल में जल, जंगल, जमीन की रक्षा करते हुए साबुआ हांसदा ने शहादत दी थी. कांग्रेस सरकार के शासनकाल में कोल्हान प्रमंडल में सबसे ज्यादा गोली कांड हुआ है. यह जल, जंगल, जमीन का आंदोलन था, लेकिन झारखंड आंदोलन कहिए या जल, जंगल, जमीन का आंदोलन कहिए,आंदोलन को कुचलने का काम अगर किसी ने किया है तो वह कांग्रेस सरकार है. साबुआ हांसदा को जिस जगह पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं वहां भी गोली कांड हुआ था. इस बार साबुआ हांसदा का आशीर्वाद लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी. इससे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने कोकपाड़ा टोल गेट से भारी संख्या में बाइक के साथ रैली निकाल कर नयाग्राम अवस्थित साबुआ हांसदा की मूर्ति तथा केरुकोचा में अवस्थित मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मौके पर सरना समिति के अध्यक्ष कृष्ण मुंडा, सौमित्र ओझा, सांसद प्रतिनिधि गौरव पुष्टि, राजकुमार कर ,चंदन सीट तथा हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे.

शहादत दिवस समारोह के दौरान पूर्व सीएम चंपाई सोरेन. साथ हैं जमशेदपुर के सांसद विद्युतवरण महतो

पुलिस मुख्यालय का आदेश

मातृत्व अवकाश अब शिशु देखभाल अवकाश कहलाएगा

संवाददाता। रांची

मातृत्व अवकाश को अब शिशु देखभाल अवकाश के नाम से जाना जायेगा. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर दिया है. गौरतलब है कि राज्य सरकार ने झारखंड सेवा संहिता 2000 के प्रारूप को स्वीकृति दी है. इसके तहत महिला कर्मियों के साथ पुरुष कर्मियों को भी पितृत्व अवकाश मिलेगा. राज्य सरकार ने छठे केंद्रीय वेतन आयोग की अनुशंसा के आलोक में यह निर्णय लिया है. इस प्रारूप में राज्य सरकार ने सरकारी महिला कर्मियों के मातृत्व अवकाश की अधिसीमा में वृद्धि करने के साथ पुरुष कर्मियों के लिए पितृत्व अवकाश का प्रावधान किया है.

जानें क्या है प्रावधान

- महिला कर्मियों के लिए समस्त सेवाकाल में दो अवयस्क संतानों की देखभाल के लिए कुल 730 दिनों की "शिशु देखभाल अवकाश" का प्रावधान किया गया है.
- इस अवकाश के दौरान महिला एकल पुरुष कर्मचारी को यह छुट्टी वेतन प्राप्त होगा, जो छुट्टी पर प्रस्थान करने के ठीक पहले वो प्राप्त कर रही या रहा हो.
- झारखंड सेवा संहिता 2000 के नियम 220 के बाद नया नियम 220 (ए) शिशु देखभाल अवकाश के रूप में स्थापित किया जायेगा.

दिसंबर के विस चुनाव में झारखंड से भाजपा की निकाली जाएगी अंतिम यात्रा

चंपाई 15 को पीएम से झारखंड का बकाया दिलवा दें : सुप्रियो

- प्रधानमंत्री मोदी से सरना धर्म कोड की भी घोषणा करा दें
- जितनी आग लगानी है लगा लो, झारखंड जलेगा नहीं, जलाएगा

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम और झामुमो के वरिष्ठ, अनुभवी नेता रहे चंपाई सोरेन पार्टी के प्रखर वक्ता रहे हैं. झामुमो के नीति-सिद्धांत और झारखंडी मुद्दों और मांगों को हमेशा से प्रमुखता से उठाते रहे हैं. अब वे भाजपा में चले गए हैं, इसलिए उनकी झारखंडी मुद्दों और मांगों की जिम्मेवारी और अधिक बनती है. झारखंडी जनता उनसे आपेक्षा भी करती है. इसलिए आगामी 15 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी औद्योगिक लौह नगरी जमशेदपुर आ रहे हैं. यह उनका सरकारी कार्यक्रम भी है. वे कुछ झारखंड के कुल 2100 करोड़ रूपये की कुछ सौगात भी देने जा रहे हैं, ऐसी सूचना है. मगर इसके साथ ही चंपाई सोरेन मंच से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2025 में होने वाले राष्ट्रीय जनगणना के पूर्व झारखंड के बहुप्रतीक्षित मांग सरना धर्म कोड, सरना आदिवासियों की गणना और झारखंड का बकाया 1 लाख, 36 हजार करोड़ देने की घोषणा भी करा दें. इतना ही मंच पर कई पूर्व सीएम रहेंगे, इसलिए यह उनकी भी जिम्मेवारी बनती है कि वह प्रधानमंत्री से इसकी घोषणा कराएं. 21 को गृह मंत्री भी संथाल जा रहे हैं. फिर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी 19 को झारखंड आ रही हैं. जब पीएम और गृह मंत्री घोषणा करेंगे तो फिर उसे राष्ट्रपति ही मंजूरी प्रदान करेंगे, क्योंकि इसके पहले भी झारखंड की राज्यपाल रहते हुए उन्होंने पूर्ववर्ती रघुवर सरकार द्वारा सीएनटी-एसपीटी एक्ट संशोधन को पेनडाउन करके आदिवासी-मूलवासियों के हितों की रक्षा की थी. अगर ऐसा नहीं होता है, तो फिर से झारखंड और झारखंडी ठगा का ठगा रही रह जाएगा. क्योंकि झारखंड देश को बहुत कुछ देता है, मगर इसके एवज में झारखंड और झारखंडियों को कुछ मिलता नहीं है. यह बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव व प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

घुसपैठ को लेकर केंद्र सरकार की एफिडेविट भ्रम पैदा करने वाली : सुप्रियो भट्टाचार्य ने घुसपैठ को लेकर केंद्र सरकार द्वारा जमा किए गए एफिडेविट पर सवाल खड़ा किया. कहा कि यह भ्रम पैदा करने वाली स्थिति है. एफिडेविट में कहीं भी घुसपैठ शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है. केवल 1961 से लेकर 2011 तक मुस्लिमों ओर ईसाई की स्थिति बतायी गयी है. उन्होंने मौलाना आजाद और एपीजी अब्दुल कलाम जैसी हस्तियों को जिक्र करते हुए कहा कि यह तो घुसपैठिए नहीं थे ना. अगर फिर भाजपा वालों को लगता है तो इसकी जिम्मेवारी गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री लें. क्योंकि सीमा पर तैनात बीएसफ के जवान क्या करते रहे, क्यों रोका नहीं गया. विदेश मंत्री ने अब तक इसे राष्ट्रीय मंचों पर क्यों नहीं उठाया.

धार्मिक धुर्वीकरण से बाज आए भाजपा : सुप्रियो भट्टाचार्य ने असम के सीएम का जिक्र करते हुए कहा कि दरअसल पूरे मसले पर भाजपा धार्मिक धुर्वीकरण का प्रयास में जुटी है. इन्हें मणिपुर नजर नहीं आता है, जहां पर आग लगायी गयी. अब खुद वहां की सरकार इसमें झुलसती नजर आ रही है. वहां की सरकार केंद्र को पत्र लिखकर केंद्रीय फोर्सेस को वापस करने की मांग कर रही है. भाजपा नेताओं को जवाब देना चाहिए कि मणिपुर देश का हिस्सा या नहीं. वहां पर आदिवासी निवास करते या नहीं. उन्होंने कहा कि झारखंड में जितनी भी आग लगानी है लगा लें, झारखंड जलेगा नहीं बल्कि जलाएगा. झारखंड की जनता दिसंबर को लेकर तैयार बैठी है. जब झारखंड से भाजपा की अंतिम यात्रा निकाली जाएगी.

झारखंड के आदिवासी-मूलवासी की अस्मिता खतरे में: बाउरी

- अफसरों को आगे कर राजनीति न करे सरकार
- झारखंड की डेमोग्राफी पूरी तरह से चेंज हुई है

प्रमुख संवाददाता। रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा है कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी की अस्मिता खतरे में है. राज्य की डेमोग्राफी चेंज हुई है. खास कर संथाल परगना के पाकुड़ और साहेबगंज में भयंकर घुसपैठ हो रहा है. घुसपैठ को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है. इस पर लगातार सुनवाई भी हो रही है. हाईकोर्ट ने इस पर संज्ञान लेते हुए कहा कि संताल के छह जिलों के डीसी और एसपी रिपोर्ट दें, कि उसके लिए वे क्या कर रहे हैं. बाउरी गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठियों की संरक्षक है. इस पर लीपापोती की जा रही है. राज्य सरकार ने डीसी और एसपी के माध्यम से जो एफिडेविट दायर किया था उसे हाईकोर्ट ने भी खारिज कर दिया थी.

एसपीटी एक्ट का भी हुआ है उल्लंघन : बाउरी ने कहा कि अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाईकोर्ट में एक एफिडेविट दायर किया है. इसमें इस बात को स्वीकार किया है कि घुसपैठ संताल परगना के लिए बड़ा खतरा उभर कर सामने आया है. इसके कारण डेमोग्राफी चेंज हुई है. एसपीटी एक्ट का भी उल्लंघन हुआ है. इसमें कहीं न कहीं राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है.

आधार कार्ड सिर्फ यूनिक आइडेंटिफिकेशन के लिए

बाउरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने कहा है कि आधार कार्ड सिर्फ यूनिक आइडेंटिफिकेशन के लिए है. एनआरसी ही किसी को रजिस्टर्ड नागरिकता से जोड़ सकता है. बाउरी ने कहा कि अफसरों को आगे कर राजनीति नहीं होनी चाहिए. गृह सचिव इस बात में व्यस्त हैं कि इस तुष्टिकरण की सरकार को कैसे बचाएं और कैसे आगे लेकर जाएं. बाउरी ने राज्य सरकार से कहा कि राजनीति में अपने अफसरों को न झोंके. अफसरों को उनका काम करने दें. अफसरों को राजनीति में आगे करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है.

दो दिवसीय एनईपी-2020 की कार्यशाला का शुभारंभ

एनईपी से विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा : कुलपति

संवाददाता। मेदिनीनगर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में न केवल शिक्षा व्यवस्था बदलने की शक्ति है, बल्कि पूरे राष्ट्र, उसकी सोच, उसकी दृष्टि को बदलने की ताकत है. उक्त बातें प्रमंडलीय आयुक्त सह एनपीयू के प्रभारी कुलपति बाल किशुन मुंडा ने कही. वे दीनदयाल नगर भवन में आयोजित दो दिवसीय एनईपी-2020 की कार्यशाला के उदघाटन सत्र में बोल रहे थे. इससे पूर्व योध सिंह नामधारी महिला कॉलेज के आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला का उदघाटन कुलपति बाल किशुन मुंडा, रिसोर्स पर्सन पीके राय मेमोरियल कॉलेज धनबाद के प्रभारी प्राचार्य डॉ बीके सिन्हा, एनपीयू के प्रोक्टर डॉ केसी झा, महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहिनी गुप्ता आदि ने संयुक्त रूप से किया. कुलपति ने कहा कि भारत एक वैश्विक महाशक्ति बनाने एवं विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के उदेश्य नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति शुरू की गई है. एनईपी सिर्फ एक नीति नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आंकाक्षाओं का संकलन है. यह नीति नये भारत के निर्माण का संकल्प है. स्कूल के बैग के बोझ से विद्यार्थियों को मुक्त करना है. छात्र-छात्राओं में रचनात्मक व आलोचकनात्मक सोच को बढ़ावा देना है. इसका मुख्य उदेश्य विद्यार्थियों को एक वैश्विक नागरिक बनाना है. एनईपी विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल विकास को बढ़ावा देना है. एनपीयू में 2022 से यूजी स्तर पर एनईपी लागू किया गया है. एनपीयू के प्रोक्टर डॉ केसी झा ने कहा कि एनईपी के तहत स्कूली शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किये गए हैं. विद्यार्थियों में साइंस, आर्टस एवं कॉमर्स का विभेद नहीं होगा. विद्यार्थियों को कोर्स चयन करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है. प्राचार्य डॉ मोहिनी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एनईपी के तहत गुणवतायुक्त शिक्षा को बढ़ावा देना है. इस नीति का क्रियान्वयन होने से विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास हो सकेगा. कार्यशाला का प्रायोजक उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग है. उदघाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र की शुरूआत हुई. मौके पर शिक्षक, विद्यार्थी मौजूद रहे.

कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति बाल किशुन मुंडा.

सीसीएल में एथिक्स और गवर्नेंस पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

रांची। सीसीएल के सतर्कता विभाग ने मानव संसाधन विकास विभाग के सहयोग से एथिक्स और गवर्नेंस पर एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया. इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीआईएल के पूर्व मुख्य प्रबंधक (वित्त) ए.डी. वाधवा थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सीवीओ सीसीएल पंकज कुमार उपस्थित थे. यह कार्यशाला नैतिक प्रथाओं और शासन के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था. इस कार्यक्रम में क्षेत्र और मुख्यालय से कुल 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया. उद्घाटन सत्र में पंकज कुमार ने प्रेरक और मनोबल बढ़ाने वाली बातें की. इस अवसर पर जीएम विजिलेंस एके सिंह उपस्थित थे. जीएम एचआरडी आरके पांडे ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया. सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की.

खूंटी विस क्षेत्र में नहीं रुकेगी विकास की गाड़ी : नीलकंठ सिंह मुंडा

खूंटी । खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने गुरुवार को खूंटी प्रखंड की भंडरा पंचायत के बरबंदा करां टोली में पीसीसी पथ, जिलिंगा में खेल मैदान के सौंदर्यीकरण, हेसाहातु में पीसीसी पथ निर्माण और चितरामू में खेल मैदान सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया. मौके पर आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए विधायक मुंडा ने गांव वालों से सीधा संवाद करते हुए क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों और उनकी समस्याओं की जानकारी ली. विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बहुत जल्द उनकी समस्याओं का निराकरण किया जायेगा. उन्होंने कहा कि आज हमारे क्षेत्र की बहुत सारे खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा के बल पर देश-विदेश में झारखंड का मान बढ़ाया है. खेल मैदान के सौंदर्यीकरण हो जाने से और बहुत सारे खिलाड़ी उभर कर सामने आएंगे. गांव में पीसीसी पथ का निर्माण हो जाने से आम लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी.

टी20 लीग फाइनल मैच में शशि माथुर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला

धनबाद ड्रैगंस ने जीता जेएससीए वीमेंस टी20 का खिताब

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) द्वारा आयोजित झारखंड वीमेंस टी20 लीग के फाइनल में रोमांचक मुकाबले में धनबाद ड्रैगंस ने रांची रॉयल्स को 5 विकेट से मात देकर चैंपियन बना. बता दें कि धनबाद ड्रैगंस पूरी प्रतियोगिता में अपराजय रही. प्रतियोगिता की विजेता टीम धनबाद ड्रैगंस की ट्रॉफी के साथ 1 लाख का नगद पुरस्कार दिया गया. वहीं उपविजेता टीम रांची रॉयल्स को ट्रॉफी के साथ 80 हजार का नगद पुरस्कार दिया गया. गुरुवार को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जेएससीए के मुख्य मैदान में खेला गया. रांची रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 116 रन बनाए. रांची की ओर से टीम की कप्तान रश्मि गुड़िया ने सर्वाधिक 45 रन बनाए. वहीं संध्या कुमारी ने 33 और प्रियंका सवाइयां ने 26 रनों की पारी खेली. धनबाद की ओर से दुर्गा मुर्मू ने 2 विकेट झटके. लक्ष्य का पीछा करने उतरी धनबाद ड्रैगंस ने 19.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 117 रन बनाकर मुकाबले को जीत लिया.

धनबाद ड्रैगंस की ओर से सलामी बैटर शशि माथुर ने 50 रन बनाकर जीत में अहम भूमिका निभाई. वहीं कप्तान दुर्गा मुर्मू ने 24 रनों की पारी खेली. रांची की ओर से आनंदिता, नेहा, प्रियंका और शैंपी ने 1- 1 विकेट झटके. मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाली धनबाद ड्रैगंस की शशि माथुर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि रांची जोन के आईजी अखिलेश झा, जेएससीए के प्रेसिडेंट संजय सहाय, वाइस प्रेसिडेंट नरेंद्र सिन्हा, सेक्रेटरी देवाशीष चक्रवर्ती, ज्वाइंट सेक्रेटरी पीएन सिंह ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया. इस दौरान जेएससीए के प्रतिनिधि मौजूद थे.

खुशियां मनातीं विजेता टीम और अतिथिगण.

पेज 01 का शेष...

द्वंद्व कहां तक पाला जाये, क्यों न...

दरअसल, कांग्रेस भी अब व्यावहारिक अर्थों में क्षेत्रीय पार्टी बन गयी है. केरल और पंजाब के अतिरिक्त वह सभी जगह गंठबंधन के बूते जीती है. उसे विदेश में बैठी भारत विरोधी ताकतें और लेफ्ट लिबरल गिरोह ने समझा दिया है कि अब कांग्रेस को पुरानी चमक-धमक तभी मिल पायेगी जब वह निखालिस जाति की राजनीति करे. जब तक कांग्रेस का एकछत्र राज था तब तक उसके सभी प्रधानमंत्रियों ने जाति के आधार पर बंटवारा बर्दाश्त नहीं किया. जातियों की गणना 1931 के बाद कभी हुई नहीं. 1941 में द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण जातीय गणना हुई नहीं और 1951 में नेहरू जी ने जनगणना तो करायी, लेकिन जाति की गणना रोक दी. उसके बाद न इंदिरा जी ने जाति गिनवायी, न नरसिंह राव ने. मनमोहन सिंह ने सामाजिक-आर्थिक आधार पर कुछ कराया भी तो उसे जाहिर नहीं किया. पी चिदंबरम ने तो यहां तक कह दिया था कि यह रिपोर्ट गटर में डालने लायक है.

अंग्रेज जातीय गणना इसलिए नहीं कराते थे कि उन्हें दबे-कुचले, पिछड़े भारतीयों को ऊपर उठाना था. वे इस गणना के जरिये धर्मांतरण का ठौर तलाशते थे और भारतीय समाज की एकता विखंडित करने का प्रयास करते थे. अंग्रेजों ने ही तो सांप्रदायिक आधार पर निर्वाचक मंडल और प्रतिनिधित्व निर्धारित किया था. उन्होंने ही भारतीय समाज में जातिवाद और ऊंच-नीच की भावना को आंच दी थी. वे जानते थे कि यदि भारतीय एक हो गये तो ब्रिटिश सत्ता के पांव उखड़ जायेंगे. इस समय भी भारत की प्रगति से बेचैन ताकतें देश में बवंडर पैदा करने की हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं. उन्हीं के ट्रैप में कांग्रेस फंस गई है. वह सांप्रदायिक ताकतों से तो इश्क लड़ाती रही है, लेकिन जातियों और उनकी उपजातियों की उलझी पहेलियां सुलझाने और उन्हें अपने अनुकूल बनाने का हुनर उसके पास नहीं रहा है. वह स्वाधीनता समर की कोख से पैदा हुई पार्टी है. वह संपूर्णता की पोषक रही है और वह अपना पुराना गौरव हासिल भी तभी करेगी जब टुकड़ों को ही यथार्थ मानने से इनकार करने लगेगी. टुकड़ों की राजनीति अंतहीन हो सकती है और देश सामाजिक विघटन के दलदल में धंस सकता है. अब लौटते हैं मूल मुद्दे पर. वह यह कि क्या भाजपा संघ के सुझाव के अनुरूप जातीय गणना कराने का मानस बनायेगी ? अगर जातियों की गिनती के जरिये वंचितों को सहूलियतें देने की बात है तो पहले उसका एक व्यावहारिक खाका तैयार होना चाहिए और उसे विचार-विमर्श के लिए सार्वजनिक कर देना चाहिए. यदि संघ के मंतव्य के इतर भाजपा कोई रणनीति बना रही हो, तब तो बात अलग है. लेकिन वह कुछ ऐसा जरूर करना चाहती होगी कि उसकी किसी पहल से कांग्रेस को फायदा न हो. लेकिन राहुल गांधी जातीय गणना के आलोक में आरक्षण का कोटा बढ़ाने की भी मांग कर रहे हैं और न्यायपालिका इसकी इजाजत नहीं देती है. ऐसी स्थिति में आरक्षण कोटे में वृद्धि को न्यायिक समीक्षा से परे रखने के लिए कुछ उपायों की भी मांग उठेगी. इन सभी परिस्थितियों के मद्देनजर ही सरकार को कोई निर्णय लेना होगा. इस बार खतरा बड़ा होगा. जातीय जनगणना के बाद पिछड़ों में ही भिड़ंत हो सकती है और दलित, आदिवासी समाज के वंचित भी मुखर हो सकते हैं. लेकिन द्वंद्व पालने से अच्छा है, जातियों की गिनती हो ही जाए. महान दार्शनिक रूसो ने कहा है कि राजसत्ता को सामाजिक विघटन रोकने की हर मुमकिन कोशिश करनी चाहिए. लेकिन यदि विघटन अपरिहार्य हो जाए तो उसे होने देना चाहिए. इससे समाज इतना टूट जायेगा कि फिर टूटने लायक रहेगा ही नहीं. तब शांति कायम होगी और शासन व्यवस्था ठीक से काम करने लगेगी.

न्यूज अपडेट

इजरायली हमले में छह यूएन कर्मी मरे

संयुक्त राष्ट्र। गाजा में बुधवार को एक इजरायली एयर स्ट्राइक में संयुक्त राष्ट्र के 6 कर्मचारियों की मौत गई. इस हमले में कम से कम 18 फिलिस्तीनी भी मारे गए. यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बताया कि मारे गए यूएन कर्मचारी फिलीस्तीनी संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी के स्टाफ मेंबर्स थे. यूएन प्रमुख ने एक्स पर जानकारी दी कि बुधवार के हवाई हमले में एक स्कूल को निशाना बनाया गया जहां करीब 12,000 लोग शरण लिए हुए हैं. गुटेरेस ने कहा कि गाजा में जो हो रहा है, वह अस्वीकार्य है.

भारी बारिश के बाद गिरी छत, 7 घायल

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ में भारी बारिश के कारण दो मंजिला मकान की छत भरभराकर गिर गई. इस हादसे में तीन बच्चों समेत सात लोग मलबे में दब गए. मामला टप्पल थाना इलाके के जैदपुरा गांव का है. बताया जा रहा है कि अलीगढ़ में बीते तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है. गुरुवार सुबह जैदपुरा गांव में स्थित एक दो मंजिला मकान की छत अचानक गिर गई. घटना के समय परिवार के लोग घर में ही सो रहे थे. इस हादसे में तीन बच्चों, दो महिलाओं समेत सात लोग मलबे में दब गए.

वंदे भारत में 3 करोड़ लोगों ने किया सफर

नयी दिल्ली। स्वदेशी भारतीय ट्रेन वंदे भारत में शुरुआत से लेकर 20 अगस्त तक करीब 3.17 करोड़ लोग यात्रा कर चुके हैं. जानकारी के मुताबिक, मौजूदा समय में 54 वंदे भारत ट्रेन देश में चल रही हैं और 20 अगस्त तक 35,428 फेरों में 3.17 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा चुकी हैं. वंदे भारत ट्रेन फरवरी, 2019 को शुरू की गई. वंदे भारत ट्रेन का नेटवर्क देश के 280 जिलों और 24 राज्यों में फैला हुआ है. वित्त वर्ष 2023-24 में वंदे भारत ट्रेनों ने पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने जितनी यात्रा की थी.

फर्जीवाड़े में तिब्बती नागरिक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। एसटीएफ गौतमबुद्ध नगर की टीम ने फर्जी दस्तावेज के जरिए भारतीय पासपोर्ट बनवाकर साइबर फ्रॉड करने वाले एक तिब्बती नागरिक को दिल्ली से गिरफ्तार किया है. आरोपी भारत में अपना नाम बदलकर रह रहा था. आरोपी के भारतीय पासपोर्ट के जरिए विदेशों में आता जाता था. वह साइबर अपराधियों के साथ मिलकर करोड़ों की साइबर ठगी भी कर चुका है. तिब्बती नागरिक ने फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर भारतीय नाम चंद्रा ठाकुर रखा और इसी नाम से पासपोर्ट भी बनवाया था.

गणेश विसर्जन में पथराव, 52 गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन के दौरान पथराव की घटना पर राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने बताया कि पथराव की घटना के बाद 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मांड्या में गणेश विसर्जन के दौरान किसी ने जुलूस पर पत्थर फेंके थे, इसके बाद दूसरे पक्ष की तरफ से भी पथराव हुआ. इस दौरान आगजनी भी की गई. हालांकि, मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने हालात को संभाला.

मंत्री का वाहन दूसरी गाड़ी से टकराया

बोब्बिली। आंध्र प्रदेश की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री गुम्मदी संध्या रानी गुरुवार को उस समय बाल-बाल बच गईं, जब एक वाहन उनके काफिले से टकरा गया. हालांकि उसकी टक्कर एक एस्कॉर्ट वाहन के साथ हुई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि इस घटना में चार पुलिसकर्मियों समेत पांच लोग घायल हो गए. चार पुलिसकर्मियों के अलावा घटना में शामिल दूसरे वाहन का चालक भी घायल है. आनन-फानन में सभी कोबोब्बिली स्थित अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है.

सैन्य अफसरों से पदक वापस लिए गए

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने कथित युद्ध अपराधों के चलते अफगानिस्तान में तैनात रहे सैन्य कमांडरों से विशिष्ट सेवा पदक वापस ले लिए हैं. मार्लेस ने अफगानिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई लोगों द्वारा किए गए कथित युद्ध अपराधों पर सरकार की कार्रवाई से संसद को अवगत कराते हुए यह घोषणा की. 2005 से 2016 के बीच अफगानिस्तान में 39 नागरिकों या कैदियों की कथित गैरकानूनी हत्या में ऑस्ट्रेलियाई विशेष बल के 25 वर्तमान या पूर्व कर्मी शामिल थे.

फिलीपींस में डेंगू से 546 लोगों की मौत

मनीला। फिलीपींस में डेंगू खतरनाक रूप लेता जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि इस बीमारी की वजह से होने वाली मौतों की संख्या भी बढ़ रही है. इस साल जनवरी से 6 सितंबर तक डेंगू के 2,08,965 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले साल की इसी अवधि से 68 प्रतिशत अधिक है. इस अवधि में 546 मौतें दर्ज की गईं. फिलीपींस के स्वास्थ्य सचिव टेओडोरो हर्बोसा ने कहा, "हम डेंगू के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी देख रहे हैं."

चंपावत में भारी बारिश के बाद भूस्खलन

चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत में बुधवार देर रात से हो रही भारी बारिश के कारण गुरुवार सुबह भूस्खलन हुआ. इसका असर टनकपुर-पिथौरागढ़ नेशनल हाईवे पर पड़ा. भूस्खलन के बाद पहाड़ी से मलबा गिरकर नेशनल हाईवे पर आ गया, जिसके चलते रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है. यही नहीं, हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें भी लग गई हैं. सामाजिक कार्यकर्ता हरिश्चंद्र तिवारी ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग 5 बजे संतोला के पास टनकपुर-पिथौरागढ़ नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ है.

मानसून व तूफान यागीमध्य का असर : म्यांमार में भीषण बाढ़ से कम से कम 17 लोगों की मौत

यांगून। म्यांमार के मांडले क्षेत्र के यमेथिन टाउनशिप में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से दो दिन में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मांडले शहर के अग्निशमन सेवा विभाग के एक अधिकारी हवाले से गुरुवार को यह जानकारी दी. मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के निदेशक यू हला तुन ने शिन्हुआ को बताया कि मजबूत मानसून और तूफान यागी के कारण हुई भारी बारिश से म्यांमार के कई इलाकों में भयंकर बाढ़ आ गई है. उन्होंने कहा कि मध्य म्यांमार बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां पहाड़ों से कई नदियां और नाले बह रहे हैं. उन्होंने कि 13 सितंबर तक बारिश में और तेजी होने की और फिर धीरे-धीरे इसमें कमी आने की संभावना जताई है. स्थानीय बचाव संगठनों के अनुसार, बाढ़ के कारण शान प्रांत के ताचिलेइक शहर में तीन मौतें हुई हैं और नेय प्यी ताव के तात्कोन टाउनशिप में चार मौतें हुई हैं. आधिकारिक मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बाढ़ से कुछ रेलवे सेक्शन और ट्रेन स्टेशन प्रभावित हुए हैं.

मदुरै में महिला छात्रावास में आग लगने से दो की मौत

एजेंसी। चेन्नई

- घटना में पांच अन्य घायल हुए विस्तृत जांच करने की अपील

तमिलनाडु के मदुरै जिले के पेरियार बस स्टैंड के पास कटारपालयम में एक महिला छात्रावास में आग लगने से दो महिलाओं की जान चली गई. यह घटना गुरुवार सुबह की है. घटना में पांच अन्य घायल हो गए. उन्हें राजाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतकों की पहचान परिमाला और सरन्या के रूप में की गई है.

पुलिस ने बताया कि हॉस्टल में आग लगने से अत्यधिक धुआं फैल गया और दम घुटने से दोनों महिलाओं की मौत हो गई. पुलिस ने कहा कि आग रसोई में एक रेफ्रिजरेटर में विस्फोट के कारण लगी थी. उन्होंने कहा कि विस्फोट के कारण की जांच की जाएगी. महिलाओं के शवों का पोस्टमार्टम राजाजी अस्पताल में किया जाएगा. सामाजिक कार्यकर्ता एम. कन्नदास ने आईएएनएस से बात करते हुए जिला प्रशासन से दुर्घटना की विस्तृत जांच करने की अपील की. उन्होंने कहा कि आग लगने के सभी पहलुओं की जांच की जानी चाहिए. मदुरै नगर पालिका से यह पता लगाने को कहा कि क्या छात्रावास के पास सभी आवश्यक लाइसेंस थे.

मुझे कुर्सी का मोह नहीं, पद छोड़ने के लिए तैयार : ममता

डॉक्टरों के बात से मना करने पर बोलीं पशिचम बंगाल की सीएम

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर केस के विरोध में डॉक्टरों की हड़ताल जारी है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ममता सरकार ने तीसरी बार जूनियर डॉक्टरों को बातचीत के लिए चिट्ठी लिखी है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को मिलने के लिए बुलाया. सीएम राज्य सचिवालय नबान्नो में 2 घंटे तक इंतजार करती रहीं. लेकिन हड़ताल कर रहे डॉक्टर बाहर एक मांग को लेकर अड़े रहे. डॉक्टरों की मांग है कि सीएम से मुलाकात और बातचीत का लाइव टेलीकास्ट किया जाए. इसके बाद सीएम ममता बनर्जी का बयान सामने आया है.

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'मैंने डॉक्टरों से बात करने की पूरी कोशिश की. तीन दिनों तक उनसे मिलने का इंतजार किया. आज नबान्नो में 2 घंटे तक उनका इंतजार करने पर भी वो मिलने नहीं आए. मैं इस्तीफा देने को भी तैयार हूं.₹ सीएम ने कहा, ₹पहले हमने लाइव टेलीकास्ट की परमिशन दी थी. लेकिन अब मामला सुप्रीम कोर्ट और सीबाआई में है. लिहाजा इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती.' वहीं, डॉक्टरों ने कहा कि अगर मीटिंग का लाइव-टेलीकास्ट नहीं किया गया, तो वो मीटिंग में शामिल नहीं होंगे.

कोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल पर क्या कहा था? : सुप्रीम कोर्ट ने 9 सितंबर को रेप-मर्डर केस की सुनवाई के दौरान कोलकाता के जूनियर डॉक्टरों को प्रदर्शन खत्म करने का आदेश दिया था. अदालत ने कहा था कि सभी डॉक्टर 10 सितंबर की शाम 5 बजे तक हड़ताल खत्म कर ड्यूटी पर लौटें. कोर्ट ने आदेश ना मानने पर राज्य सरकार को एक्शन लेने को कहा था. हालांकि, डॉक्टर्स अपनी मांगें पूरी होने तक प्रदर्शन करने के फैसले पर डटे रहे. उन्होंने 10 सितंबर को स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया. तब से सरकार डॉक्टरों से बातचीत की कोशिश में लगी है.

9 अगस्त की मिली थी ट्रेनी डॉक्टर की लाश : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त की सुबह 31 साल के ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश मिली थी. रेप के बाद उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी. अटॉप्सी रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हुई. इस मामले में सिविक वॉलन्टियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया है. इस मामले के 3 दिन बाद मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष ने इस्तीफा दे दिया. उसी दिन उन्हें दूसरे कॉलेज में अपॉइंट कर दिया गया. इसके बाद देशभर के डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी. मामला कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचा.

पश्चिम बंगाल की जनता से मांगती हूं माफी- ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने कहा, 'आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर का मामला कोर्ट में है. इसलिए हम मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग की इजाजत नहीं दे सकते थे. हमने इस बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग करने की तैयारी की थी. अगर डॉक्टर्स चाहते, तो हम सुप्रीम कोर्ट की इजाजत लेकर उनसे यह रिकॉर्डिंग शेयर कर देते. लेकिन वो अपनी बात पर अड़े हुए हैं. मैं बंगाल की जनता से माफी मांगती हूं. मैं डॉक्टरों को वापस नहीं बुला सकी. मुझे सीएम पद से कोई मोह नहीं है.' इससे पहले बंगाल के चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को गुरुवार शाम 5 बजे राज्य सचिवालय में मुलाकात के लिए बुलाया था. डॉक्टर्स 5:25 बजे यहां पहुंचे. सरकार ने मुलाकात के लिए 15 डॉक्टरों के डेलीगेशन को मंजूरी दी थी. हालांकि, डेलीगेशन में 30 सदस्य थे. डॉक्टर्स मीटिंग का लाइव टेलीकास्ट कराने की मांग पर अड़े हैं. लिहाजा अब तक मीटिंग शुरू नहीं हो पाई है.

डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री के साथ बातचीत के लिए 4 शर्तें रखीं

सरकार की ओर से डॉक्टरों संग बातचीत की यह तीसरी पहल है. डॉक्टर्स ने पिछले दो प्रस्तावों को खारिज कर दिया था. डॉक्टरों ने सीएम से बातचीत के लिए 4 शर्तें रखी हैं, जो निम्न हैं : मीटिंग में जूनियर डॉक्टरों का 30 डेलीगेशन को शामिल करने की इजाजत मिले. मीटिंग नबन्नो में हो और लाइव टेलीकास्ट की जाए. मीटिंग का पूरा फोकस जूनियर डॉक्टर्स की 5 मांगों पर हो. मीटिंग में सीएम ममता बनर्जी जरूर शामिल हों. पिछले 3 दिनों में सरकार की ओर से डॉक्टरों के साथ बातचीत की यह तीसरी पहल है.

डॉक्टरों की क्या हैं 5 मांगें : आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर के साथ-साथ सबूतों से छेड़छाड़ करने वाले सभी लोगों कोसजा मिले. पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो. कोलकाता के पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल इस्तीफा दें. हेल्थ वर्कर्स की सिक्योरिटी बढ़ाई जाए. बंगाल के अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में थ्रेट कल्चर (डॉक्टरों को धमकी देना और हमले करने की घटनाएं) बंद हो.

कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइलों का टेस्ट

- दक्षिण कोरिया व अमेरिका ने की प्योंगयांग के इस कदम की निंदा

एजेंसी। वॉशिंगटन

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर मिसाइल प्रक्षेपण कर सोल और वॉशिंगटन को चिंता में डाल दिया है. दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, गुरुवार को पूर्वी सागर की ओर छोटी दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं. अमेरिका ने प्योंगयांग के इस कदम की निंदा की. योनहाप समाचार एजेंसी के एक सवाल के जवाब में विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका डीपीआरके द्वारा बुधवार को किए गए बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करता है.

बता दें डीपीआरके उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है जिसका अर्थ है डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया. अधिकारी ने कहा कि हाल के वर्षों में डीपीआरके द्वारा किए गए अन्य बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपणों की तरह ये प्रक्षेपण भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का उल्लंघन करता है. यह क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करता है. प्रवक्ता ने क्षेत्रीय सहयोगियों के प्रति अमेरिका की रक्षा प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि कोरिया गणराज्य और जापान की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटल है. अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, "हम अपने सहयोगियों के साथ इस बारे में विचार-विमर्श कर रहे हैं कि डीपीआरके की आक्रामकता को कैसे रोका जाए और डीपीआरके द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों के उल्लंघन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं का समन्वय कैसे किया जाए." बता दें पिछले हफ्ते उत्तर कोरिया ने चेतावनी दी थी कि सोल और वॉशिंगटन को अपने हालिया बड़े सैन्य अभ्यास के लिए "भारी कीमत" चुकानी पड़ेगी. प्योंगयांग ने मित्र देशों के अभ्यास को आक्रमण की रिहर्सल बताया.

महाराष्ट्र : 'भाजपा पॉकेट मार' लिखे हुए पोस्टर ने बढ़ाया सियासी तापमान

मुंबई। महाराष्ट्र में एक पोस्टर ने सियासी तपिश बढ़ा दी है. दीवारों पर ऐसा पोस्टर चस्पा किया गया है, जो महंगाई को लेकर प्रदेश सरकार पर प्रहार करता है. निशाने पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं. मराठी में लिखा है 'तूम्ही उपाशी भाजप तूपाशी'. मतलब आप भूखे हैं और इसमें भाजपा आपकी मदद कर रही है. इसमें बीजेपी को महाराष्ट्र की जनता का 'पॉकेट मार' बताया गया है. पोस्टर में दिखाया गया है कि बीजेपी लगातार सत्ता का दुरुपयोग कर जनता की गाढ़ी कमाई को हथिया रही है.

पोस्टर में देवेंद्र फडणवीस को जनता की जेब से पैसे लेते हुए दिखाया गया है. उन्हें इस पोस्टर में ऐसे रेखांकित किया गया है कि जैसे उन्हें जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है. पोस्टर के जरिए जताया गया है कि सूबे में बढ़ती महंगाई के लिए देवेंद्र फडणवीस जिम्मेदार हैं. यह पोस्टर महाराष्ट्र के कई शहरों में लगाए गए हैं. जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे का विधानसभा चुनाव में व्यापक असर देखने को मिल सकता है.

मध्य प्रदेश : दतिया में दीवार ढहने से 7 लोगों की हुई मौत

- मुख्यमंत्री ने दिए परिवारजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश

एजेंसी। दतिया

दतिया के डीएम संदीप माकिन.

मध्य प्रदेश के दतिया में एक पुराने क़िले की दीवार ढहने से नौ लोग दब गए थे, जिसमें से सात लोगों की मौत हो गई है जबकि दो लोगों को बचा लिया गया है. दतिया के जिलाधिकारी संदीप माकिन ने यह जानकारी दी है.

जिलाधिकारी ने बताया है कि गुरुवार यानी आज सुबह लगभग चार बजे यहां पिछले 36 घंटे से हो रही बरसात के कारण क़िले की दीवार ढह गई जिसके नीचे एक ही परिवार के नौ सदस्य दब गए थे. उन्होंने बताया है कि स्थानीय लोगों ने दो सदस्यों को तुरंत मलबे से बाहर निकाल लिया था. उनको अस्पताल पहुंचाया गया और ये दो लोग अभी सुरक्षित हैं. जिलाधिकारी ने बताया है कि घटनास्थल तक पहुंच पाने के लिए रास्ता चौड़ा न होने के कारण जेसीबी और पोकलैंड मशीनें वहां नहीं पहुंच पाई थीं. उन्होंने बताया है कि दोपहर तक सात शवों को बाहर निकाल लिया गया था. वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा है, "मृतकों के परिवारजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं." उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा है, "दतिया में राजगढ़ किले की पुरानी दीवार ढहने से कई अनमोल जिंदगियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत ही पीड़ादायी है. दुःख की इस घड़ी में हम सभी शोकाकुल परिवारों के साथ हैं."

अमेरिका से पचिया ने दिया घटना को अंजाम

एजेंसी। नयी दिल्ली

चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला
चौंकाने वाले खुलासे से एजेंसियों के कान खड़े, आईएसआई से भी कनेक्शन जुड़ रहा

चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित एक कोठी पर ग्रेनेड हमले से जुड़े मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. शक की सुई हरविंदर सिंह रिंदा और हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पचिया की तरफ है. पचिया के बारे में जांच एजेंसियां दावा कर रही हैं कि वह अमेरिका से बैठकर पंजाब को दहलाने की साजिश रच रहा है. उसके पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का दिमाग होने की बात भी कही जा रही है.

दरअसल, कुछ दिनों पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के आला अधिकारियों के साथ बैठक की थी. बैठक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सुरक्षा को लेकर बातचीत हुई. इसमें देश की सीमा के पार बैठे टेरर हैंडलर्स को लेकर भी चर्चा किए जाने की बात सामने आई. सूत्रों की मानें तो चर्चा के दौरान हरविंदर सिंह रिंदा और हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पचिया का नाम प्रमुखता से लिया गया. इन दोनों का नाम 11 सितंबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित एक कोठी पर ग्रेनेड हमले में भी सामने आया है. इस खुलासे से एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं. हैप्पी पचिया के अमेरिका में होने की बात कही जा रही है. वहां से पचिया पंजाब को दहलाने की साजिश रच रहा है और उसे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का भी समर्थन हासिल है. हरिवंदिर सिंह रिंदा ने हैप्पी पचिया के साथ मिलकर नया सिंडिकेट बनाया है. यह आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा है. इस सिंडिकेट का काम पंजाब में आतंकी गतिविधियों को बढ़ाना है.

खतरे का अंदेशा भांपते हुए पंजाब पुलिस ने रिंदा-पचिया के सिंडिकेट पर एक्शन भी लिया है. एक अधिकारी ने बताया था कि पंजाब पुलिस ने अगस्त 2023 से 30 अगस्त 2024 तक लगभग आठ आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया. अधिकारी ने बताया, "उसके समूह के लगभग 35 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और रिंदा-पचिया नेटवर्क से जुड़े 546 व्यक्तियों को वेरीफाई किया गया."

हरियाणा चुनाव : आम आदमी पार्टी ने सभी 90 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

एजेंसी। नयी दिल्ली

- कांग्रेस और भाजपा भी अधिकांश सीटों से कर चुकी है उम्मीदवारों की घोषणा

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को अपने उम्मीदवारों की 7वीं लिस्ट जारी कर दी. पार्टी ने लिस्ट में तीन नामों की घोषणा की. इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं. पार्टी ने अपनी आखिरी लिस्ट में आदर्श पाल को टिकट दिया है. जो आज (12 सितंबर) ही कांग्रेस का छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं. इसके अलावा आप ने नारनौंद से रणवीर सिंह लोहान को चुनावी मैदान में उतारा है, वहीं नूंह से राबिया किदवई को अपना उम्मीदवार बनाया है.

इस तरह अब तस्वीर साफ हो चुकी है कि हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन नहीं हो रहा है. राज्य में दोनों ही पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ने जा रही है. हालांकि हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस और आप के बीच सीट शेयरिंग को लेकर काफी दिनों तक माथापच्ची हुई, लेकिन दोनों पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग फार्मूला सुलझ नहीं पाया. बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए गुरुवार को नामांकन का अंतिम दिन है. उधर, कांग्रेस ने हरियाणा 90 सीटों में से 88 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है.

कूटनीति डोभाल से मुलाकात में भारत के बढ़ते वैश्विक कद और मजबूत होती अर्थव्यवस्था को सराहा

पुतिन ने एक बार फिर की पीएम मोदी की जमकर तारीफ

एजेंसी। सेंट पीटर्सबर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बढ़ते वैश्विक कद और मजबूत होती अर्थव्यवस्था की सराहना की. पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ अपनी बैठक के दौरान भारत की जमकर तारीफ की. रूसी राष्ट्रपति ने कहा, "हमारी विशेष रणनीतिक साझेदारी गति पकड़ रही है, मजबूत हो रही है, जिसे लेकर हम खुश हैं. हम खुश हैं कि भारत एक राष्ट्र के रूप में मजबूत हो रहा है और उसकी अर्थव्यवस्था विकसित हो रही है. यह सफलता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मिली है." इस वर्ष जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी के मॉस्को दौरे को याद करते हुए पुतिन ने कहा कि वह ऐतिहासिक यात्रा "बहुत सफल" रही, इसके बाद जो काम हुआ वह "बहुत सार्थक ढंग से और ठीक उसी गति से आगे बढ़ रहा है" जिस पर प्रधानमंत्री मोदी और उन्होंने सहमति जताई थी.

एनएसए डोभाल ब्रिक्स सदस्य देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के लिए सेंट पीटर्सबर्ग गए हैं. समूह का वर्तमान अध्यक्ष रूस 22-24 अक्टूबर तक वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा. मॉस्को ने कज़ान में लगभग 36 विदेशी नेताओं को आमंत्रित किया है. पुतिन ने कहा, "सुरक्षा मुद्दे हमेशा से हमारी प्राथमिकताओं में रहे हैं और रहेंगे. सेंट पीटर्सबर्ग आने के लिए हम आपके आभारी हैं. पिछले साल, यह बैठक मास्को में हुई थी. भारतीय पक्ष की ओर से इस वार्ता का समर्थन करने के लिए हम आभारी हैं."

डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया

एनएसए डोभाल ने अपने संबोधन में व्यक्तिगत रूप से मुलाकात का "दुर्लभ अवसर" प्रदान करने के लिए रूसी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया. कहा, "जैसा कि प्रधानमंत्री ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान आपसे कहा, वह आपको यूक्रेन की अपनी यात्रा और जेलेंस्की के साथ अपनी बैठक के बारे में बताने के लिए तैयार हैं. वह चाहते थे कि मैं व्यक्तिगत रूप से आऊं और आपको इस बारे में बताऊं." पुतिन ने ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों को संबोधित किया और प्रकाश डाला कि सेंट पीटर्सबर्ग में ही ब्रिक्स की नींव रखी गई थी, जब भारत, रूस और चीन के नेताओं ने उच्चतम स्तर के साथ-साथ कुछ अन्य क्षेत्रों में नियमित बैठकें आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की थी.

आरजी कर घोटाले में टीएमसी विधायक के घर सीबीआई छापा

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता के सरकारी आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम गुरुवार को हुगली जिले के सेरामपुर विधानसभा क्षेत्र से चार बार के तृणमूल कांग्रेस विधायक डॉ. सुदीप्तो रॉय के घर पर पहुंची. उत्तर कोलकाता के सिंथी क्रॉसिंग स्थित उनके आवास के अलावा सीबीआई अधिकारी पास ही में स्थित उनके निजी नर्सिंग होम में भी छापेमारी और तलाशी अभियान चला रहे हैं. चार बार पार्टी विधायक रहे रॉय आर.जी. कर अस्पताल की रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष जैसे अन्य महत्वपूर्ण पदों पर हैं और पश्चिम बंगाल चिकित्सा भर्ती बोर्ड के सदस्य हैं. वह पश्चिम बंगाल चिकित्सा परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी हैं.

सीबीआई अधिकारियों की टीम दोपहर करीब 1.15 बजे विधायक के घर और कार्यालय पहुंची तथा छापेमारी और तलाशी अभियान शुरू किया. टीम के कुछ सदस्य रॉय से आर.जी. कर अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में पूछताछ भी कर रहे हैं. सूत्रों ने बताया कि रॉय का बयान भी दर्ज किया जाएगा. रॉय के आवास पर सीबीआई की छापेमारी ऐसे समय में हुई है, जब प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों की तीन टीमें इसी सिलसिले में शहर और उसके बाहरी इलाकों में तीन अलग-अलग स्थानों पर छापे मार रहे हैं. इनमें आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का पैतृक आवास भी शामिल है. सूत्रों ने बताया कि सीबीआई की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आर.जी. कर से बायोमेडिकल कचरे की तस्करी वित्तीय घोटाले का एक बड़ा हिस्सा थी. किसी भी अस्पताल के बायोमेडिकल कचरे का निपटान एक खास प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)